हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Koylanchal samvad news

रांची, शुक्रवार, 03 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 307 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

चीन ने बनाया विशाल कार वाहक.... ईरान युद्ध में कूदने को तैयार हुआ यूएई... इंडोनेशिया के मोलुक्का सागर में 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप...

संक्षिप्त खबरें

सीएम का पद छोड़ने के बाद भी नीतीश को मिलेगी जेड प्लस सुरक्षा, गृह विभाग ने जारी किया आदेश

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के बाद नीतीश कुमार को जेड प्लस सुरक्षा मिलती रहेगी. इस संबंध में मंगलवार को गृह विभाग की विशेष शाखा की ओर से आदेश जारी किया गया है. ऐसे में राज्य सभा सदस्य बनने पर भी नीतीश कुमार की सुरक्षा बरकरार रहेगी. नीतीश कुमार को जेड प्लस सुरक्षा : गृह विभाग के आदेश से यह भी साफ हो गया है कि नीतीश कुमार जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और राज्य सभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे. वर्तमान में नीतीश कुमार राज्य सभा के लिए निवार्चित हुए हैं. फिलहाल अभी नीतीश कुमार को SSG सुरक्षा प्राप्त है, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद उन्हें SSG के साथ जेड प्लस सुरक्षा भी मिलेगी. गृह विभाग के आदेश में क्या है? : पुलिस महानिदेशक व डीजी विशेष शाखा को निर्णय के आधार पर जेड सुरक्षा देने का निर्देश दिया गया है. गृह विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि, ''बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत सुरक्षा दी जाएगी. नीतीश कुमार वर्तमान में राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं और निकट भविष्य में बिहार विधान परिषद की सदस्यता व मुख्यमंत्री पद से त्याग-पत्र देकर राज्य सभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे."

महाराष्ट्र में भीषण हादसा, ट्रक की पिकअप से भिड़ंत, 6 की मौत, 7 गंभीर

जालना (महाराष्ट्र): महाराष्ट्र में बुधवार को एक भीषण हादसा हो गया. समृद्धि एक्सप्रेसवे के पास कदवांची इलाके में एक ट्रक की मजदूरों से भरी पिकअप से भिड़ंत हो जाने से छह महिला मजदूरों की मौत हो गई. वहीं सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जाता है कि नागपुर से मुंबई की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने मजदूरों को ले जा रही एक पिकअप गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी. इस हादसे में छह महिला मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 से 8 घायलों को तुरंत इलाज के लिए जालना सरकारी जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. घायलों का अभी आगे का मेडिकल इलाज चल रहा है. वहीं घटना की जानकारी मिलने पर जालना पुलिस और समृद्धि हाईवे पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. उन्होंने बचाव अभियान शुरू किया, और स्थानीय नागरिक भी घायलों को अस्पताल ले जाने में मदद करने के लिए राहत कार्यों में शामिल हुए. इस बीच, शिवसेना विधायक अर्जुन खोतकर ने जालना सरकारी जनरल हॉस्पिटल का दौरा किया और घायलों का हालचाल पूछा. उन्होंने जिला सिविल सर्जन डॉ. राजेंद्र पाटिल से चर्चा की और घायलों को तुरंत मेडिकल मदद देने के निर्देश दिए.

नकली आधार कार्ड के साथ 14 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस से जा रहे थे दिल्ली

जलपाईगुड़ीः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जलपाईगुड़ी में नकली आधार कार्ड के साथ यात्रा कर रहे 14 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी बुधवार रात कामाख्या–नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस से असम से दिल्ली जा रहे थे। विशेष सुरक्षा जांच के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (RPF) को संदेह हुआ, जिसके बाद जलपाईगुड़ी रोड स्टेशन पर सभी को हिरासत में लिया गया। जांच में सामने आया कि समूह में पांच पुरुष, पांच महिलाएं और चार नाबालिग शामिल हैं। तलाशी में नकली आधार व पैन कार्ड, बांग्लादेशी व मलेशियाई करेंसी और मोबाइल फोन बरामद किए गए। आरपीएफ के अनुसार, सभी बांग्लादेशी नागरिक हैं और दिल्ली होते हुए जम्मू-कश्मीर जाने की योजना थी। गुरुवार को उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। चुनावी माहौल में इस घटना ने सीमा सुरक्षा और घुसपैठ पर सियासी बहस को और तेज कर दिया है।

ईरान युद्ध : अब तक की सबसे मजबूत दोस्ती

ईरान से जंग के बीच अमेरिका ने भारत के साथ रिश्तों की तारीफ की

नई दिल्लीः भारत और अमेरिका के बीच मजबूत रिश्तों को दोहराते हुए, भारत में अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्ते पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुए हैं. एक्स पर एक पोस्ट में, अमेरिकी कॉन्सुलेट ने ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक फोटो शेयर की.

उन्होंने ट्रंप का एक पुराना कोट शेयर करते हुए इमेज के साथ कैप्शन लिखा है. जिसमें ट्रंप ने कहा कि, उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आज की घोषणाओं के साथ, अमेरिका और भारत के बीच दोस्ती सबसे मजबूत है. उन्हें लगता है कि, दोनों देशों के बीच यह अब तक की सबसे मजबूत दोस्ती है. ट्रंप ने कहा, "मुझे लगता है कि हमारा रिश्ता दोनों देशों के दो नेताओं के बीच अब तक का सबसे अच्छा रिश्ता है, और यह कहना मेरे लिए सम्मान की बात है."यह संदेश ऐसे समय में साझा किए गए हैं जब अमेरिका ईरान के बीच पिछले एक महीने से ज्यादा समय से जंग जारी है.

एक तरफ अमेरिका दुनिया भर के साथियों से मदद मांग रहा है, वहीं भारत के भी ईरान के साथ रिश्ते हैं. शुक्रवार की पोस्ट में ट्रंप के हवाले से कहा गया कि उन्होंने भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाने की बात कही है, और कहा कि "यह कुछ ऐसा है जो ज़्यादातर लोगों के लिए नहीं कहा जा सकता."

अमेरिका और भारत के संबंधों को अत्यधिक महत्व देते हैं ट्रंपः भारत में अमेरिका के राजदूत

दूसरी तरफ, भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका एवं भारत के संबंधों को अत्यधिक महत्व देते हैं. गोर ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात के बाद मंगलवार शाम सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "कुछ दिनों के लिए अमेरिका लौटा हूं। पहला पड़ाव-राष्ट्रपति से 'व्हाइट हाउस' में मुलाकात. राष्ट्रपति अमेरिका और भारत के संबंधों को अत्यधिक महत्व देते हैं. " गोर ने 'ओवल ऑफिस' (राष्ट्रपति का कार्यालय) में ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ अपनी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की.

ईरान युद्ध पर ट्रंप के बार-बार बदलते रुख से अमेरिकी असमंजस में: ईरान युद्ध में नाटो सहयोगियों से मदद मांगने, नाटो सहयोगियों की जरूरत नहीं होने की घोषणा करने, तेहरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की धमकी देने और फिर ऐसे हमलों को लगभग रातोंरात स्थगित करने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदलते रुख से अमेरिकी असमंजस में हैं.

ईरान युद्ध पर लगातार बदलते रुख को लेकर ट्रंप को सोशल मीडिया पर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है. कुछ लोग उनका मजाक उड़ाते हुए "ट्रंप ऑलवेज चिकन्स आउट (टैको)" यानी "ट्रंप दबाव के चलते अपने फैसले वापस ले लेते हैं या टाल देते हैं" हैशटैग के तहत पोस्ट कर रहे हैं. ट्रंप ने मार्च की शुरुआत में संवाददाताओं के साथ बातचीत में होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में यूरोपीय देशों के साथ-साथ पश्चिम एशिया से तेल एवं गैस की आपूर्ति पर निर्भर अन्य देशों से मदद मांगी थी.

होर्मुज, ईरान के नियंत्रण वाला एक संकरा जलमार्ग है, जिसका इस्तेमाल वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की लगभग 20 फीसदी आपूर्ति के परिवहन के लिए किया जाता है. ट्रंप ने कहा था, "अगर हमें उनकी 'माइन बोट' की जरूरत हो या किसी भी चीज की, उनके पास मौजूद किसी भी उपकरण की, तो उन्हें हमारी मदद के लिए तुरंत आगे आना चाहिए. हम चाहते हैं कि वे आएं और जलडमरूमध्य में हमारी मदद करें."

उन्होंने हालांकि साथ ही यह भी कहा था, "मेरा मानना है कि हमें किसी की जरूरत नहीं है. हम दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र हैं. हमारे पास दुनिया की सबसे मजबूत सेना है. हमें उनकी जरूरत नहीं है." होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने में मदद की ट्रंप की अपील को यूरोपीय देशों, चीन, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों से बेहद ठंडी प्रतिक्रिया मिली.

सरूपथर में में गरजे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कहा- यही हैं सामाजिक बदलाव की असली आवाज

साहिल मुंडा को वंचित समाज की नई उम्मीद बताया

संवाददाता रांचीः असम के सरूपथर विधानसभा क्षेत्र में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी साहिल मुंडा के समर्थन में आयोजित एक विशाल चुनावी जनसभा को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने संबोधित किया। जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री ने साहिल मुंडा को क्षेत्र की नई उम्मीद बताया और विरोधियों पर जमकर प्रहार किया।

सामाजिक परिवर्तन का चेहरा हैं साहिल मुंडा

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि साहिल मुंडा का राजनीति में आना केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत है। साहिल मुंडा केवल एक प्रत्याशी नहीं, बल्कि वंचित समाज की बुलंद आवाज हैं। इनका लक्ष्य विधायक की कुर्सी पाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विकास पहुँचाना है। असम के इस क्षेत्र में झारखण्डी अस्मिता और स्थानीय अधिकारों की रक्षा के लिए साहिल मुंडा से बेहतर विकल्प कोई और नहीं हो सकता।

स्थानीय अधिकारों की लड़ाई

सोरेन ने कहा कि साहिल मुंडा ने हमेशा पद के लालच से ऊपर उठकर जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। अब समय आ गया है कि उन्हें सदन में भेजकर इस आवाज को और मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि साहिल मुंडा के नेतृत्व में संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत हो रहा है। वे युवाओं को केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार कर रहे हैं। सोरेन ने बताया कि जेएमएम के नेतृत्व में सरूपथर में शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और स्थानीय स्वायत्तता के मुद्दों पर ऐतिहासिक काम किया जाएगा।

आई पैक के ठिकानों पर ईडी की रेड

पश्चिम बंगाल कोयला तस्करी मामले में जांच एजेंसी का एक्शन

रांचीः प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पश्चिम बंगाल कोयला तस्करी मामले में एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई पैक (IPAC) से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की है। यह रेड हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली में चल रही है। बेंगलुरु में कंपनी के को-फाउंडर ऋषिराज सिंह के ठिकानों पर ईडी की टीम पहुंची है। यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित कोयला तस्करी और धन शोधन मामले से जुड़ी बताई जा रही है।

जनवरी में भी कोलकाता में हो चुकी है छापेमारी

गौरतलब है कि इससे पहले इसी वर्ष जनवरी में भी ईडी ने कोलकाता में आई पैक के कार्यालय और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी ली थी। उस समय कंपनी ने बयान जारी कर कहा था कि एक पेशेवर संगठन के लिए यह बेहद कठिन और दुर्भाग्यपूर्ण दिन है, हालांकि एजेंसी को पूरा सहयोग दिया गया।

क्या है पश्चिम बंगाल कोयला तस्करी घोटाला

ईडी ने वर्ष 2020 में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ECL) के लीज क्षेत्र से बड़े पैमाने पर अवैध कोयला खनन और चोरी की जा रही थी। इस पूरे खेल में

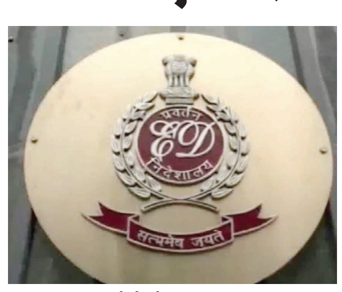

आपराधिक गिरोहों के साथ ECL, CISF, भारतीय रेलवे और अन्य विभागों के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत सामने आई।

अनुप माजी बताया गया मास्टरमाइंड

ईडी की जांच में अनुप माजी को इस अवैध सिंडिकेट का मास्टरमाइंड बताया गया है। आरोप है कि वह सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से ECL क्षेत्र से अवैध कोयला खनन और चोरी के कोयले का परिवहन कराता था। जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2000 से 2015 के बीच अनुप माजी के खिलाफ 16 आपराधिक मामले दर्ज हुए थे, लेकिन प्रभाव और संरक्षण के कारण कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

सीबीआई केस के बाद जांच तेज

हालांकि, वर्ष 2020 में CBI द्वारा कोयला चोरी और तस्करी का नया मामला दर्ज किए जाने के बाद जांच ने रफ्तार पकड़ी। ईडी की जांच में पाया गया कि अवैध खनन और चोरी से करीब 2,742.32 करोड़ रुपये के कोयले की हेराफेरी की गई, जिसमें

टैक्स और रॉयल्टी भी शामिल है।

हवाला नेटवर्क और कंपनियों से जुड़े सुराग

ईडी के अनुसार, अनुप माजी ने चोरी के कोयले की बिक्री का पूरा हिसाब रखने के लिए कर्मचारियों को तैनात किया था। जनवरी से अप्रैल 2021 के बीच ईडी ने 46 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच में यह भी सामने आया कि हवाला नेटवर्क के जरिए काले धन को सफेद किया गया। आरोप है कि इस हवाला फंड का कुछ हिस्सा इंडियन पैक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड से भी जुड़ा है।

आई पैक का पक्ष और बवाल

आई पैक ने कहा कि वह कानून का सम्मान करती है और जांच में पूरा सहयोग करेगी। वहीं, पहले की छापेमारी के दौरान ईडी ने ममता बनर्जी पर जांच में दखल का आरोप लगाया था। एजेंसी का दावा है कि कोयला तस्करी से जुड़े करीब 20 करोड़ रुपये के हवाला फंड IPAC तक पहुंचे थे। मामले ने देशभर में सियासी हलचल तेज कर दी है।

हज़ारीबाग पुलिस का बड़ा खुलासा, माँ नें ही मानवता को किया शर्मसार

अंधविश्वास की बलिः बेटे के 'इलाज' के नाम पर मां ने तांत्रिक के साथ रची 13 वर्षीय बेटी की हत्या

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ से सामने आई यह दिल दहला देने वाली घटना आधुनिक समाज में शिक्षा, विज्ञान और जागरूकता के तमाम दावों को कठघरे में खड़ा करती है। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कुसुम्भा गांव में 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची की निर्मम हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। यह मामला सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र और नरबलि जैसी कुप्रथाओं का वीभत्स उदाहरण बनकर सामने आया है।

मंगला जुलूस की रात गायब हुई थी बच्ची

घटनाक्रम की शुरुआत 24 मार्च की रात हुई, जब मंगला जुलूस के दौरान बच्ची रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। परिजन और ग्रामीण रातभर तलाश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन 25 मार्च की सुबह विष्णुगढ़ थाना को सूचना मिली कि कुसुम्भा गांव के मिडिल स्कूल के पीछे झाड़ियों में एक बच्ची का क्षत-विक्षत शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पहले दर्ज हुआ अपहरण व हत्या का मामला

प्रारंभिक जांच में मामले को अपहरण, बलात्कार और हत्या के एंगल से देखा गया। मृतिका की मां रेशमी देवी ने धनेश्वर पासवान समेत अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, पुलिस को कई अहम सुराग मिले, जिससे शक की दिशा ही बदल गई।

जांच में सामने आया तंत्र-मंत्र का सच

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (SIT) ने तकनीकी साक्ष्य, कॉल डिटेल और स्थानीय जानकारी खंगाली। पूछताछ के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि रेशमी देवी पिछले एक साल से गांव की कथित तांत्रिक शांति देवी उर्फ भगतिनी के संपर्क में थी। अपने बेटे की बीमारी को लेकर वह अंधविश्वास में घिरी हुई थी। तांत्रिक ने उसे यह विश्वास दिलाया कि बेटे के ठीक होने के लिए कुंवारी कन्या की बलि जरूरी है।

रामनवमी पर रची गई साजिश

योजना के तहत 24 मार्च की रात बच्ची को तांत्रिक के घर ले जाया गया। पूजा-पाठ का नाटक किया गया और फिर उसे बांसवाड़ी में ले जाकर गला घोंट दिया गया। इस जघन्य कृत्य में भीम राम ने भी भूमिका निभाई, जबकि मां ने खुद अपनी बेटी को पकड़कर रखा।

तीनों आरोपी गिरफ्तार

हत्या के बाद शव के साथ वीभत्स कृत्य किए गए। पुलिस ने मां, तांत्रिक और सह-आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना समाज के लिए एक कठोर चेतावनी है कि अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र जैसी कुप्रथाएं आज भी कितनी भयावह और जानलेवा हो सकती हैं।

कोलकाता विधानसभा चुनावः अमित शाह बोले, 'मैं 15 दिनों तक यहीं रहूंगा', टीएमसी बोली, 'हिम्मत है तो रिजल्ट के बाद तक रुकें'

कोलकाताः विधानसभा चुनाव 2026 के जोश के बीच कोलकाता की राजनीति गुरुवार को और गरमा गई, जब भाजपा ने दक्षिण कोलकाता के हाजरा चौराहा पर जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। इसी मंच से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीधी चुनौती देते हुए बड़ा चुनावी दावा किया।

15 दिन बंगाल में रहकर करेंगे चुनाव प्रचारः जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने घोषणा की कि वे पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान 15 दिनों तक राज्य में रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव निर्णायक होगा और भाजपा राज्य में परिवर्तन लाने जा रही है।

भबानीपुर में हार का दावा, तृणमूल का पलटवारः शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी न सिर्फ पूरे राज्य में, बल्कि भबानीपुर में भी हारेंगी। उनके इस बयान पर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने तीखा पलटवार किया और अमित शाह को "असफल ज्योतिषी" बताते हुए कहा कि यदि हिम्मत है तो वे चुनाव परिणाम के बाद बंगाल में रुककर नतीजे देखें।

सुवेंदु के नामांकन के साथ हाई-वोल्टेज रोड शोः गुरुवार को विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भबानीपुर सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान अमित शाह भी मौजूद रहे। नामांकन से पहले हाजरा से अलीपुर तक भव्य रोड शो निकाला गया, जिसे 'विजय संकल्प सभा' नाम दिया गया। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश और भगवा झंडों से सजा जुलूस पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना रहा।

नंदीग्राम की याद, 170 सीटों का लक्ष्यः शाह ने मंच से याद दिलाया कि पिछली बार नंदीग्राम में ममता बनर्जी को सुवेंदु अधिकारी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा इस बार 170 सीटों का आंकड़ा पार करेगी और राज्य में 'परिवर्तन' लाएगी।

सुरक्षा और यातायात पर कड़ी निगरानीः भारी भीड़ और हाई-वोल्टेज माहौल को देखते हुए कोलकाता पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। ड्रोन, सीसीटीवी और अतिरिक्त बल की तैनाती के बीच पुलिस ने दावा किया कि यातायात और कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही।

कुल मिलाकर, हाजरा की इस रैली और रोड शो ने चुनावी माहौल को और तीखा कर दिया है, जहां भाजपा आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में उतरती दिख रही है, वहीं तृणमूल भी हर हमले का जवाब देने को तैयार नजर आ रही है।

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा के डिप्टी लीडर पद से हटाया, अशोक मित्तल लेंगे जगह

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी (AAP) ने राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया है. उनकी जगह पंजाब से राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल आप के उपनेता होंगे. इस बारे में आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखते हुए सदन में अपने डिप्टी लीडर राघव चड्ढा को उनके पद से हटाने का आग्रह किया है. पार्टी ने अपने पत्र में ये भी कहा है कि राघव चड्ढा को आप के कोटा से बोलने का समय भी न दिया जाए. इसके साथ ही पार्टी ने एक पत्र राज्यसभा सचिवालय को लिखा है, जिसमें राघव चड्ढा की जगह अशोक मित्तल को डिप्टी स्पीकर बनाने का अनुरोध किया है.

पत्र में यह भी कहा गया है कि चड्ढा – जो पंजाब से राज्यसभा सांसद भी हैं – को आप के कोटे से सदन में बोलने के लिए समय नहीं दिया जाना चाहिए. आप के अभी राज्यसभा में 10 सदस्य हैं, जिनमें पंजाब से सात और दिल्ली से तीन सदस्य शामिल हैं.

पार्टी गतिविधियों से दूरी और मुद्दों पर चुप रहना बड़ी वजह

सियासी गलियारों में इस बात को लेकर चर्चा है कि राघव चड्ढा के खिलाफ पार्टी के प्रति बेरुखी और पार्टी की गतिविधियों में भाग नहीं लेने की वजह से यह फैसला लिया गया है. क्योंकि राघव चड्ढा काफी समय से पार्टी के प्रमुख मुद्दों को लेकर चुप्पी साधे हुए थे. इतना ही नहीं पिछले दिनों जब शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल को राहत मिली थी तो वे न तो केजरीवाल से मिलने गए थे और न ही उन्होंने मामले में सोशल मीडिया पर कोई प्रतिक्रिया जताई थी. उनकी इसी चुप्पी को पार्टी से दूरी माना जा रहा और उन्हें जिम्मेदारी के पद से हटाने का निर्णय लिया गया.

संक्षिप्त खबरें

पगारः सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत के बाद मुआवज़ा व नौकरी पर बनी सहमति, ट्रांसपोर्टिंग शुरू

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के पगार ओपी अंतर्गत जोरदाग गांव के समीप हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत के बाद आक्रोशित परिजनो व ग्रामीणों ट्रांसपोर्टिंग वाहनों को बंद करवा दिया गया था।जिसमे गुरुवार के अहले सुबह 04 बजे लगभग 18 घण्टे बाद समझौता हो गया,लेकिन वाहनों में तकनीकी समस्या के कारण ट्रांसपोर्टिंग चालू नही हो सका है। समझौता के लिए घटनास्थल पर पहुँचे हजारीबाग एसी संतोष कुमार सिंह,केरेडारी सीओ रामरतन वर्णवाल,एनटीपीसी के सीबी डिस्पैच इंचार्ज दिवाकर मिश्रा, केडी डिस्पैच इंचार्ज सुधीर कुमार,केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार,पगार ओपी प्रभारी दिनेश कुमार मंडल की पहल पर एवं परिजनों की ओर से झामुमो नेता रामा सोनी,पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव,पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद,भाजपा मंडल अध्यक्ष बालगोविन्द सोनी,शंकर सोनी,लखन साव,तापेश्वर साव,ज्ञान कुमार पासवान,सुजीत सोनी के मौजूदगी में समझौता किया गया।जिसमें मृतक के परिजन को 07 लाख रुपये देने,परिजन को ट्रांसपोर्टिंग में एक नौकरी देने की लिखित सहमति बनी।जिसमे तीन लाख रूपये घटना स्थल पर नगद दिया गया,वही 30 हजार दाह संस्करण के लिए भी दिया गया,एवं 04 लाख रूपये गुरुवार के शाम देने की बात पर सहमति बनी।ज्ञात हो कि बुधवार को 01 बजे दिन चट्टी बरियातू गांव निवासी सुनील सोनी उम्र लगभग 45 वर्ष को सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी।

रामनवमी महासमिति ने थाना प्रभारी को किया सम्मानित

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। रामनवमी त्योहार में तमाम संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की विशेष तैयारी के फल स्वरूप बड़कागांव में रामनवमी शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। जिसे लेकर बड़का गांव रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक कुमार सोनी एवं तमाम सदस्यों ने खुशी जाहिर की। अतिसंवेदन शील क्षेत्र में पुलिस की तैनाती के कारण किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। पुलिस प्रशासन विशेष कार्य को देखते हुए रामनवमी महासमिति का अध्यक्ष राम विवेक कुमार सोनी ने महासमिति के सदस्यों के साथ इंस्पेक्टर ललित कुमार एवं थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह को ट्रॉफी देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वालों में मुख्य रूप से महासमिति अध्यक्ष विवेक कुमार सोनी, सचिव बैजनाथ महतो, मुखिया मोहम्मद तकरीमुल्ला खान, विनोद सिन्हा, सोनू इराकी, वीरेंद्र महतो ,सुरेंद्र महतो व अन्य शामिल थे।

बरकट्ठा में पुलिया से गिरकर व्यक्ति की हुई मौत

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा से चेचकप्पी को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग पर ग्राम केवालु में पुलिया से गिरकर एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. घटना गुरुवार की सुबह लगभग 6.30 बजे के करीब साइकिल सवार अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे गिर गया। मृतक की पहचान ग्राम जीतपुर बरसोत बरही निवासी कालीनाथ गोस्वामी 65 वर्ष पिता बंधन गोस्वामी के रूप में हुई है।जो कई वर्षो से अपने ससुराल ग्राम जलैया बंडासिंघा में रह रहा था।बताया जा रहा है कि कालीनाथ गोस्वामी वन विभाग से सेवानिवृत्त होकर पूजा पाठ करने का काम करता था।बुधवार की रात प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सोढ़ा खाप में पूजा संपन्न करा कर अपने ससुराल बंडासिंघा गांव लौट रहा था इसी बीच हादसा हुआ।मामले की सूचना मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव घटनास्थल पहुंच कर मृतक के घरवालों को जानकारी दी।

हजरत दुल्ला शाह बाबा के मजार पर तीन दिवसीय उर्स मुबारक तीन अप्रैल से शुरू, तैयारी पूरी

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिले के चौपारण चयकला जौहरगंज में हजरत दुल्ला शाह बाबा के मजार शरीफ पर तीन दिवसीय सलाना उर्स की तैयारी पुरी कर ली गयी है।आयोजन में विधि व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने गुरुवार आयोजक कमिटी के पदधोकारियों साथ बैठक किया। कमिटी के पदाधिकारियों को बरही प्रशासन की ओर से टी शर्ट एवं टोपी देकर वृद्धि व्यवस्था में प्रशासन को सहयोग करने की जिम्मेवारी दिया गया।आज 3 अप्रैल को कुरान ख्वानी का कार्यक्रम के साथ सलाना उर्स शुरू होगा। 4 एवं 5 अप्रैल को कव्वाली का शानदार मुकाबला होगा।

अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट चार लोग घायल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में चार लोग घायल हो गये। गुरुवार को हुई मारपीट में ग्राम धरहरा निवासी गुड़िया देवी 32 वर्ष पति छोटन प्रसाद, प्रियंका देवी 28 वर्ष पति विजय कुमार, ग्राम कोषमा निवासी कंचन देवी 40 वर्ष पति कैलाश प्रसाद तथा ग्राम बदाही निवासी अजय प्रसाद 23 वर्ष पिता कैलाश प्रसाद घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहाँ चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया।

उपायुक्त ने किया स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण

जेएसएलपीएस के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने पर बल दिया

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान के साथ बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मसलिया का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत एचपीवी वैक्सीन कार्यक्रम से हुई, जिसका विधिवत शुभारंभ उपायुक्त ने किया। यह वैक्सीन 14 से अधिक और 15 वर्ष से कम आयु की बच्चियों को अभिभावकों की उपस्थिति में दी जा रही है। उपायुक्त ने वैक्सीन लेने वाली बच्चियों से बातचीत कर इसके लाभ बताए और अभिभावकों से सहयोग की अपील की।

स्वास्थ्य सेवाओं की गहन पड़ताल करते हुए उपायुक्त ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। दवाओं की उपलब्धता की रैंडम जांच के साथ मदर न्यू बोर्न केयर यूनिट, एक्स-रे रूम, ऑपरेशन थिएटर, इमरजेंसी और पैथोलॉजी वार्ड का जायजा लिया। पैथोलॉजी में किडनी फंक्शन टेस्ट, लिवर फंक्शन टेस्ट, ग्लूकोज सहित अन्य जांचों के सैंपलों की जानकारी ली गई। मरीजों को फोन कर सेवाओं की पुष्टि भी की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

इसके बाद कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मसलिया का निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने छात्राओं से भोजन, आवास, बेड और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर फीडबैक लिया। स्मार्ट क्लास को लेकर छात्राओं की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिक्षकों को आवश्यक जानकारी देने तथा 12वीं कक्षा की छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कंप्यूटर लैब, साइंस लैब और किचन का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच भी की गई।

एफसीआई गोदाम, मसलिया के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने चावल की गुणवत्ता की रैंडम जांच की और राशन उपलब्धता की जानकारी ली। बारिश का पानी रिसने की समस्या पाए जाने पर तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए गए। सीसीटीवी कक्ष और स्टॉक रजिस्टर अद्यतन नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई।

प्रखंड सह अंचल कार्यालय निरीक्षण में आम नागरिकों से बातचीत कर समस्याएं सुनी गईं और त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। इससे पूर्व जामा प्रखंड के छैलापाथर पंचायत सचिवालय के औचक निरीक्षण में कर्मी अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित कर्मियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया गया। प्राथमिक विद्यालय निरीक्षण में शौचालय मरम्मत और भवन सुधार के निर्देश दिए गए। नावाडीह ग्राम स्थित आदिवासी कला संस्कृति भवन में संचालित पुस्तकालय की सराहना करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया गया। निरीक्षण के दौरान खराब चापानलों की मरम्मत, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, जेएसएलपीएस से ग्रामीणों को जोड़ने तथा मंईया सम्मान योजना और पीडीएस के तहत राशन वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई, जो संतोषजनक पाई गई।

विश्रामपुर नगर परिषद के पूर्व वार्ड पार्षद हुए एकजुट, विकास कार्यों में सहयोग का संकल्प

संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद के पूर्व वार्ड पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन वार्ड नंबर 16 पूर्व पार्षद पूनम देवी के आवास पर हुआ। जिसमें क्षेत्र जनता के विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का सामूहिक निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी विजय कुमार रवि व संचालन पूर्व पार्षद नजमुद्दीन नूरी ने किया। बैठक में उपस्थित पूर्व पार्षदों ने एक स्वर में कहा कि चुनाव हार-जीत लोकतंत्र का हिस्सा है,लेकिन इससे उनके हौसले में कोई कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव भले हार है, लेकिन जनता के प्रति हमारी जिम्मेदारी और सेवा का भाव पहले जैसा ही मजबूत है।

सभी ने यह भी स्वीकार किया कि जनता ने उन्हें जो प्यार, स्नेह और समर्थन दिया, उसके लिए वे हृदय से आभारी हैं।

बैठक के दौरान पार्षदों ने यह संकल्प लिया कि वे नगर परिषद क्षेत्र के विकास कार्यों में हमेशा सहयोग करते रहेंगे।

चाहे वह सड़क, नाली, पेयजल, सफाई या अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे हों, वे हर संभव प्रयास करेंगे कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पूर्व पार्षदों ने जनता से भी अपील की कि वे किसी भी समस्या के समाधान के लिए उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। मौके पर पूर्व पार्षद पूनम देवी, सलीमुद्दीन अंसारी, अजय कुमार रवि, नजमुद्दीन नूरी, मुन्नी देवी, नीलम कुमारी, ज्वाला गुप्ता, रामचंद्र साव, संतोष राम, गुलाम नवी अंसारी सहित कई मौजूद थे।

बरकट्ठा में घर के बाहर से मोटर साइकिल की हुई चोरी

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोनहराखुर्द से बुधवार की रात को एक मोटर साइकिल की चोरी हो गई। इस बाबत ग्राम कोनहराखुर्दन निवासी शिबु राणा पिता तुलसी राणा ने बरकट्ठा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें बताया है कि बुधवार एक मार्च की रात हीरो ग्लैमर मोटर साइबिल नंबर जेएच 10 बीएम 2237 को अपने घर के बाहर गली में लगाई थी। गुरुवार की सुबह देखा कि मोटर साइकिल अपने स्थान से चोरी हो चुकी है। शिबू राणा ने पुलिस प्रशासन से चोरी गई मोटर साइकिल की खोज बीन करने की गुहार लगाई है।

रामनवमी शोभायात्रा के दौरान हुई हत्या का खुलासा, पुलिस नें आरोपी को दबोचा, कत्ल में इस्तेमाल हुआ चाकू बरामद

हजारीबाग। हज़ारीबाग जिले में रामनवमी की खुशियों के बीच मातम फैलाने वाली हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जामा मस्जिद रोड पर हुई युवक प्रिंस कुमार की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।संवेदनशील मामले को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित आनन्द के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया गया था। SIT ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी करण कुमार (उम्र 19 वर्ष), पिता मुकेश भुइयां, निवासी लकड़वा, पेलावल को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया दो धारदार चाकू (कवर सहित) और घटना के वक्त पहने हुए काले रंग के कपड़े बरामद कर लिए हैं।इस मामले में सदर थाना में कांड संख्या 70/2026, धारा-103(1) भारतीय न्याय संहिता (BNS 2023) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस सफल उद्भेदन में अमित आनन्द (SDPO), सब-इंस्पेक्टर सुभाष सिंह (थाना प्रभारी सदर), सोनू कुमार, मुकेश कुमार रजक, सुरेन्द्र कुमार और मनीष कुमार चंदेल की सराहनीय भूमिका रही।

नवल टाटा हॉकी अकादमी के कैडेट्स ने किया शानदार प्रदर्शन, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में टीम झारखंड ने जीता रजत पदक

जमशेदपुर । नवल टाटा हॉकी अकादमी (NTHA) को अपने आठ कैडेट्स की शानदार उपलब्धि पर गर्व है, जिन्होंने 26 मार्च से 1 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ने रजत पदक हासिल किया।

नवल टाटा हॉकी अकादमी के कुल आठ खिलाड़ियों ने झारखंड टीम की मजबूत आधार का निर्माण किया। ये खिलाड़ी—नवीन केरकेट्टा, दिलबर बारला, दानियाल सोय, सिमोन बोदरा, सेम मुंडा, भीमसेन किस्कू, जुनुल पुर्ती और जयमसीह टुटी—ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान अहम भूमिका निभाई और अकादमी की उच्च प्रदर्शन वाले खिलाड़ियों को तराशने की प्रतिबद्धता को भी प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया।

फाइनल मुकाबले में ओडिशा के खिलाफ टीम झारखंड ने शानदार संघर्ष किया, लेकिन 4 के मुकाबले 1 के स्कोर के साथ उपविजेता रही। झारखंड के लिए एकमात्र गोल जयमसीह टुटी ने किया। पूरे टूर्नामेंट में इन आठों एनटीएचए खिलाड़ियों के लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उनकी तकनीकी दक्षता, बेहतरीन टीमवर्क और मजबूत मानसिकता को उजागर किया। उनके अहम योगदान ने झारखंड को फाइनल तक पहुंचाने और राष्ट्रीय मंच पर रजत पदक दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। एनटीएचए इन सभी आठ खिलाड़ियों को उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता है और भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी निरंतर सफलता की कामना करता है।

आंदोलनकारी बालेश्वर का जेल से बाहर आने पर स्वागत

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। जल जंगल जमीन बचाव को लेकर आंदोलन कर रहे बालेश्वर कुमार का जेल से बाहर आने पर आंदोलनकारीओं ने गाजे बाजे व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। विकास कुमार ने बताया कि यह घटना एनटीपीसी संबंधित है, 12 अगस्त 2025 को बादम कोल ब्लॉक के मुआवजा शिविर में झड़प और कंपनी के अधिकारियों को बंधक बनाने के आरोप मामले में जेल जाना पड़ा था। आज उन्हें बेल मिलने पर ग्रामीणों ने शिव मंदिर चौक हरली में उनका भव्य स्वागत किया। ग्रामीण एनटीपीसी, अदानी,जेएसडब्लू जैसे कंपनियों के कोल ब्लॉक आवंटन को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। अपनी जमीन को बचाने के लिए रैयत 3 वर्षों से धरने पर बैठे हैं।

बड़कागांव राम जानकी मंदिर में गायत्री मंत्र हवन, दर्जनों श्रद्धालु हुए शामिल

बड़कागांव (हज़ारीबाग) । बड़कागांव गायत्री परिवार की ओर से राम जानकी मंदिर में शक्तिपीठ गायत्री मंदिर हजारीबाग के पुजारी केदार ,बीरबल प्रसाद मेहता के द्वारा गायत्री मंत्र हवन कार्यक्रम किया गया । गायत्री हवन कार्यक्रम में दर्जनो गायत्री परिवार के लोग शामिल थे। गायत्री मंत्र उच्चारण के साथ श्रद्धालुओं ने हवन किया।पिंटू गुप्ता ने कहा कि गायत्री मंत्र सबसे बड़ी मंत्र में सबसे श्रेष्ठ है कि किसी भी पूजा पाठ कहीं होती है तो प्रथम गायत्री मंत्र का ही उच्चारण किया जाता है। इस मंत्र को पढ़ने से हमारे कई कष्ट का निवारण होता है मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं । मौके पर बड़कागांव प्रखंड के प्रखंड समन्वय प्रमुख पिंटू गुप्ता, रविंद्र लाल, पुजारी चिंतामणि महतो, डोमन महतो, रामचंद्र गुप्ता ,हरनाथ राम, अंतू महतो ,आनंद कुमार, कैलाश कुमार, बुद्धि नाथ महतो, रेणु देवी, कपूर देवी, लक्ष्मी देवी, गायत्री देवी, बीना देवी, सुशीला देवी, रिंकी देवी के अलावा अन्य कई शामिल थे।

पाकुड़ में 60 हजार रुपए का ब्राउन शुगर बरामद

पाकुड़ः पाकुड़ पुलिस ने मालपहाड़ी ओपी थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति को 21 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के पास से एक स्मार्टफोन और एक बाइक भी जब्त की है। जब्त ब्राउन शुगर का वजन 6.46 ग्राम है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 50 से 60 हजार रुपए बताई जा रही है।

प्रशिक्षु डीएसपी अजय आर्यन ने गुरुवार को एसपी कार्यालय में बताया कि 1 अप्रैल को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मादक पदार्थ लेकर पाकुड़ आ रहा है। एसपी निधि द्विवेदी को जानकारी देने के बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत एक छापेमारी टीम का गठन किया गया।

सूचना के सत्यापन के बाद, मालपहाड़ी ओपी थाना क्षेत्र के पीपलजोड़ी के पास छापेमारी की गई। मोटरसाइकिल से आ रहे संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से 21 पुड़िया ब्राउन शुगर (कुल 6.46 ग्राम) बरामद हुई। इसकी बाजार कीमत 50 से 60 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी से एक मोटरसाइकिल और सैमसंग कंपनी का स्मार्टफोन भी जब्त किया। इस संबंध में थाना में कांड संख्या 68/26, धारा 21 (b), 22(A) एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अजय आर्यन ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति का आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर पश्चिम बंगाल और पाकुड़ जिले में कुल 9 मामले दर्ज हैं, जिनमें विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोप शामिल हैं। ये मामले पाकुड़ जिले के मालपहाड़ी और महेशपुर के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के नलहाटी थाना में भी दर्ज हैं। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि ब्राउन शुगर के स्रोत और इसे पहुंचाने वाले व्यक्ति का पता लगाया जा सके।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अल्पकालिन निविदा /कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–1/2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पताः कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 16.04.2026 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 17.04.2026 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.04.2026 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची।
6. निविदा प्राप्ति का सीान : नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का सीान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	अग्रधन की राशि (रू०)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of Block "A" of 300 Bedded Nurses Hostel G+2 attached to RIMS, Ranchi.	38,60,000.00	5000.00	77500.00	4 Months
2	Renovation of Main Building F-47 at HEC, Sector-3, Dhurwa, Ranchi.	45,50,300.00	5000.00	91200.00	2 Months
3	Renovation of Police Barrack in the Campus of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi.	21,92,800.00	5000.00	44000.00	1 Month

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 376582 (Building)26-27*D

उत्कलीयम् : श्री श्री विश्वविद्यालय में मनाया गया उत्कल दिवस

कटक/रांचीः ओड़िया सभ्यता और संस्कृति की प्राचीनता पर प्रकाश डालते हुए प्रसिद्ध सिने व्यक्तित्व, शोधकर्ता एवं ओड़िया चलचित्र निगम के पूर्व अध्यक्ष सत्यब्रत (कुना) त्रिपाठी ने कहा कि यह केवल गौरवगान नहीं, बल्कि ठोस ऐतिहासिक प्रमाणों से पुष्ट तथ्य है। वे कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय में उत्कल दिवस से पूर्व आयोजित 'उत्कलीयम्' समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि एक समय कटक के नराज से लेकर पुरी जिले के अस्तरंग तक फैली प्राची घाटी सभ्यता को इतिहासकार विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में मानते हैं।

ओडिशा का इतिहास पढ़ाया नहीं गया, इसलिए उपेक्षा बढ़ीः कुना त्रिपाठी ने कहा कि ओडिशा के गौरवशाली इतिहास को व्यवस्थित रूप से नहीं पढ़ाया गया, इसी कारण नई पीढ़ी में भाषा और संस्कृति के प्रति उदासीनता आई। उन्होंने कटक के प्राचीन नाम 'अभिनव वाराणसी कटक' का उल्लेख करते हुए बताया कि समय के साथ यह 'बिड़ानासी' और फिर 'कटक' कहलाने लगा। ओड़िया सिनेमा पर बनी नकारात्मक धारणाओं पर भी उन्होंने खेद जताया और कहा कि कई हिंदी फिल्म संगीत ओड़िया संगीत से प्रेरित रहे हैं।

'उत्कलीयम्' में संस्कृति और स्वाद का संगमः विश्वविद्यालय के जनसंपर्क एवं मानव संसाधन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के साथ पारंपरिक ओड़िया खाद्य उत्सव 'पखाल कंसा' का आयोजन हुआ। समापन दिवस के पहले सत्र में प्रबंधन विभाग के डीन डॉ. बिप्लब बिश्वाल ने कहा कि उत्कृष्ट कला के कारण ही ओडिशा को कभी 'उत्कल' कहा जाता था।

ओड़िया परंपरा का वैश्विक विस्तारः विश्वविद्यालय के कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य ने ओड़िया रसगुल्ले की स्मृतियाँ साझा कीं, वहीं भारत के राष्ट्रपति की सलाहकार डॉ. विजयलक्ष्मी महांति ने राष्ट्रपति भवन में ओड़िया भोजन की बढ़ती लोकप्रियता का उल्लेख किया। उन्होंने श्री श्री रविशंकर से जुड़ी स्मृति साझा करते हुए भगवान जगन्नाथ की भूमि को विश्वविद्यालय स्थापना का कारण बताया।

रंगतरंग और ओलिउड नाइट ने बांधा समांः कुलपति डॉ. तेजप्रताप ने विविधता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चिन्मय नायक व डॉ. आराधना पाणिग्राही ने किया। समापन संध्या में 'रंगतरंग' और 'ओलिउड नाइट' ने उत्सव को यादगार बना दिया। ओड़िया भाषा, संस्कृति और परंपरा को समर्पित इस आयोजन की सर्वत्र सराहना की गई।

संक्षिप्त खबरें

कुएं में गिरे हाथी के बच्चे को किया गया रेस्क्यू, करीब 6 घंटे के बाद निकला बाहर

रांचीः राजधानी रांची के सोनाहातू थाना इलाके में जंगली हाथी का बच्चा कुआं में गिर गया था. काफी मशक्कत के बाद हाथी के बच्चे को कुएं से बाहर निकाल लिया गया है. करीब 6 घंटा लगातार रेस्क्यू चलने के बाद उसे बाहर निकला है. कुएं में हाथी के बच्चे के गिरने की जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए थे और बाहर निकालने के लिए अपनी ओर से प्रयास कर रहे थे. झारखंड की राजधानी रांची के बुंडू वन प्रक्षेत्र अंतर्गत सोनाहातू थाना क्षेत्र के सारयाद गांव में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक जंगली हाथी अचानक खुले कुएं में गिर गया. घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए, जिससे पूरे इलाके में सनसनी का माहौल बन गया. वन विभाग के अधिकारियों ने हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन, रस्सियों और अन्य तकनीकी संसाधनों का सहारा लिया. रेस्क्यू टीम ने कुएं के एक हिस्से को काटकर ढलाननुमा रास्ता तैयार किया, ताकि हाथी खुद बाहर निकल सके. इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी अहम भूमिका निभाई. उन्होंने मोटर पंप की व्यवस्था कर कुएं में पानी भरा, जिससे जलस्तर बढ़ने पर हाथी ऊपर की ओर आ सके. कई घंटों की कड़ी मशक्कत और समन्वय के बाद आखिरकार हाथी तैयार किए गए रास्ते से बाहर निकलने में सफल रहा. कुएं से बाहर निकलते ही हाथी तेजी से जंगल की ओर भाग गया. वन विभाग के पदाधिकारी सुप्रियन टूटी ने बताया कि हाथी पूरी तरह सुरक्षित है और रेस्क्यू ऑपरेशन सफल रहा. हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि मौके पर भारी भीड़ जमा होने के कारण अभियान में कुछ दिक्कतें आईं. स्थानीय लोगों के अनुसार, हाथी भोजन की तलाश में जंगल से भटककर गांव की ओर आ गया था. इसी दौरान वह अनजाने में खुले कुएं में गिर गया. सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया.

चार श्रम संहिताओं के खिलाफ मजदूरों का प्रदर्शन, काला दिवस मनाया

रांची : संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच, झारखंड के आह्वान पर गुरुवार को राजधानी रांची में मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं के खिलाफ काला दिवस कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया. इस आंदोलन को संयुक्त किसान मोर्चा का भी समर्थन मिला. शाम को अल्बर्ट एक्का चौक पर बड़ी संख्या में मजदूरों, कर्मचारियों, ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने एकत्र होकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों ने काले बैज और काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और नारेबाजी के माध्यम से चारों श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग की. सभा को संबोधित करते हुए विभिन्न ट्रेड यूनियन नेताओं ने कहा कि नई श्रम संहिताएं श्रमिकों के वर्षों के संघर्ष से मिले अधिकारों को कमजोर करती हैं. उनका आरोप था कि इन कानूनों के जरिए कार्य समय बढ़ाने, यूनियन बनाने के अधिकार को सीमित करने, हड़ताल के अधिकार को कमजोर करने और स्थायी काम में ठेका प्रथा को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है. साथ ही वेतन और सामाजिक सुरक्षा पर भी असर पड़ने की बात कही गई. वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन संहिताओं को लागू करने में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और श्रमिक संगठनों से संवाद की अनदेखी की गई है. उन्होंने मांग की कि चारों श्रम संहिताओं को तत्काल वापस लिया जाए और सभी संबंधित पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाए. कार्यक्रम में किसानों और खेत मजदूरों से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए. वक्ताओं ने बिजली संशोधन विधेयक और बीज विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि ये कानून किसानों को कॉरपोरेट पर निर्भर बना सकते हैं. साथ ही मनरेगा में काम की गारंटी कमजोर होने और ग्रामीण रोजगार के अवसरों में कटौती पर भी चिंता जताई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉमरेड शुभेंदु सेन ने की. सभा को एटक के पंकज कुमार और सरिता देवी, एआईसीसीटीयू के भीम साहू, अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के गोपाल शरण सिंह, आईसा के त्रिलोकी नाथ, बेफ के एम.एल. सिंह, किसान सभा के मदुआ कच्छप, खेत मजदूर यूनियन के बीरेंद्र कुमार तथा सीटू के प्रतीक मिश्रा, हरेंद्र यादव और भवन सिंह ने संबोधित किया.

विधानसभा थाना क्षेत्र से दो ब्राउन शुगर तस्कर अरेस्ट

रांची : राजधानी के विधानसभा थाना क्षेत्र से दो ब्राउन शुगर तस्कर को गिरफ्तार किया गया है. रांची पुलिस को जानकारी मिल रही थी कि ब्राउन शुगर तस्कर विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं. यह ब्राउन शुगर का कारोबार लगातार कर रहा है. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम ने छापेमारी की और ब्राउन शुगर तस्कर को गिरफ्तार किया. पूछताछ के दौरान ब्राउन शुगर तस्कर ने बताया कि पहले लोगों से संपर्क किया जाता था, उसके बाद ब्राउन शुगर उसके पास पहुंचाया जाता था.

नए भवन में शिफ्ट हुआ एयरपोर्ट थाना

रांची : रांची का एयरपोर्ट थाना अब नए भवन में शिफ्ट हो गया है. पहले एयरपोर्ट थाना पुराने भवन में था. वहीं से सारा कामकाज हो रहा था. लेकिन आज हनुमान जयंती के अवसर पर नए का भवन का उदघाटन किया गया है. नए भवन का विधिवत पूजा पाठ किया गया. उसके बाद नए भवन में अब एयरपोर्ट थाना शिफ्ट हो गया है. आपको बता दें कि राजधानी रांची में कई ऐसे नए थाना हैं, जो बनकर तैयार हो गए हैं, लेकिन अब तक उसमें शिफ्ट नहीं हुए हैं.

रिम्स निदेशक के बेटे के चयन पर उठ रहे सवाल

रांची : रिम्स में सीनियर रेजिडेंट/ट्यूटर पद पर नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है. संस्थान के निदेशक डॉ. राजकुमार के बेटे ऋषभ कुमार का चयन होने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं. बता दें कि 28 मार्च को इन पदों पर नियुक्ति के लिए इंटरव्यू हुआ था, जिसके के आधार पर ऋषभ कुमार का चयन हुआ. इस नियुक्ति के तहत ऋषभ कुमार को तीन साल के लिए पदस्थापित किया था और उन्हें प्रतिमाह करीब 1.25 लाख रुपए वेतन मिलना था. लेकिन नियमों की अनदेखी का आरोप लगने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने फिलहाल इस नियुक्ति को स्थगित कर दिया है और मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं. विवाद की मुख्य वजह यह है कि नियुक्ति के लिए एनाटॉमी विभाग से एक सीनियर रेजिडेंट की सीट कम कर मास्टर्स इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में ट्रांसफर कर दी गई. बताया जा रहा है कि एमएचए विभाग में पहले से ही सीनियर रेजिडेंट के दो पद भरे हुए थे और अनारक्षित सीट उपलब्ध नहीं थी.

आदिवासी महिला को कालिख पोतने वाले आरोपियों के घर पहुंचे सैकड़ों लोग, मामला गरमाया, कोकर में जोरदार हंगामा

रांचीः सदर थाना क्षेत्र में 29 मार्च को दो महिलाओं के चेहरे पर कालिख पोतकर मोहल्ले में घुमाने की घटना के बाद लोगों में आक्रोश है. गुरुवार को भीड़ ने आरोपी के घर पर हमला कर दिया. साथ ही आरोपी के घर में जमकर तोड़फोड़ भी की गई है. जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने में जुटी रही. रांची के सदर थाना क्षेत्र के भाभानगर में भीड़ के द्वारा एक घर में जबरदस्त तोड़फोड़ की गई है. दो आदिवासी महिलाओं पर चोरी का आरोप लगाकर उनके मुंह पर कालिख पोतने वाले और उन्हें चप्पल की माला पहनाकर मोहल्ले में घुमाने वाले आरोपी के घर पर हमला किया गया है. सैकड़ों की संख्या में लोग गुरुवार की दोपहर अचानक आरोपी के घर पहुंचे और जमकर हंगामा करने के बाद आरोपी के घर में तोड़फोड़ की. मामले की जानकारी मिलते ही सदर थाने की टीम मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित कर मामले को शांत कराया. भीड़ में शामिल लोगों का आरोप था कि दो आदिवासी महिलाओं के साथ अन्याय हुआ है. ऐसे में इस मामले में बड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. मौके पर पहुंचे

सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने भीड़ में शामिल लोगों को समझाया कि इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. भीड़ में कई संगठनों के लोग शामिल थे. उनका कहना था कि इस मामले में जितने लोग शामिल थे सभी की गिरफ्तारी सुनिश्चित हो. सदर रांची डीएसपी संजीव बेसरा ने कहा कि "भीड़ में शामिल लोगों को यह बताया गया कि इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. साथ ही आगे की जांच की जा रही है. जांच में जैसे-जैसे नए तथ्य आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत करा दिया है."

बाइक चोरी को लेकर बिगड़ा था माहौल

मामला 29 मार्च का है. 29 मार्च को सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली दो महिलाओं के साथ मारपीट और सार्वजनिक अपमान का मामला सामने आया था. दोनों पीड़िता सदर थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में रहती हैं. दोनों

महिलाओं ने आरोप लगाया था कि 29 मार्च को पंकज कुमार नामक व्यक्ति उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जबरन उन्हें बाहर खींच लिया. आरोपियों ने दोनों महिलाओं को न सिर्फ चप्पल की माला पहनायी, बल्कि उसके चेहरे में कालिख पोतकर मोहल्ले में घुमाया. हालांकि मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने आरोपी पंकज कुमार सिंह उर्फ पंकज और सनताना कुमारी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया था. पीड़ित महिलाएं खूंटी जिले की रहने वाली हैं. महिलाओं ने बताया कि उसके परिवार पर चोरी का आरोप लगा कर इस तरह का कृत्य किया गया है. उन्हें पूरे मोहल्ले में कालिख पोत कर घुमाया गया. बताया जाता है कि पीड़िता के पति पर बाइक चोरी का आरोप लगा था. ये सभी लोग लगातार अपनी बाइक मांग रहे थे लेकिन बाइक नहीं मिलने के बाद बहस हुई जिसके बाद मामला और बिगड़ते चला गया. इसके बाद सभी लोगों ने महिला को कालिख पोत कर पूरे मुहल्ले में घुमाया था. फिलहाल इस मामले में कुल चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है.

पुलिस ने दो लोगों को किया अरेस्ट

कोकर इलाके में महिला को कालिख पोतने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम गूंजा श्रीवास्तव और एक नाबालिग है. पुलिस ने इसके पहले दो अपराधी जिसका नाम पंकज और सनातना है, को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. गिरफ्तार सभी अपराधियों ने महिला को कालिख पोतने के साथ-साथ प्रताड़ित भी किया था.

पंडरा बाजार समिति का हालः बाजार पर्यवेक्षक निलंबित

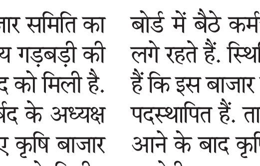

रांचीः एक तरफ राज्य में बाजार समितियों की बदहाल स्थिति को सुधारने की कवायद की जा रही है तो वहीं दूसरी ओर इन बाजार समितियों में कार्यरत कर्मियों के द्वारा गड़बड़ी किए जाने की शिकायतें भी आ रही हैं. ताजा मामला राजधानी रांची के पंडरा बाजार समिति का सामने आया है, जहां बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी की शिकायत झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद को मिली है. शिकायत मिलने के बाद कृषि विपणन पर्षद के अध्यक्ष रबीन्द्र सिंह के द्वारा आरोप के घेरे में आए कृषि बाजार समिति के बाजार पर्यवेक्षक साधन कुमार को वित्तीय अनियमितता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है. कृषि विपणन परिषद के अध्यक्ष रबीद्र सिंह ने इस पूरे मामले में एजी को भी संज्ञान में देते हुए इसकी जांच कराने का आग्रह किया है. ईटीवी भारत से बात करते हुए रबीन्द्र सिंह ने कहा कि निलंबित बाजार पर्यवेक्षक को 10 हजार तक चेक काटने का अधिकार था मगर उसने 4 करोड़ का चेक काटकर बैंक के माध्यम से भुगतान कराया है. इस संदर्भ में बैंक को भी संज्ञान में दिया गया है कि आखिर चेक का भुगतान कैसे हो गया. पंडरा बाजार समिति हमेशा से विवादों में रही है. बाजार समिति की बदहाल स्थिति सुधारने के बजाय मार्केटिंग बोर्ड में बैठे कर्मचारी, अधिकारी अनियमितता करने में लगे रहते हैं. स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इस बाजार समिति में सचिव के पद पर दो-दो लोग पदस्थापित हैं. ताजा मामला साधन कुमार का प्रकाश में आने के बाद कृषि विपणन पर्षद ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी बाजार पर्यवेक्षक को निलंबित करते हुए चाईबासा स्थानांतरित कर इसकी जांच कराने का निर्णय लिया है. कृषि विपणन पर्षद के अध्यक्ष रबीद्र सिंह के अनुसार साधन कुमार को इससे पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, उन पर वरीय अधिकारियों के आदेश की अवहेलना वित्तीय अनियमितता, उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना और अनुशासनहीनता का आरोप लगाया गया है.

झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, गुमला के पूर्व शाखा प्रबंधक को कोर्ट से मिली जमानत

रांची : बैंक के 4.42 करोड़ रूपया की राशि के कथित गबन से संबंधित मामले में हाईकोर्ट ने झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, गुमला के पूर्व शाखा प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता को जमानत दे दी है. कोर्ट ने निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता 25,000 रुपया के निजी मुचलके और समान राशि के दो जमानतदार प्रस्तुत करने पर आरोपी को जमानत पर रिहा किया जाएगा, जिसमें से एक जमानतदार उसका निकट संबंधी होना चाहिए, जिसके नाम पर झारखंड राज्य में पर्याप्त अचल संपत्ति हो. हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद सेन की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने और अभिलेखों का अवलोकन करने के बाद आरोपी की जमानत याचिका स्वीकार की. कोर्ट ने इस तथ्य को भी महत्वपूर्ण माना कि मामले में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है और सभी आवश्यक दस्तावेज अभियोजन के पास उपलब्ध हैं, जिससे साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की संभावना नहीं है.

पेट्रोल पंपों पर दहशत फैलाने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार, फरार होने की फिराक में था तल्हा

रांचीः राजधानी में आधा दर्जन से ज्यादा लूट और डकैती की वारदातों को अंजाम देकर दहशत फैलाने वाले गिरोह पर रांची पुलिस ने अपना पूरा शिकंजा कस दिया है. रांची पुलिस ने फरार चल रहे गिरोह के सरगना मोहम्मद तल्हा को गिरफ्तार कर लिया है. इससे पहले रांची पुलिस टीम ने गिरोह के दस अपराधियों को एक साथ गिरफ्तार किया था. राजधानी रांची में आधा दर्जन से ज्यादा लूट और डकैती कांडों के आरोपी मोहम्मद तल्हा को गिरफ्तार कर लिया गया है. तल्हा उस गिरोह का सरगना है जिसने हाल के दिनों में रांची के कई पेट्रोल पंप सहित कई दूसरी जगह डकैती और लूट की वारदात को अंजाम दिया था. रांची सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि तल्हा गिरोह के दस अपराधियो को कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन तल्हा फरार चल रहा था. इसी बीच सूचना मिली की तल्हा रांची छोड़ कर फरार होने की जुगत

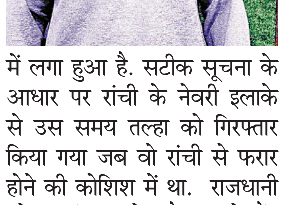

में लगा हुआ है. सटीक सूचना के आधार पर रांची के नेवरी इलाके से उस समय तल्हा को गिरफ्तार किया गया जब वो रांची से फरार होने की कोशिश में था. राजधानी को अशांत करने और अपने गैंग का दबदबा बनाने के लिए सक्रिय हुए तल्हा गिरोह के 10 अपराधियों को रांची पुलिस ने 29 मार्च को ही गिरफ्तार कर उनकी असली जगह यानी जेल भेज दिया था. रांची के डोरंडा में अपना मार्ट में लूट, पुंदाग में पेट्रोल पंप में डकैती, उसके बाद रांची के बीआईटी में दो पेट्रोल पंप, टाटीसिलवे स्थित पेट्रोल पंप में डकैती के बाद ओरमांझी में एक दुकानदार को लूट के क्रम में चाकू मार कर इस गिरोह ने रांची में दहशत फैला दिया था. इस मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन ने अपराधियो को गिरफ्तार करने के लिए एक एसआईटी का गठन किया. एसआईटी ने रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर और सिटी एसपी के सहयोग से बेहतरीन काम करते हुए गिरोह के दस अपराधियों को गिरफ्तार किया. अब एसआईटी के द्वारा ही गिरोह का सरगना भी गिरफ्तार कर लिया गया.

सरगना ने कबूला गुनाह

गिरफ्तार मो. तल्हा ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में पुंदाग पेट्रोल पंप, बीआईटी ओपी क्षेत्र के दो पेट्रोल पंप, टाटीसिलवे गेल सीएनजी पंप पर लूटपाट, डोरंडा थाना क्षेत्र के एक दुकान में लूटपाट तथा ओरमांझी थाना क्षेत्र के मेहता होटल के पास के एक दुकान में लूटपाट एवं दुकानदार को चाकू मारने की बात स्वीकार कर ली है.

डीएसपीएमयू में कुलपति का औचक निरीक्षण, परीक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

रांचीः झारखंड के रांची स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में गुरुवार को कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने वोकेशनल विभाग का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने पीजी थर्ड सेमेस्टर की चल रही परीक्षाओं की व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए पारदर्शिता और अनुशासन पर विशेष जोर दिया. निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए. निरीक्षण के दौरान कुलपति ने परीक्षा केंद्रों पर बैठने की व्यवस्था, छात्रों की उपस्थिति, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया. उन्होंने सुनिश्चित करने को कहा कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित हो. कुलपति ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है. इस मौके पर प्रोक्टर राजेश कुमार सिंह, डॉ अभय कृष्ण सिंह और वोकेशनल विभाग के प्रमुख डॉ इन्द्रनाथ साहू सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे. कुलपति ने सभी से समन्वय बनाकर काम करने और परीक्षा के दौरान हर छोटी-बड़ी व्यवस्था पर नजर रखने को कहा. उन्होंने शिक्षकों को भी जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने का निर्देश दिया. परीक्षा व्यवस्था के साथ-साथ कुलपति ने वोकेशनल विभाग के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों की भी समीक्षा की. उन्होंने विभाग में चल रही गतिविधियों, पाठ्यक्रम की प्रगति और अन्य योजनाओं की जानकारी ली. साथ ही निर्देश दिया कि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो. निरीक्षण के दौरान कुलपति ने छात्रों को मिल रही सुविधाओं का भी जायजा लिया. उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाने का निर्देश दिया. कुलपति ने कहा कि छात्रों को एक बेहतर और सुविधाजनक वातावरण देना विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है. डॉ राजीव मनोहर ने कहा कि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता विश्वविद्यालय की साख से जुड़ी होती है. इसलिए यह जरूरी है कि हर परीक्षा पारदर्शी और सुचारू ढंग से संपन्न हो. उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी तरह की अनियमितता सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

दो दिवसीय राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का शानदार समापन, पूर्वी सिंहभूम और रांची का रहा दबदबा

रांचीः जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन, रांची के तत्वावधान में स्थानीय गुरुनानक स्कूल, पीपी कंपाउंड में आयोजित दो दिवसीय 18वीं राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता (जूनियर एवं यूथ वर्ग) का गुरुवार को शानदार समापन हुआ. प्रतियोगिता में राज्यभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन के वरीय उपाध्यक्ष बलजीत सिंह बेदी, विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिन्हा 'दीपू' एवं कार्यकारी अध्यक्ष परमजीत सिंह उपस्थित रहे. मुख्य अतिथि बलजीत सिंह बेदी ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता से उभरने वाली प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का नाम रोशन करेंगी. वहीं विनय सिन्हा ने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर प्लेटफॉर्म देना प्राथमिकता है, ताकि उनका भविष्य खेल के माध्यम से संवर सके.

चैंपियनशिप में पूर्वी सिंहभूम का दबदबा

प्रतियोगिता के परिणामों में टीम चैंपियनशिप में पूर्वी सिंहभूम का दबदबा रहा. जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग में पूर्वी सिंहभूम चैंपियन बना, जबकि बालक वर्ग में गढ़वा और बालिका वर्ग में रांची रनरअप रहे. यूथ पुरुष वर्ग में पूर्वी सिंहभूम चैंपियन और रांची रनरअप रही, जबकि यूथ महिला वर्ग में रांची ने चैंपियन बनकर पूर्वी सिंहभूम को पीछे छोड़ा. व्यक्तिगत वर्ग में जूनियर बालक में आर्यन मुखी (रांची) ने खिताब जीता, जबकि रौशन सिंह (पूर्वी सिंहभूम) उपविजेता रहे. जूनियर बालिका वर्ग में रचना कुमारी (पूर्वी सिंहभूम) चैंपियन और अनु बेदिया (पश्चिमी सिंहभूम) उपविजेता रहीं. यूथ पुरुष वर्ग में आदित्य सिंह (पूर्वी सिंहभूम) ने स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जबकि पाहन कुमार सिंह (रांची) दूसरे स्थान पर रहे.

विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन

यूथ महिला वर्ग में जेसिका खेस (रांची) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया और निहारिका कुमारी (सरायकेला) उपविजेता रही. विभिन्न भार वर्गों में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें कई जिलों के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते.प्रतियोगिता में कुल 47 रेफरी और जजों ने अपनी निर्णायक भूमिका निभाई. इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके करियर को नई दिशा मिलेगी.

सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 : दूसरे दिन 4 मुकाबले

रांचीः राजधानी रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 1 से 12 अप्रैल 2026 तक आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के दूसरे दिन कुल चार मुकाबले खेले गए. दिनभर चले रोमांचक मैचों में गोवा, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़ और उत्तराखंड की टीमों ने शानदार जीत दर्ज की.

गोवा ने तेलंगाना को 6-3 से हराया

दिन के पहले मुकाबले में गोवा ने तेलंगाना को 6-3 से हराया. गोवा की ओर से बेरतीला केरकेट्टा और डेलिना मेंडेस ने 2-2 गोल दागे, जबकि सीमा तिर्की और विद्या कुमारी ने एक-एक गोल किया. शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल करने वाली बेरतीला केरकेट्टा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया.

दूसरा मुकाबला रहा संघर्षपूर्ण

दूसरे मुकाबले में पश्चिम बंगाल ने दादर नगर हवेली और दमन एवं दीव को कड़े संघर्ष में 1-0 से मात दी. मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल पूजा कुमारी साव ने किया, जिन्हें बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया.

चंडीगढ़ ने गुजरात को एकतरफा हराया

दिन के तीसरे मैच में चंडीगढ़ ने गुजरात पर एकतरफा दबदबा बनाते हुए 12-1 से बड़ी जीत दर्ज की है. चंडीगढ़ की ओर से कफी ने 4 गोल किए, जबकि नैंसी कश्यप, आंचल और अनु ने 2-2 गोल दागे. इसके अलावा भावना और यास्मीन शर्मा ने एक-एक गोल किया. गुजरात की ओर से एकमात्र गोल नियंती करमार ने किया. इस मैच में आंचल को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया.

उत्तराखंड ने कर्नाटक को 6-1 से पराजित किया

दिन के अंतिम और चौथे मुकाबले में उत्तराखंड ने कर्नाटक को 6-1 से पराजित किया. उत्तराखंड की ओर से करीना ने हैट्रिक लगाते हुए 3 गोल किए, जबकि मीनाक्षी, दिया और दिव्यानी सोलिन ने एक-एक गोल का योगदान दिया. कर्नाटक की ओर से एकमात्र गोल प्रीति नीलाराडी ने किया. इस मुकाबले में मीनाक्षी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला. टूर्नामेंट के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार कौशल, टीमवर्क और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया है. प्रतियोगिता के सफल आयोजन में हॉकी इंडिया, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार और हॉकी झारखंड की अहम भूमिका रही.

संक्षिप्त खबरें...

साइबर हैकर्स द्वारा किया जा रहा है सुखाड़ का रुपए दिलाने के नाम पर अकाउंट हैक कर ठगी

कोयलांचल संवाद संवाददाता, सिमरिया(चतरा): प्रखंड क्षेत्र में सुखाड़ का रुपए दिलाने के नाम पर हैकरों द्वारा लगातार फोन किया जा रहा है। और वह सरकारी मुलाजिम होने का भी दावा करते है। जानकारी के अनुसार +918789172771 नम्बर एवं अन्य किसी नम्बर से आम लोगों को हैकर फोन करता है और सुखाड़ का रुपया दिलाने का दावा करता है। वैसे में अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय ने आम लोगों को इससे सावधान रहने के लिए आगाह किया गया है।और किसी को हैकर द्वारा मांगे गए डॉक्यूमेंट की जानकारी या खाता नंबर या वाट्सएप नम्बर नहीं देना है वर्ना आपका मेहनत का जमा पूंजी हैकर उड़ा ले जाएगा। इस तरह की घटनाएं दो चार घट चुकी है और इसकी शिकायत अंचलाधिकारी तक पहुंच चुकी है।

महिला से 5 लाख रूपये रंगदारी मांगना युवक को पड़ा महंगा, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः जिले के वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के एक महिला से एक युवक को 5 लाख रूपये रंगदारी मांगना महंगा पड़ गया। वशिष्ठ नगर थाना की पुलिस ने 5 लाख रंगदारी मांगने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने आरोपी को दबोचा है। इस मामले में वशिष्ठ नगर जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि 13 फरवरी को वादी के द्वारा एक लिखित आवेदन दिया गया था। जिसमें 5 लाख रुपए फिरौती मांगने की जिक्र की गई थी।जिसकी थाना में कांड संख्या 17/26 धारा 329(4)/308(5)/351(2)/351(3)/352 बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। आरोपी 1 महीना से फरार चल रहा था। हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त नावाडीह दंतार निवासी 28 वर्षीय इरफान अंसारी है।बताया जाता है कि वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के एक महिला के द्वारा लिखित आवेदन जमीन विवाद में चहारदिवारी निर्माण के दौरान मारपीट करने व रंगदारी के रुप में पांच लाख रुपए मांगने का आरोप लगाते हुए एफआईआर कराई गई थी।पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया गया कि आरोपी पर हरियाणा में भी एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज है।

चौपारण में श्रद्धा और उत्साह के साथ निकली हनुमान जन्मोत्सव की भव्य शोभायात्रा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण (हजारीबाग): श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर गुरुवार को विहिप और बजरंग दल द्वारा प्रखण्ड में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। चतरा मोड़ स्थित भगवती मंदिर से शुरू होकर तेतरिया कात्यानी मंदिर तक पहुंचने वाली इस भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ बरही विधायक मनोज कुमार यादव एवं चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। शोभायात्रा के दौरान दुर्गा वाहिनी की बहनें और चौपारण क्वीन्स की महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में आकर्षण का केंद्र बनी रही। पूरा चौपारण क्षेत्र जय श्री राम और जय हनुमान के जयकारों से गुंजायमान रहा। यात्रा का समापन कात्यानी मंदिर में एक धर्म सभा के रूप में हुआ। सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि हमें प्रभु श्री राम के आदर्शों पर चलना चाहिए और हनुमान जी के जीवन से सेवा और समर्पण की सीख लेनी चाहिए। इस दौरान राष्ट्रीय मार्गदर्शक मंडली सदस्य सीताराम शरण जी महाराज ने सभा को सम्बोधित किया। आयोजन को सफल बनाने में विहिप के जिला मंत्री अरविंद मेहता, जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, बजरंग दल विभाग प्रमुख प्रशांत सिंह, प्रखंड विहिप मंत्री मुनेश्वर गुप्ता, अध्यक्ष संजय सिंह, सह-मंत्री अभिषेक सिंह, दुर्गा वाहिनी प्रखंड संयोजिका ममता कुमारी, प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख अभय कांत यादव, सत्संग प्रमुख धनेश्वर साहू, सुरक्षा प्रमुख रितेश कुमार व अनिल सिंह, प्रखंड उपाध्यक्ष मुकेश सिंह और प्रखंड सह संयोजक शम्भू साव ने महती भूमिका निभाई। मौके पर सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, रिशु बर्णवाल, सहदेव प्रसाद यादव, आशीष सिंह, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, जीप सदस्य राकेश रंजन, समाजसेवी प्रदीप सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, मुखिया पप्पू रजक, भाजपा नेता अर्जुन साव, सुमन सिंह, अरविंद सिन्हा, बलराम दांगी विहिप नेता विवेकानंद विवेक, मनोज सिंह, जितेंद्र सिंह, कैलाश सिंह, उज्जवल सिंह, दीपक बादल, मदन चंद्रवंशी, महावीर साहू और नंदकेशरी देवी आदि उपस्थित रहे।

स्वर्णकार जाति का विराट सम्मेलन फरीदाबाद में आयोजित किया जाएगा

खलारी - स्वर्णकार जाति का महासम्मेलन 3 अप्रैल को फरीदाबाद के सेंट्रल पार्क सेक्टर 12 में देशभर के कोने-कोने से जेवर व्यवसाय महाजन के साथ कारीगर जो इस प्रतिष्ठान के मुख्य कार्यकर्ता जो इस बाजार को नई-नई पहचान कारीगार की हर कलाकृति मे छुपी है निष्ठ और धैर्य से सोने की सिर्फ आभूषण नही भावना झलकता है । वर्तमान परिस्थिति में आभूषण व्यवसाय के साथ कारीगर के आश्रितों को अधिक से अधिक कल्याणकारी योजनाओं मैं भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बेरोजगारों को वित्तीय प्रोत्साहन का लाभ दिया जाए बहुत सारे बिंदुओं पर चर्चा किया जाएगा. इस आयोजित कार्यक्रम मे इस लोकतांत्रिक प्रणाली के अंतर्गत विभिन्न विचारधाराओं वाले प्रतिनिधित्व कर रहे हैं मुख्य अतिथि माननीय राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा श्री राजेश वर्मा सांसद लोकसभा लोक जनशक्ति पार्टी तथा विशिष्ट अतिथि श्री विनय वर्मा विधायक शोहरतगढ़ अपना दल एस उत्तर प्रदेश तथा इस मंच के मुख्य अतिथि समाजसेवी बुद्धिजीवी पर्वत रोही भागचंद सोनी जी पधार रहे हैं.

10 दिनों से बंद गैस एजेंसी खुली, प्रशासन की मौजूदगी में हुआ वितरण

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण (हजारीबाग): प्रखंड स्थित एचपी गैस एजेंसी "देवीसिका गैस" के पिछले 10–15 दिनों से बंद रहने के कारण आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। गैस की किल्लत और एजेंसी की मनमानी से नाराज लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा था। बताया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित थी, लेकिन एजेंसी द्वारा लगातार कार्यालय और गोदाम बंद रखने से स्थिति और बिगड़ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौपारण के सीओ संजय यादव एवं एमओ विक्रम पाण्डेय बुधवार को निरीक्षण के लिए एजेंसी पहुंचे। हालांकि, उन्हें वहां कार्यालय और गोदाम बंद मिले तथा एजेंसी संचालक व मैनेजर का मोबाइल भी बंद पाया गया, जिससे उन्हें बिना कार्रवाई के लौटना पड़ा। घटना के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दबाव में आकर एजेंसी ने गुरुवार को अपना कार्यालय खोला और गैस वितरण शुरू किया। लंबे समय से गैस की प्रतीक्षा कर रहे उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और एजेंसी परिसर में लंबी कतारें देखी गईं।

लोहरदगा के 108 एम्बुलेंस कर्मियों ने नीरज तिवारी पर लगाया अवैध वसूली और गुमराह करने का आरोप

सोशल मीडिया के जरिए कंपनी की छवि धूमिल करने की रची जा रही साजिश, कर्मियों ने किया एकजुट होकर विरोध

लोहरदगाः लोहरदगा जिला में सम्मान फाउंडेशन द्वारा संचालित 108 एम्बुलेंस सेवा के कर्मचारियों ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इधर कर्मचारियों का आरोप है कि नीरज तिवारी खुद को आज भी पद पर बताकर कर्मियों को गुमराह कर रहे हैं और उनसे अवैध रूप से पैसों की मांग कर रहे हैं। कर्मियों के मुताबिक लोहरदगा जिले में वर्तमान में कुल 11 एम्बुलेंस का परिचालन किया जा रहा है, जिसमें 45 एमटी पायलट और अन्य कर्मी कार्यरत हैं। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि कंपनी की ओर से उन्हें समय पर वेतन, पीएफ, ईएसआई, आईडी कार्ड और अन्य सभी निर्धारित सुविधाएं मिल रही हैं। उन्हें प्रबंधन से किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं है। कर्मियों का कहना है कि कंपनी हमारे सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहा है, नीरज तिवारी को इस बात को लेकर रास नहीं आ रहा है, यही वजह है कि बेबुनियाद कंपनी के खिलाफ अनाप-शनाप ब्यान बाजी कर बदनाम करने की साज़िश रची जा रही है,जिसका बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कर्मियों ने एक स्वर में कहा कि सम्मान फाउंडेशन नाम के साथ हम जैसे छोटे कर्मचारियों को बढ़ चढ़कर सम्मान और हक अधिकारों को दे रही है जो काफी सराहनीय कदम है।

अवैध वसूली का विरोध करने पर मिली धमकी

कर्मियों का आरोप है कि नीरज तिवारी द्वारा उन पर पैसों के लिए दबाव बनाया गया था। जब लोहरदगा जिले के कर्मचारियों ने एकजुट होकर पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो उनके द्वारा सोशल मीडिया पर कंपनी और उसकी व्यवस्थाओं को लेकर भ्रामक खबरें फैलाई जाने लगीं। कर्मचारियों के अनुसार, यह पूरी कवायद कंपनी को बदनाम करने की एक सोची-समझी साजिश है। हमें कंपनी से सभी सुविधाएं मिल रही हैं। नीरज तिवारी अनधिकृत रूप से हस्तक्षेप कर रहे हैं और पैसे न देने पर सोशल मीडिया के माध्यम से छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

विरोध प्रदर्शन में शामिल प्रमुख कर्मी

इस बीच विरोध प्रदर्शन के दौरान जिले के लगभग सभी 108 कर्मी उपस्थित थे। मौके पर मुख्य रूप से सूरज कुमार पासवान, कुंदन कुमार भारती, गौरव कुमार, एकबाल अंसारी, लाल मोहन यादव, नसीम अंसारी, नरूउत्तम महतो, गिरधारी यादव, संतोष पासवान, पुरषोत्तम तिर्की, इमरान अंसारी, जयप्रकाश पासवान, मजहरूल अंसारी, शंकर राम, मंटू साहू, देवर्षि प्रसाद, समजाद अंसारी, अमजद अंसारी, सोहराब आलम, हसीबुल अंसारी, बाबर अंसारी, तैरेस लकड़ा, मुर्शीद अंसारी, लवकुश कुमार और जीतेंद्र महतो, खुशबू कुमारी, सोनी रेशमा, सरिता कुमारी, संध्या कुमारी, नीलम टोप्पो, सबिता कुमारी, सुनीता लकड़ा, मनिता किंडो, विनोदी कुमारी, निक्की कुमारी और ज्योति कुमारी। कर्मचारियों ने प्रशासन और आम जनता से अपील की है कि वे नीरज तिवारी जैसे स्वार्थी व्यक्ति के द्वारा कंपनी के खिलाफ अनाप-शनाप ब्यान बाजी और इस प्रकार की भ्रामक खबरों पर ध्यान नहीं देने की बात कही है। कर्मचारियों ने कहा कि कंपनी की सेवा सुचारू रूप से जारी है आगे भी जारी रहेगा।

लोकसभा में गूंजा मानव-हाथी संघर्ष का मुद्दा, सांसद मनीष जायसवाल ने बताया राष्ट्रीय संकट

हज़ारीबाग। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने लोकसभा में मानव-हाथी संघर्ष के लगातार बढ़ते मामलों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि यह समस्या अब केवल वन्यजीव संरक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि देश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले गरीब और आदिवासी परिवारों की जान-माल और आजीविका से सीधे जुड़ा एक बड़ा राष्ट्रीय संकट बन चुकी है। सांसद जायसवाल ने कहा कि देशभर में, विशेषकर झारखंड जैसे राज्यों में, जंगलों के लगातार सिमटने के कारण मानव और हाथियों के बीच टकराव की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि पिछले कुछ वर्षों में इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान जा चुकी है। हालिया स्थिति का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि केवल जनवरी माह में ही झारखंड में 20 से अधिक लोगों की मौत हाथियों के हमलों के कारण हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि अब स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि हाथियों का झुंड शहरी क्षेत्रों की ओर भी बढ़ने लगा है। रांची शहर और उसके आसपास, यहां तक कि एयरपोर्ट के निकट भी हाथियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। यह इस बात का संकेत है कि उनके प्राकृतिक आवास तेजी से खत्म हो रहे हैं और वे भोजन व पानी की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने को मजबूर हैं। सांसद ने इस समस्या के मूल कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वन क्षेत्रों में अतिक्रमण, अवैध खनन गतिविधियां और भारी वाहनों के आवागमन से होने वाले विस्फोट हाथियों के प्राकृतिक वातावरण को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। इन कारणों से न केवल उनके आवास नष्ट हो रहे हैं, बल्कि उनके व्यवहार और मानसिक स्थिति पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिससे वे अधिक आक्रामक हो रहे हैं।

मांडर में भाजपा का दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण अभियान संपन्न, 150 कार्यकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

मांडरः भारतीय जनता पार्टी मांडर एवं टांगर बसली मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मंडल स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण अभियान का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भाजपा नेता एवं पूर्व प्रत्याशी सन्नी टोप्पो के कंजिया स्थित आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें लगभग डेढ़ सौ कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठनात्मक एवं वैचारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत कल संध्या 4 बजे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं मां भारती के छायाचित्रों पर माल्यार्पण के साथ की गई। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज 'वंदे मातरम्' गीत के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में प्रदेश प्रवक्ता मृत्युंजय शर्मा, प्रदेश नेता उत्पल शाहदेव, जिला मंत्री राम कुमार दुबे, वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेंद्र पांडे, जिला कार्यालय मंत्री सह मंडल प्रभारी संजीव तिवारी एवं प्रदेश जनजातीय मोर्चा के नेता मुकेश भगत उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, विचारधारा और जमीनी स्तर पर कार्य करने के गुर सिखाए।

प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सरकार की उपलब्धियों, डिजिटल इंडिया अभियान, बूथ मैनेजमेंट एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने विशेष रूप से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जन-जन तक केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होते हैं और ऐसे प्रशिक्षण अभियानों से कार्यकर्ताओं की दक्षता एवं जागरूकता में वृद्धि होती है। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे भविष्य के लिए मार्गदर्शक बताया।

मौके पर मुख्य रूप से जिला के उपाध्यक्ष प्रीतम साहू वरिष्ठ नेता रामबालक ठाकुर शिव गोप राजेश नाथ सिंह प्रदीप महली मंडल अध्यक्ष बबलू गोप पूर्णज्य महतो पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक साहू खददी उराव विजय खलखो रामचंद्र भगत सुरेश लोहार आदित्य गोप रामदयाल मुंडा मुकेश प्रसाद अयोध्या सिंह खलेंद्र साहू आशीष को प्रदीप केवट तुलसी भगत दीपक ठाकुर सहित डेढ़ सौ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भक्ति में है शक्तिः हनुमान जयंती पर खेतको में उमड़ी आस्था,श्रद्धालुओं ने की पुजा अर्चना

करंट से घायल सातो युवक सकुशल लौटे तो मंदिर में की विशेष पूजा-अर्चना

संवाददाता अनिल कुमार, कथाराः पेटरवार प्रखंड अंतर्गत खेतको शिव मंदिर में हनुमान जयंती श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय माहौल के बीच धूमधाम से मनाई गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भगवान हनुमान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति की कामना की। मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा पाठ, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि खेतको में रामनवमी जुलूस के दौरान 1लाख 32 हजार विद्युत तार में महाबीरी झंडा सटने के कारण सात लोग घायल हो गए थे तथा सातों युवक इलाज कराकर जब सकुशल अपने घर लौटे, तो पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। स्वस्थ होकर घर वापसी के बाद युवकों ने अपने परिजनों के साथ गांव के सभी मंदिरों एवं ग्राम देवता एवं बजरंगबली मंदिर पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना की और भगवान का आभार जताया। इस दौरान ग्रामीणों ने इसे सच्ची भक्ति और बजरंगबली की कृपा का प्रतिफल बताया।

घायल युवको में मिथलेश ठाकुर,मदन नायक, सुरेन्द्र सिंह, अनिल रविदास,गुलाब रविदास,शुभम रविदास, रूद्र रविदास सहित परिजनो एवं ग्रामीणो ने कहा कि बजरंगबली की असीम कृपा से बहुत बड़ी घटना से बचें और सभी युवक सुरक्षित घर लौटे ।बताया कि गांव के लोगों ने युवकों के शीघ्र स्वस्थ होने की लगातार प्रार्थना की थी। मंदिर समिति सहित लोगों ने कहा कि हनुमान जयंती के अवसर पर युवकों की सकुशल वापसी पूरे क्षेत्र के लिए खुशी और आस्था का संदेश है।

पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। पूरे क्षेत्र में जय श्री राम और जय बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से पंडित विश्वनाथ पाठक, आकाश नायक, पितांबर विश्वकर्मा, मुकेश नायक, आकाश ठाकुर,अमित नायक, आकाश शर्मा, प्रेमचंद ठाकुर, प्रदीप ठाकुर,विनोद ठाकुर, सेवालाल रविदास,बंधन रविदास, बासुदेव रविदास सहित ग्रामवासियों का अहम योगदान रहा।

मेयर सुधा गुप्ता एवं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने हनुमान मंदिर में राम भक्तों के साथ भव्य महाआरती में भाग लिया

जमशेदपुर। हनुमान जयंती के मौके पर मेयर सुधा गुप्ता एवं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने मानगो स्थित त्रयम्बकम हनुमान मंदिर में पहुंचकर श्रद्धालु राम भक्तों के साथ भव्य महाआरती में भाग लिया। इस दौरान पूरा वातावरण भक्ति, आस्था और उल्लास से सराबोर हो उठा, महाआरती के समय "जय श्री राम" और "बजरंगबली की जय" के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। दीपों की जगमगाहट, भजनों की मधुर ध्वनि और श्रद्धालुओं की आस्था ने इस आयोजन को अत्यंत दिव्य और अलौकिक बना दिया।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हनुमान जयंती केवल एक पर्व नहीं, बल्कि धर्म, भक्ति और सेवा का संदेश देने वाला महान अवसर है। उन्होंने क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना करते हुए सभी को इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरी, तीन दोस्तों में से दो की मौके पर ही मौत

चान्हो। एन एच 75 पर झिबरी मोड़ के पास गुरुवार दोपहर हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे एक ही बाइक पर सवार तीन दोस्तों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर पंचायत के नावाडीह गांव निवासी 14 वर्षीय आशीष उरांव (पिता स्व. विष्णु दयाल उरांव), 18 वर्षीय आशीष उरांव (पिता सुरेश उरांव) और 17 वर्षीय आशीष उरांव (पिता पंचू उरांव) एक ही बाइक पर सवार होकर घूमने निकले थे। वापसी के दौरान झिबरी मोड़ के समीप बाइक तेज रफ्तार में असंतुलित हो गई और तीनों सड़क पर गिर पड़े।

हादसा इतना भीषण था कि 14 वर्षीय और 18 वर्षीय आशीष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 17 वर्षीय आशीष गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही चान्हो पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है।

पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसरा हुआ है।

जमशेदपुर की कला को सुमन प्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय मंच थाईलैंड में लहराया भारत का परचम

जमशेदपुर । झारखंड के लिए गौरव का क्षण उस वक्त सामने आया, जब जमशेदपुर (कदमा) की प्रसिद्ध कलाकार सुमन प्रसाद ने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित थाईलैंड अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी कला का परचम लहराया। तीन दिवसीय यह अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी 30 मार्च से 1 अप्रैल 2026 तक भारतीय देवी-देवता थीम पर आयोजित हुई, जिसमें दुनिया भर के कलाकारों ने भाग लिया। सुमन प्रसाद ने इस मंच पर अपनी दो विशेष कृतियाँ प्रस्तुत कीं। पहली कृति "अनंता ऐश्वर्या" (24×30 इंच, एक्रिलिक) में भगवान गणेश के माध्यम से अनंत समृद्धि, ज्ञान और दिव्यता का सजीव चित्रण किया गया। वहीं दूसरी कृति "समाधि" भगवान शिव पर आधारित रही, जिसमें ध्यान, आंतरिक शांति और ब्रह्मांड से जुड़ाव को दर्शाया गया। उनकी इन दोनों कृतियों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने काफी सराहा। सुमन प्रसाद ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे गर्व का क्षण है, जब उन्होंने अपनी कला के माध्यम से देश, राज्य और शहर का प्रतिनिधित्व किया। सुमन 'FlaminArt' की संस्थापक हैं और देशभर में सैकड़ों म्यूरल्स बनाकर हजारों छात्रों को प्रशिक्षित कर चुकी हैं। उन्हें राष्ट्र गौरव पुरस्कार 2022 सहित कई राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। उनकी कला को बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और नेहा धूपिया जैसे कलाकारों ने भी सराहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्हें प्रशंसा पत्र मिल चुका है।

चतरा पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पकड़ी,दो तस्करों को किया गिरफ्तार

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए एक सवारी वाहन से भारी मात्रा में शराब की खेप जब्त की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तस्करी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 1 अप्रैल को वरीय पुलिस पदाधिकारी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चक मार्ग से अवैध अंग्रेजी शराब तस्करी के लिए बिहार ले जाई जा रही है। प्राप्त सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने ग्राम कौरा चौक से लगभग 200 मीटर पीछे स्वास्थ्य उपकेंद्र के पास एक सवारी वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के क्रम में पुलिस को उक्त वाहन से बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब एवं बीयर की बड़ी खेप मिली जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया।

इस दौरान पुलिस ने वाहन चालक समेत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सोनू कुमार (24 वर्ष) पिता मुरारी साव तथा प्रिंस कुमार (25 वर्ष) पिता योगेंद्र साव, दोनों निवासी थाना मनातू, जिला पलामू के रहने वाले हैं।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में श्री हनुमान जयंती श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : रांची के पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में संत शिरोमणि परमहंस स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा श्री हनुमान जयंती का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर पूर्णतः आध्यात्मिक वातावरण में डूबा रहा, जहां श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की।हनुमान जयंती के इस पावन अवसर पर श्री राधा रानी का अलौकिक एवं आकर्षक श्रृंगार नवीन पीले पोशाक एवं जड़ित आभूषणों से किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मंदिर को हनुमान जी के ध्वजों से सुसज्जित किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं उत्सवमय बन गया।पूजा-अर्चना का कार्यक्रम मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। उन्होंने श्रद्धालुओं को हनुमान जी की महिमा एवं उनके जीवन आदर्शों से अवगत कराया। इस दौरान प्रसाद के रूप में बेसन के लड्डू, केसरिया पेड़ा, मेवा, फल एवं वेजिटेबल खिचड़ी का भोग भगवान को अर्पित किया गया। तत्पश्चात सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे सभी ने भक्ति भाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान पंडित अरविंद पांडे द्वारा सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का सुमधुर भजनों के साथ पाठ किया गया। भजनों की मधुर धुनों से वातावरण पूरी तरह से भक्तिरस में सराबोर हो गया। श्रद्धालु *जय हनुमान ज्ञान गुण सागर, जय कपीस तिहुँ लोक उजागर* तथा *संकट मोचन नाम तिहारो, जो सुमिरे सो कष्ट निवारो* जैसे भजनों पर भावविभोर होकर झूमते नजर आए।इसके उपरांत सामूहिक रूप से भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर हनुमान जी की आराधना की। महाआरती के समय पूरा मंदिर परिसर "बोलो पवनपुत्र हनुमान की जय" के जयघोष से गूंज उठा।इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने श्री हनुमान जन्मोत्सव के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हनुमान जी सेवा, समर्पण और भक्ति के सर्वोच्च प्रतीक हैं। उनके जीवन से हमें निःस्वार्थ सेवा, साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का कार्य करते हैं।समग्र रूप से यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण रहा, जिसने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के हृदय में आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

संक्षिप्त खबरें...

हनुमान जयंती पर महावीर मंदिर में लगी भक्तों की कतार

पटना. चैत्र मास की पूर्णिमा हस्त नक्षत्र और ध्रुव योग में मनाई जा रही है। इसी के साथ आज हनुमान जयंती भी है। इसे लेकर पटना के महावीर मंदिर में विशेष तैयारी है। महावीर के दरबार को विशेष फूलों से सजाया गया है। दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगी हुई है। भक्त हनुमान जी पर प्रसाद में नवैद्धम और लड्डू चढ़ा रहे हैं। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भरा हुआ है। सुरक्षा को देखते हुए सरकारी-प्राइवेट सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाई गई है। श्री महावीर मंदिर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि मंदिर में आने वाले लोगों की संख्या काउंट करने वाली आधुनिक तकनीक वाली मशीन भी बेंगलुरु से मंगा ली गई है। इसके साथ ही मंदिर में 80 टन क्षमता वाली एसी मशीन इंस्टॉल किया गया है, ताकि गर्मी से भक्तों को राहत मिले।

पटना में ई-रिक्शा में युवक की गोली मारकर हत्या

फतुहा. पटना के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के सामना मैदान उत्तर में स्थित इन्फेंट जीसस अकादमी के सामने सड़क मार्ग पर अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान लोदीपुर गांव निवासी स्वर्गीय वली अहमद के 35 वर्षीय पुत्र मोहम्मद आफताब आलम के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों के अनुसार, मोहम्मद आफताब आलम गुरुवार सुबह ई-रिक्शा पर सवार होकर अपने बच्चे का रिजल्ट लेने इन्फेंट जीसस अकादमी जा रहे थे। स्कूल के समीप पहुचते ही दो नकाबपोश बदमाशों ने उनके सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। आफताब पटना के एर्जीक्षिशन रोड में मैकेनिक का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी नूरी बेगम और चार पुत्र हैं। मृतक की पत्नी नूरी बेगम ने बताया कि शाहपुर फोर लेन सड़क मार्ग के पास उनकी जमीन है, जिसे लेकर कुछ लोग दबाव बना रहे थे। करीब तीन महीने पहले मोबाइल के माध्यम से जमीन लिखने की धमकी भी दी गई थी। परिजन का कहना है कि इसकी शिकायत पहले सलीमपुर थाना को दी गई थी, लेकिन पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। परिजनों ने इस घटना के लिए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

सीवान में एलपीजी की कमी से इनकार:18,629 सिलेंडर स्टॉक में, सप्लाई जारी

सीवान. सीवान में एलपीजी गैस की किल्लत की खबरों के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि घरेलू गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने प्रेस वार्ता में बताया कि जिले में कुल 48 गैस एजेंसियों के पास 18,629 घरेलू गैस सिलेंडर मौजूद हैं और आपूर्ति लगातार जारी है। डीएम ने जानकारी दी कि इंडेन के 30 वितरकों के पास 13,247 सिलेंडर, भारत गैस के 10 वितरकों के पास 3,184 सिलेंडर तथा HPCL के 8 वितरकों के पास 2,198 सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि सभी गैस कंपनियों द्वारा प्रतिदिन नियमित रूप से सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है, जिससे किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। जिला प्रशासन द्वारा गैस एजेंसियों के स्टॉक की लगातार निगरानी की जा रही है। सभी प्रखंडों में आपूर्ति पदाधिकारी एवं निरीक्षक नियमित जांच कर रहे हैं। वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण और छापेमारी भी की जा रही है। निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने या कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई की जा रही है। डीएम ने बताया कि सिवान सदर अनुमंडल में 68 पिकअप वाहन और 44 ठेलों के माध्यम से गैस की होम डिलीवरी की जा रही है, जबकि महाराजगंज अनुमंडल में 14 पिकअप और 4 ठेलों से वितरण हो रहा है। सभी गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिया गया है कि ऑनलाइन बुकिंग के बाद समय पर होम डिलीवरी सुनिश्चित करें।

हाइवा ने 2 बाइक सवारों को मारी टक्कर, मौत

खगड़िया. खगड़िया के मानसी थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-31 पर ठाठा गांव के समीप अनिल लाइन होटल के पास गुरुवार को एक तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हाइवा चालक वाहन लेकर फरार हो गया। मृतकों की पहचान गोगरी थाना क्षेत्र के शहरीन पंचायत स्थित प्रयागी गांव निवासी अमीन यादव के 40 वर्षीय पुत्र रणवीर यादव एवं सियाराम यादव के 42 वर्षीय पुत्र जवाहर यादव के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक अपनी बड़ी मां के दाह संस्कार में शामिल होने के लिए मुंगेर घाट जा रहे थे। इसी दौरान खगड़िया से महेशखुट की ओर जा रहे तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों के अनुसार हाईवा काफी तेज गति में था। अनिल लाइन होटल के पास अचानक जोरदार टक्कर हुई, जिससे बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं मृतक के परिजन ने एनएच 31 जाम कर दिया है शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जाने दे रहा परिजन का कहना हो दस दस लाख रुपया दे और खगड़िया डीएम एसपी जब तक नहीं आयेंगे तब तक शव को नहीं ले जाने देंगे

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल 57 वर्ष का हुआ:स्थापना दिवस पर कई डॉक्टर सम्मानित

फुलवारीशरीफ. पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) ने अपना 57वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर एक भव्य एलुमनी मीट का भी आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश से आए कई प्रतिष्ठित डॉक्टरों और पूर्व छात्रों ने भाग लिया। समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उनके साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी हिमांशु शर्मा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए, जिन्होंने समारोह की गरिमा बढ़ाई। मुख्य अतिथि लोकेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल ने पिछले 57 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए अस्पताल की आधारभूत संरचना को और मजबूत तथा आधुनिक बनाया जाएगा। उन्होंने इस दिन को संस्थान और पूरे राज्य के लिए गर्व का क्षण बताया। अस्पताल की अधीक्षक डॉ. प्रोफेसर रश्मि प्रसाद ने संस्थान की उपलब्धियों और वर्तमान गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अस्पताल निरंतर बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रयासरत है और भविष्य में इसे और उन्नत बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। समारोह के दौरान, कई डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। एलुमनी मीट में उपस्थित पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और संस्थान के साथ जुड़ी अपनी पुरानी यादों को ताजा किया। यह आयोजन न केवल संस्थान की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के संकल्प का प्रतीक भी बना। समारोह का माहौल उत्साह और गर्व से परिपूर्ण रहा, जिसमें पुरानी यादों को ताजा करने के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

बेतिया में आर्केस्ट्रा संचालक के घर युवक का शव मिला: पैसे लेने गया था, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

बेतिया. बेतिया जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के व्यासपुर चौक के पास गुरुवार को एक आर्केस्ट्रा संचालक के घर से एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच, बेतिया भेज दिया। मृतक की पहचान चौतरवा थाना क्षेत्र के सर्किल मझौवा वार्ड संख्या 8 निवासी स्वर्गीय प्रभु यादव के बड़े बेटे प्रदीप यादव के तौर पर हुई है। वह अपने दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था। जानकारी के अनुसार, प्रदीप 10 दिन पहले ही बाहर से काम कर घर लौटा था। परिजनों के मुताबिक, बुधवार शाम प्रदीप को 'राजू के आर्केस्ट्रा' से फोन आया था। इसके बाद वह पैसे लेने की बात कहकर व्यासपुर गया था। गुरुवार सुबह उसका शव आर्केस्ट्रा संचालक के कमरे में फंदे से लटका मिला।

नीतीश से मिले तेजस्वी के बागी विधायक:इस्तीफे के बाद भी सीएम को मिलेगी जेड+ सिक्योरिटी; 14 अप्रैल के बाद बन सकती है नई सरकार

पटना. बिहार की सियासत में जल्द ही बड़ा उलटफेर होने वाला है। सूत्रों के अनुसार, सीएम नीतीश 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसके बाद 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके साथ ही 18 तारीख तक बिहार में नई सरकार का गठन होगा। सीएम के इस्तीफे की चर्चाओं के बीच उनकी सिक्योरिटी को लेकर बड़ा फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद भी नीतीश कुमार को Z+ कैटेगरी की सिक्योरिटी मिलेगी। बिहार सरकार के गृह विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे भी का जिक्र है। लेटर में लिखा गया है, "बिहार विधान परिषद के सदस्य और मुख्यमंत्री बिहार के पद से त्याग-पत्र देकर राज्यसभा सदस्य की सदस्यता ग्रहण करेंगे।" इधर,

तेजस्वी के बागी विधायक फैसल रहमान ने गुरुवार को सीएम हाउस में नीतीश कुमार से मुलाकात की।16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में ढाका विधायक फैसल रहमान वोट देने नहीं पहुंचे थे। गृह विभाग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, नीतीश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत सुरक्षा का योग्य माना गया है। ये कानून विशिष्ट व्यक्तियों को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा कवर प्रदान करने का अधिकार देता है। विभाग ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल और वर्तमान राजनीतिक स्थिति की समीक्षा के बाद सुरक्षा को लेकर ये कदम उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक के नाम लिखे गए पत्र में कहा गया, "बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट- 2000 के तहत नीतीश कुमार को सुरक्षा दी जाएगी। नीतीश मौजूदा वक्त में राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं और आने वाले वक्त में बिहार विधान परिषद की सदस्यता और मुख्यमंत्री पद से त्याग-पत्र देकर राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे।" नीतीश कुमार के इस्तीफे की चर्चा के साथ ही बिहार की सियासत 21 साल बाद नए सीएम को लेकर बातें शुरू हो गई हैं। खबर है कि 14 अप्रैल के बाद बिहार में नई सरकार बनेगी और पहली बार बीजेपी का सीएम होगा। भाजपा और जदयू के नेता ऑफ कैमरा इस बात को स्वीकार करते हैं कि बिहार का अगला सीएम भाजपा का होगा। पिछले 10 वर्षों से बिहार में सत्ता हासिल करने की जुगत में लगी भाजपा इसमें सफल हो गई है। लेकिन, दोनों इस बात को स्वीकार करते हैं कि भाजपा चाहे जिसे नेता चुने, नीतीश कुमार की सहमति उस चेहरे पर जरूर होनी चाहिए। 1990 से लेकर 2005 तक लालू यादव परिवार का बिहार की सियासत पर दबदबा रहा। 2005 से लेकर अब तक नीतीश कुमार लगातार (मई 2014- फरवरी 2015 छोड़कर) सीएम बने रहे।

नीतीश कुमार से मिले तेजस्वी के बागी विधायक

राज्यसभा चुनाव वोटिंग में गायब रहने वाले ढाका से राजद विधायक फैसल रहमान ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुलाकात के बाद अपने सोशल मीडिया पर इसकी फोटो शेयर कर एक पोस्ट के जरिए इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया। साथ ही लिखा- क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री जी से सकारात्मक चर्चा हुई। इन सियासी हलचलों के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी तरह से एक्टिव नजर आ रहे हैं। गुरुवार सुबह सीएम तीन अलग-अलग जगह पर निरीक्षण करने पहुंचे। पहले वो पाटलिपुत्र कॉलोनी के पार्क पहुंचे, जहां चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। फिर दीघा एम्स एलिवेटेड रोड पाटलिपुत्र का निरीक्षण किया। उसके बाद नीतीश कुमार गोला रोड में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे।

रिटायर्ड कर्नल सहित 3 फ्लैट में करोड़ों की चोरी, 4 गिरफ्तार: सोने के गहने समेत 40 लाख का सामान बरामद

पटना. पटना में रिटायर्ड कर्नल जनार्दन प्रसाद के घर में 6 मार्च को एक करोड़ से ज्यादा की चोरी हुई थी। पुलिस 20 दिन से शातिरों की खोजबीन में लगी थी। इसी दौरान अलग-अलग चोरी की घटनाओं में 3 बदमाश पकड़े गए हैं। इनके पास से चोरी के आभूषण बरामद हुए हैं। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि रिटायर्ड कर्नल के घर चोरी के साथ-साथ तीन अन्य चोरी के मामलों कभी उद्वेदन किया गया है। इस घटना में शामिल 4 चोर पकड़े गए हैं। जिनका नाम सोनू कुमार, गुड्डू कुमार, आदित्य कुमार, जीतू साहनी है। फिलहाल इनकी निशानदेही पर छापेमारी जारी है। इनके अलावा 10 से 12 संदिग्ध लोगों की भूमिका सामने आई है। जिनके बारे में पता लगाया जा रहा है। इनके पास से चोरी के गले सोने के ढेले 234.9 ग्राम, सोने की ज्वेलरी 40.3 ग्राम, 4 मोबाइल फोन समेत तकरीबन 40 लाख के सामान बरामद किए गए हैं। चोरी की घटना को अंजाम देने

के बाद सभी साथी पटना छोड़कर ओडिशा समेत दूसरे राज्यों में घूमने निकल गए थे। मौज मस्ती करने के बाद कुछ दिन पहले घर पर आए थे। इसके बाद सभी को घर से पकड़ लिया गया है। फिलहाल इन्वेस्टिगेशन जारी है।

सदर एसडीपीओ 1 अभिनव के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। इसमें कंकड़बाग थानेदार अभय कुमार जक्कनपुर थानेदार ऋतुराज कुमार सिंह सुमित सदर इलाके की पुलिसकर्मी शामिल थे।

रिटायर्ड कर्नल और उनके दो किराएदारों के फ्लैट से करीब एक करोड़ के गहने और कैश की चोरी हुई थी। रिटायर्ड कर्नल जनार्दन प्रसाद अपने बच्चों के यहां बेंगलुरु में रहते हैं। महावीर आरोग्य में पदस्थापित डॉ. अविनाश और अमित कुमार उनके घर में किराएदार हैं। दोनों किराएदार अपने गांव गए थे। डॉ. अविनाश नवादा के हिसुआ के रहने वाले हैं। गांव से लौटे तो घटना की जानकारी हुई थी। चोरों ने उनके फ्लैट का ताला तोड़ दिया था। सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने उनके घर से करीब 70 लाख के गहने और 14 लाख कैश की चोरी की थी। रिटायर्ड कर्नल और यूपीएससी की तैयारी करने वाले अमित के फ्लैट का भी ताला टूटा था। इन दोनों के फ्लैट से भी महंगे सामान की चोरी की गई थी। इसके अलावा पूर्व मंत्री अशोक कुमार सिंह की बहन के घर से डेढ़ लाख रुपए नकद, 3 लाख के गहने, लाइसेंसी रायफल की गोलियां और चार खड़ी चोरी हो गई थी। घटना कंकड़बाग थाना की पीसी कॉलोनी में सी-128 में हुई थी। घर बंद था। पूर्व मंत्री की बहन और बहनोई ललितेश्वर प्रसाद सिंह खगड़िया गए थे। उनके बेटे शशांक कुमार शिक्षा विभाग में अधिकारी हैं। वे होली मनाने लखनऊ स्थित ससुराल गए थे। इस दौरान घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले का भी पुलिस खुलासा करेगी। इसका भी मास्टरमाइंड पकड़ा गया है।

'बिहार को गरीब बताकर छवि खराब कर रहे तेजस्वी':चिराग

पटना. लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने पटना एयरपोर्ट पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव चुनावी लाभ के लिए अपने ही राज्य बिहार की छवि को देशभर में खराब कर रहे हैं। कहा कि तेजस्वी यादव दूसरे राज्यों में जाकर बिहार को सबसे गरीब राज्य बताकर उसकी नकारात्मक तस्वीर पेश कर रहे हैं। चिराग ने आगे कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक जिम्मेदार नेता अपने ही राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव को यह भी बताना चाहिए था कि आखिर बिहार को गरीब बनाए रखने के लिए कौन जिम्मेदार रहा है। चिराग पासवान ने सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल और उसके 1990 के दशक के शासनकाल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उस दौर की नीतियों और प्रशासनिक विफलताओं के कारण बिहार पिछड़ता चला गया।

उनके अनुसार, उसी समय राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हुई, विकास कार्य ठप पड़े और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में पलायन करना पड़ा। चिराग ने कहा कि तेजस्वी यादव को ईमानदारी से यह स्वीकार करना चाहिए कि उनके परिवार और उनकी पार्टी की नीतियों ने बिहार को पिछड़ेपन की ओर धकेला। सिर्फ वर्तमान स्थिति का हवाला देकर राजनीति करना उचित नहीं है, बल्कि अतीत की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अपने ही राज्य के बारे में इस तरह की सोच रखना और उसे दूसरे राज्यों में प्रचारित करना शर्मनाक है।

समस्तीपुर के सिर्फ 2 पंप पर मिल रहा पेट्रोल:मालिक ने कहा- ओवर डिमांड के कारण हो रही परेशानी

समस्तीपुर. ईरान व इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण रसोई गैस की किल्लत झेल रहे लोग अब पेट्रोल की किल्लत भी झेल रहे हैं। समस्तीपुर और आसपास के इलाके में कई पेट्रोल पंप पर आज लोगों को पेट्रोल नहीं मिला। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। हालांकि एक दो पेट्रोल पंप पर पेट्रोल मिल रहा है, तो वहां लोगों की भीड़ लगी हुई है। एसडीओ दिलीप कुमार ने संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर लोगों से आह्वान किया है कि डीजल पेट्रोल के लिए पैनिक होने की जरूरत नहीं है। लोग जरूर के हिसाब से ही डीजल और पेट्रोल की खरीदारी करें बेवजह स्टॉक करने की जरूरत नहीं है। बीच में लगातार 3 दिनों बैंक बंद रहने के कारण ऐसी परेशानी हुई थी। स्थिति सामान्य हो जाएगी। गुरुवार को शहर के बहादुरपुर मिडिल स्कूल चौक स्थित पेट्रोल पंप पर लोगों को पेट्रोल नहीं मिला। दोपहर तक शहर के स्टेशन रोड स्थित पेट्रोल पंप पर भी तेल नहीं था। जबकि शहर के बाईपास रोड स्थित पेट्रोल पंप पर पिछले दो दिनों से पेट्रोल नहीं है। शहर के बहादुरपुर मिडिल स्कूल चौक स्थित पेट्रोल पंप के संचालक अरुण कुमार का कहना है कि एजेंसी में दो-तीन गाड़ी का एडवांस राशि जमा किए जाने के बावजूद पेट्रोल की गाड़ी उनके पास नहीं पहुंची है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अचानक डीजल और पेट्रोल की डिमांड बढ़ गई है। जिस कारण गाड़ी आने पर तुरंत ही पेट्रोल डीजल खत्म हो जा रहा है। औसतन 200 और 300 रुपए का पेट्रोल लेने वाले लोग हजार 500 का पेट्रोल ले रहे हैं, जिस कारण ऐसी स्थिति बनी है। रसोई गैस की किल्लत की स्थिति बनी हुई है प्रशासनिक रिकॉर्ड के अनुसार जिले में रोजाना करीब 18 000 रसोई गैस सिलेंडर की जरूरत है। लेकिन औसतन 16000 रसोई गैस सिलेंडर विभिन्न 86 एजेंसियों के पास आ रहा है। जिससे किल्लत बनी हुई है। सदर एसडीओ दिलीप कुमार ने संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर बताया कि लगातार तीन दिन बैंक बंद रहने के कारण पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की कमी हो गई थी। एक-दो दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। कई जगहों पर जमा खोड़ी की सूचना मिल रही है रसोई गैस की कीमत और परेशानी के लिए जिला में कंट्रोल रूम भी काम कर रहा है।

गयाजी में 12 दुकानों के लाइसेंस कैंसिल:बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने दिए ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के निर्देश, कहा- अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई हो

गया. गया में आम जनता से जुड़ी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए आज एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई, जिसकी अध्यक्षता बिहार विधानसभा अध्यक्ष सह टाउन विधायक डॉ. प्रेम कुमार ने की। इसमें जिलाधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में घरेलू एलपीजी गैस आपूर्ति, जल संकट, ट्रैफिक व्यवस्था, उर्वरक उपलब्धता और पीएनजी कनेक्शन जैसे मुद्दों की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि जिले में रोजाना 14,488 एलपीजी सिलेंडरों की मांग है, जिसकी आपूर्ति की जा रही है। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में गैस वितरण में 2 से 3 दिनों की देरी हो रही है, जिसका मुख्य कारण पैनिक बुकिंग से उत्पन्न बैकलॉग बताया गया। जिलाधिकारी ने सभी गैस एजेंसियों को अगले 3 से 4 दिनों में आपूर्ति बढ़ाकर बैकलॉग समाप्त करने का निर्देश दिया। धीमी गति से काम कर रही एजेंसियों को विशेष चेतावनी दी गई।

जिला स्तर पर एक कंट्रोल रूम स्थापित

गैस से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तर पर एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। पिछले 7 दिनों में 1301 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 1208 का समाधान किया जा चुका है। कुछ उपभोक्ताओं ने बिना गैस डिलीवरी के ही एसएमएस और सब्सिडी मिलने की शिकायत की है, जिसकी जांच की जा रही है। पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता पर प्रशासन ने बताया कि जिले में पर्याप्त स्टॉक है। सुरक्षा कारणों से यह सख्त निर्देश दिया गया कि पेट्रोल और डीजल केवल गाड़ी में भरा जाए, बोतल या जार में नहीं। खाद-उर्वरक की कालाबाजारी पर भी प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कालाबाजारी की शिकायतों के आधार पर 12 दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, एक लाइसेंस रद्द किया गया है और एक दुकानदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीएनजी गैस कनेक्शन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। वर्तमान 5 टीमों की संख्या बढ़ाकर 10 की जाए और प्रतिदिन कम से कम 100 घरों में कनेक्शन दिए जाएं। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए केपी रोड से अतिक्रमण हटाने और नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। अवैध वसूली पर भी प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में वाहनों से जबरन वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गर्मी को देखते हुए जलापूर्ति पर विशेष ध्यान दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में खराब नल-जल योजनाओं को तुरंत ठीक करने और जहां बोरिंग फेल हो गया है, वहां नए बोरिंग के साथ कई नल लगाने का निर्देश दिया गया। इस बैठक के जरिए प्रशासन ने साफ संकेत दिया है कि जनता से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

डीएसपी की 80 करोड़ की प्रॉपर्टी, ससुराल में 2.5 करोड़ का बंगला

पूर्णिया. किशनगंज में तैनात डीएसपी गौतम कुमार पर आरोप है कि उन्होंने अपनी 32 साल की नौकरी के दौरान करीब 80 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति बनाई। महंगे रिसॉर्ट में खाना और फैमिली ट्रिप उनके लग्जरियस लाइफ स्टाइल का हिस्सा रहा है। पूर्णिया में जिस बंगले में वे रहते हैं, उसकी कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। वहीं, फर्निशिंग पर 1 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं। उनकी पत्नी सरकारी टीचर हैं, लेकिन 35 लाख रुपए की थार से चलती हैं। पिछले मंगलवार (31 मार्च) को ईओयू ने गौतम कुमार के 8 ठिकानों पर छापेमारी की। इनमें पूर्णिया के 3, किशनगंज के 2, जबकि पटना, अररिया और सिलीगुड़ी के एक-एक ठिकाने शामिल हैं। छापेमारी के दौरान जमीन के 36 दस्तावेज, एलआइसी और नोएडा-गुड़गांव में किए गए

निवेश से जुड़े डाक्यूमेंट्स बरामद किए गए। इसके अलावा 60 लाख रुपए के गहने, महंगी घड़ियां, क्रेटा और थार जैसी लग्जरी गाड़ियां भी मिली हैं। डीएसपी गौतम कुमार मूल रूप से सहरसा के रहने वाले हैं। वे छुट्टियों में परिवार के साथ अपने पुश्तैनी घर आते-जाते रहते हैं। पूर्णिया में उनका ससुराल है। वे 1994 बैच के SI हैं। गौतम कुमार को तत्काल पद से हटा दिया गया है। उन्हें पुलिस मुख्यालय में योगदान करने का आदेश दिया गया है। उनकी जगह पर एसडीपीओ 2 मंगलेश कुमार सिंह को किशनगंज का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। गौतम कुमार पर अब मनी लॉन्ड्रिंग का भी केस दर्ज होगा। उनकी बेनामी संपत्ति का पता ईडी भी लगाएगी। ईओयू ने गौतम के छह ठिकानों से मिली चल-अचल संपत्ति की पूरी लिस्ट और डीए केस की कॉपी गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय को भी भेजी है। पुलिस मुख्यालय गौतम को पहले शोकॉज करेगा, उसके बाद उनके कारनामों की जांच भी कराएगा। उनका निलंबन तय माना जा रहा है।

कांग्रेस ने मधेपुरा में महंगाई के खिलाफ प्रधानमंत्री का पुतला जलाया

मधेपुरा. मधेपुरा में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के जिला इकाई द्वारा केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सौरभ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शहर के बीपी मंडल चौक पर एकत्र होकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में पार्टी का झंडा और बैनर था, जिस पर बढ़ती महंगाई, रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि, बिजली बिल में अनियंत्रित बढ़ोतरी तथा पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार इजाफे के खिलाफ नाराजगी जताई गई। जिलाध्यक्ष एसके सौरभ ने कहा कि आम जनता पर महंगाई का बोझ

लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। केंद्र सरकार की नीतियां पूरी तरह जनविरोधी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई पर नियंत्रण करने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आम जनता की आवाज बनकर सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य है और आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन में प्रो. अरुण कुमार, युवा नेता सौरभ कुमार, निरंजन कुमार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने की मांग की। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही महंगाई पर काबू नहीं पाया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

जमुई में पीएम का पुतला फूंका

जमुई में गुरुवार दोपहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई, गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गौतम के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कचहरी चौक पर पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और महंगाई पर नियंत्रण की मांग की। कचहरी चौक पर प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए पुतला दहन किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गौतम ने कहा कि देश में वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस की कालाबाजारी हो रही है, जिससे आम लोगों को घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। उन्होंने पेट्रोल और डीजल की कमी पर भी चिंता व्यक्त की। गौतम ने केंद्र सरकार पर जनता की समस्याओं से सरोकार न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसे नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक प्रधानमंत्री को सत्ता से नहीं हटाया जाता, तब तक कांग्रेस पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा। इस विरोध प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष समेत कई कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, शुक्रवार, 3 अप्रैल, 2026

www.ksnewsupdates.com

धार्मिक आयोजनों के कुप्रबंध का नतीजा है भगदड़ में मौतें

धार्मिक आयोजनों में आए दिन भगदड़ में लोग अकाल मृत्यु के निवाले बन रहे हैं। भगदड़ में आम आदमी का दब कुचलकर मरना अब एक नियती सी बन गयी है। कुंभ के मेले से लेकर खेल के मैदान, राजनेताओं की सभा, फिल्म सितारों के जश्न, कथावाचकों के पांडालों और धार्मिक आस्था के केंद्र मंदिरों तक बार बार इन घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। ऐसी घटनाओं में हर बार आम आदमी ही मारा जाता है। बार बार हो रहे ऐसे हादसों से फिलहाल तो कोई सबक नहीं लिया गया है लेकिन अब समय आ गया है कि भीड़ नियंत्रण के लिए राष्ट्र व्यापी ठोस रणनीति बनायी जाए ।अब ऐसा ही दुखद वाक्या बिहार के नालंदा जिले के शीतला मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ उमड़ पड़ी. चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से अव्यवस्था की स्थिति बन गई. इससे मची भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग जख्मी बताए जा रहे हैं. आपको बता दें कि अभी तीन माह पहले आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भी ऐसा ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे समेत नौ की जान गयी है।

देश के किसी न किसी हिस्से से कुछ समय के अंतराल पर ऐसी खबरें आती ही रहती है। दुःखद पहलू यह है कि जब भी ऐसी कोई खबर आती है, तो दुःख जताने के साथ जांच कमेटी बैठा दी जाती है। साथ ही मुआवजा देकर मरहम लगाकर लीपापोती कर दी जाती है, लेकिन इससे सबक लेते हुए इसको रोकने के लिए कदम कम ही उठाये जाते हैं।

आपको याद रहे पिछले दिनों तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ में 40 से अधिक लोगों की जान गई। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके ने करूर में हुई रैली में हुई भगदड़ के पीछे डीएमके पर साजिश का आरोप लगाया था । इस साल 2025 में मंदिरों, रेलवे स्टेशन और महाकुंभ में भगदड़ में कई लोगों की जान गई है।

आपको बता दें देश में पिछले दो दशक में दो दर्जन बार भगदड़ में करीब 1500 लोगों की जानें गई हैं, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। 2025 को भगदड़ दुर्घटनाओं का साल कहा जाए तो गलत नहीं होगा। साल की शुरुआत 8 जनवरी, 2025 तिरुमाला हिल्स में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच हुई धक्का-मुक्की में छह श्रद्धालुओं की जान चली गई। दर्जनों लोग घायल हो गए। महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी को संगम क्षेत्र में भगदड़ मच गई। मौनी अमावस्या के अवसर पर लाखों तीर्थयात्री स्नान के लिए जगह पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई, 60 लोग घायल हो गए। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हादसा हो गया। विक्ट्री परेड शुरू होने से पहले अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे भगदड़ मची। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कम से कम 50 लोग घायल हुए।

15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर भगदड़ मच गई। भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई, 15 घायल हो गए। तीन मई को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हो गए। इससे पहले 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। तीन जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित 'सत्संग' (प्रार्थना सभा) में भगदड़ से 121 लोगों की मौत हो गई.। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मंदिर में 31 मार्च 2023 को रामनवमी के अवसर पर आयोजित 'हवन' समारोह के दौरान 'बावड़ी' या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों की जान चली गई।

2022 के पहले दिन जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई। 29 सितंबर 2017 को मुंबई में पश्चिमी रेलवे के एलफिंस्टन रोड स्टेशन को मध्य रेलवे के परेल स्टेशन से जोड़ने वाले पुल पर मची भगदड़ में 23 लोगों की मौत हो गई। गोदावरी नदी के तट पर 14 जुलाई 2015 को हुई भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, 20 घायल हो गए। दशहरा समारोह 3 अक्टूबर 2014 को मेला समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले 13 अक्तटूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोगों की जान चली गई और 100 से अधिक घायल हो गए।

19 नवंबर, 2012 को पटना में गंगा नदी के किनारे अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में 20 लोग मारे गए। 8 नवंबर, 2011को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे घाट पर भगदड़ मचने से 20 लोग मारे गए थे। 14 जनवरी, 2011केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में जीप के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालु मारे गए, 40 से अधिक घायल हो गए। 4 मार्च, 2010 उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में लगभग 63 लोग मारे गए। 30 सितंबर, 2008 राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाहों के कारण मची भगदड़ में 250 श्रद्धालु मारे गए, 60 से अधिक घायल हो गए। 3 अगस्त, 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में चट्टान गिरने की अफवाह उड़ी, जिसमें 162 लोग मारे गए। 25 जनवरी, 2005 महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर मेंथा मे थे वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालु कुचलकर मारे गए। 27 अगस्त, 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए। वास्तविकता यही है कि अपने देश में भीड़ नियंत्रण को लेकर ठोस रणनीति नहीं है और यही कारण है कि ऐसे हादसे होते ही रहते हैं। जरूरत इस बात की है कि भगदड़ जैसी होने वाले त्रासदी को रोकने के लिए नई रणनीति के तहत काम किया जाए। विशेष कर मंदिरों मेलों धार्मिक आयोजनों में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकासी के सही इंतजाम इन घटनाओं को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं। इस के साथ ही भीड़ एकत्र करने वाले आयोजन कर्ताओं की भी साफ एवं स्पष्ट जबावदेही तय की जाए। प्रशासन जुटने वाले लोगों का सही अंदाजा लगा कर व्यवस्था व अनुमति प्रदान करें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

नक्सलवाद का अंत, रेडकॉरिडोर का सपना चकनाचूर

> साथियों बात अगर हम नक्सलवाद समाप्ति टारगेट 31 मार्च 2026 की करें तो भारत में नक्सलवाद का इतिहास 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ, जब एक छोटे किसान आंदोलन ने हिंसक विद्रोह का रूप ले लिया। प्रारंभ में यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम था, लेकिन समय के साथ यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। करीब छह दशकों तक चले इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान गई, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान और आम नागरिक दोनों शामिल थे। लेकिन 2024 में एक निर्णायक मोड़ आया, जब देश के गृह मंत्री ने नक्सलवाद के अंत के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। इसके बाद सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने रेड कॉरिडोर के विस्तार को तेजी से सीमित कर दिया।

किशन सनमुखदास भावनानीं

-क़्या अब भ्रष्टाचार व नशा मुक्ति क़े अंत क़ी अगली ऐतिहासिक डेडलाइन का समय आ गया है? -भारतीय जनता के हर वर्ग की अपेक्षा -समग्र विश्लेषण जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी,तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता?

नक्सलवाद के खिलाफ़ जैसे जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार व नशाखोरी के खिलाफ़ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जाने की खास जरूरत है

वैश्विक स्तरपर भारत के समकालीन राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद के लगभग अंत की घोषणा के साथ अब राष्ट्रीय एजेंडा एक नए लक्ष्य की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है,भ्रष्टाचार मुक्त भारत। यह केवल एक नारा या राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि शासन- प्रणाली, विकास मॉडल और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की परीक्षा है। जिस प्रकार नक्सल मुक्त भारत के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित कर व्यापक रणनीति के साथ कार्य किया गया,उसी प्रकार अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक ठोस डेडलाइन तय की जानी चाहिए?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,अब भारतीय नक्सलवाद क़ा अध्याय लगभग समाप्ति की ओर है,तो स्वाभाविक रूप से ध्यान देश की दूसरी बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की ओर जा रहा है।भ्रष्टाचार जो न केवल आर्थिक संसाधनों की बर्बादी करता है,बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है,आज विकास की राह में सबसे बड़ा अवरोध बन चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ अक्सर अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता, क्योंकि बीच में बिचौलियों और भ्रष्ट अधिकारियों का एक जाल सक्रिय रहता है। ऐसे में यह विचार तेजी से उभर रहा है कि जैसे नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जानी चाहिए।सरकारी पैसा सीधे जनता की जेब में यह विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुधार का एक महत्वपूर्णसिद्धांत है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे लाखों लोगों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिला है। लेकिन इसके बावजूद भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।फाइलों को जानबूझकर अटकाना, रिश्वत की मांग करना और जांच प्रक्रियाओं को लंबित रखना सबसे बड़ी बात ऊपरी लेवल तक ठेको सहित अन्य करों में 40-50 परसेंट का लेनदेन आज भी आम समस्याएं हैं। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए स्पष्ट समय- सीमा तय की जाए और उसमें देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड तक सीमित नहीं हो सकती इसको समझने की करें तो, इसके लिए एक व्यापक संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है,जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नागरिक भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए।

शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा और त्वरित न्याय का भरोसा देना भी इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर देखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जिससे अन्य लोग आगे आने से डरते हैं। यदि इस भय को समाप्त नहीं किया गया, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी अभियान अधूरा रहेगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो जिन देशों ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण पाया है,उन्होंने सख्त कानूनों के साथ- साथ तकनीकी नवाचार और संस्थागत सुधारों को अपनाया है।सिंगापुर और स्कैंडिनेवियाई देशों के उदाहरण इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया गया है। भारत में भी डिजिटल इंडिया, आधार और ई-गवर्नेंस जैसी पहलें इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं, लेकिन इनका पूर्ण लाभ तभी मिलेगा जब इन्हें एक व्यापक रणनीति के तहत लागू किया जाए।यह भी महत्वपूर्ण है कि भ्रष्टाचार को केवल एक प्रशासनिक समस्या के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौती के रूप में भी समझा जाए। जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। इसके लिए शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।जनता की अपेक्षाएं भी अब बदल रही हैं। लोग केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे परिणाम देखना चाहते हैं। नक्सलवाद के खिलाफ सफलता ने यह विश्वास पैदा किया है कि यदि सरकार ठान ले, तो बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान संभव है। यही विश्वास अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में भी दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम नक्सलवाद समाप्ति टारगेट 31 मार्च 2026 की करें तो भारत में नक्सलवाद का इतिहास 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ, जब एक छोटे किसान आंदोलन ने हिंसक विद्रोह का रूप ले लिया। प्रारंभ में यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम था, लेकिन समय के साथ यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। करीब छह दशकों तक चले इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान गई, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान और आम नागरिक दोनों शामिल थे। लेकिन 2024 में एक निर्णायक मोड़ आया, जब देश के गृह मंत्री ने नक्सलवाद के अंत के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। इसके बाद सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने रेड कॉरिडोर के विस्तार को तेजी से सीमित कर दिया। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाए गए, नक्सली नेतृत्व को कमजोर किया गया और हजारों कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल गतिविधियों के गढ़ माने जाते थे, वहां अब स्कूल, सड़कें और राशन की दुकानें खुलने लगी हैं। यह परिवर्तन केवल सुरक्षा की दृष्टि से नहीं, बल्किसामाजिक और आर्थिक विकास के संकेत के रूप में भी महत्वपूर्ण है।हालांकि, इस उपलब्धि पर राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे ऐतिहासिक सफलता के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर बहस की चुनौती यह दर्शाती है कि नक्सलवाद का पूर्ण अंत अभी भी एक बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और देश ने इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

साथियों बात अगर हम नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के बीच एक महत्वपूर्ण समानता को समझने की करें तो वह यह है कि दोनों ही विकास और सुशासन के लिए बाधक हैं। जहां नक्सलवाद ने देश के कुछ हिस्सों को विकास की मुख्यधारा से अलग कर दिया, वहीं भ्रष्टाचार ने पूरे देश में संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को प्रभावित किया। इसलिए यदि नक्सलवाद के अंत को एक नई आज़ादी के रूप में देखा जा रहा है, तो भ्रष्टाचार से मुक्ति को वास्तविक आज़ादी की दिशा में अगला कदम माना जा सकता है।अब सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक निश्चित डेडलाइन तय की जा सकती है? यह एक जटिल प्रश्न है, क्योंकि नक्सलवाद की तरह यह एक स्पष्ट और सीमित क्षेत्र में फैली समस्या नहीं है। यह समाज और व्यवस्था के हर स्तर पर मौजूद है।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

> इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं।

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है-"मातृदेवो भव, पितृदेवो भव" केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित "तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026" एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से "माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007" मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

पुरुषार्थ जगाओ, व्यसन मिटाओ-जीवन का सच्चा उत्थान आत्मसंयम और परिश्रम में छिपा है

कांतिलाल मांडोत

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। यह केवल भोग-विलास या क्षणिक सुखों के लिए नहीं मिला, बल्कि आत्मोन्नति, समाज कल्याण और परम शांति की प्राप्ति के लिए प्राप्त हुआ है। फिर भी आज का मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है व्यसन। व्यसन केवल एक आदत नहीं है, यह एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे मनुष्य की चेतना, शक्ति और अस्तित्व को निगल जाता है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुरुषार्थ को जगाएं और व्यसनों का त्याग करें। इतिहास गवाह है कि जिसने पुरुषार्थ को अपनाया, उसने असंभव को संभव कर दिखाया। एक साधारण व्यक्ति भी अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से महान बन सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी हैं। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपने कार्य के प्रति जो निष्ठा दिखाई, वह उनके पुरुषार्थ का परिचायक था। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य अपने पुरुषार्थ को नहीं छोड़ता, तो सफलता स्वयं उसके चरण चूमती है।

इसके विपरीत जो व्यक्ति व्यसनों के अधीन हो जाता है, उसका जीवन धीरे-धीरे अंधकार में डूबने लगता है। व्यसन मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता को समाप्त करता है और उसे गलत निर्णयों की ओर धकेलता है। शराब, तंबाकू, नशा, जुआ और अन्य दुर्व्यसन केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि व्यसन मृत्यु का द्वार है, क्योंकि यह मनुष्य को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है।

आज समाज में व्यसनों का विस्तार एक भयावह रूप ले चुका है। हर गली, हर मोड़ पर व्यसनों का बाजार सजा हुआ है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इसकी चपेट में आ रही है। शुरुआत में यह केवल एक प्रयोग के रूप में शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाता है और फिर व्यक्ति इसके बिना जी नहीं पाता। वह अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है और उसका आत्मबल समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि व्यसन को आत्मा के लिए घातक और जानलेवा कहा गया है। व्यसन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, यह उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। एक व्यसनी व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भूल जाता है, अपने परिवार की जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेता है और आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। इससे परिवार में तनाव, कलह और दुःख का वातावरण बनता है। समाज में अपराध बढ़ते हैं और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इस प्रकार व्यसन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या भी है।

इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को इन सभी बुराइयों से बचाती है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच भी है। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा पुरुषार्थी होता है। वह कठिनाइयों से नहीं डरता, बल्कि उनका सामना करता है और उन्हें अवसर में बदल देता है।

भगवान महावीर ने भी पुरुषार्थ और आत्मसंयम पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर की शक्तियों को पहचानना चाहिए और उन्हें सही दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने व्यसनों से दूर रहने और संयमित जीवन जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो मनुष्य को अपने मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है।

हिन्दी रंगमंच दिवस आज

वह ऑफलाइन दुनिया, जहाँ इमोजी नहीं, असली आँसू बहते हैं

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच

पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है। रंगमंच हमें आईना दिखाता है, और आईना कभी सुखद नहीं होता। वह हमें हमारी झुर्रियां दिखाता है, हमारे भीतर की कुंठाएं दिखाता है और हमें मजबूर करता है कि हम खुद से रूबरू हों। यही कारण है कि सत्ताएं हमेशा रंगमंच से डरती रही हैं, क्योंकि यहाँ संवाद केवल जुबानों से नहीं, रूहों से होता है।

लेकिन आज एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हम एक दर्शक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं? हिंदी रंगमंच आज भी उन चंद पागलों के भरोसे जिंदा है जो दिन भर की थकाऊ नौकरी के बाद शाम को रिहर्सल के लिए अंधेरे कमरों में जुटते हैं। उनके पास न तो कॉर्पोरेट की फंडिंग है और न ही चमक-धमक वाले विज्ञापनों का सहारा। उनके पास सिर्फ एक जुनून है जो उन्हें हर शाम फिर से मेकअप रूम में ले आता है। वे जानते हैं कि शो खत्म होने के बाद उन्हें उसी साधारण जिंदगी में लौटना है जहाँ बिल भरने की चिंता है। फिर भी, वे हर रात मंच की वेदी पर खुद को होम करते हैं ताकि संवाद की लौ बुझने न पाए। क्या हमने कभी सोचा है कि एक टिकट खरीदकर नाटक देखना किसी मंदिर में दान देने से कहीं बड़ी सांस्कृतिक सेवा है? रंगमंच हमें देखना नहीं, महसूस करना सिखाता है। डिजिटल दुनिया ने हमें जोड़ा तो बहुत है, लेकिन हमें अकेला कर दिया है। हम अपनी स्क्रीन पर दुनिया भर का दुख देखते हैं और एक इमोजी बनाकर आगे बढ़ जाते हैं। रंगमंच पर ऐसा नहीं होता। वहां अभिनेता के आंसू दर्शक के गालों पर महसूस किए जाते हैं। यह वह जगह है जहाँ मनुष्यता का आखिरी सिरा सुरक्षित है। अगर रंगमंच मर गया, तो समझ लीजिए कि हमारे समाज से सहानुभूति और प्रतिरोध की क्षमता हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। संवादहीनता के इस दौर में नाटक ही वह आखिरी खिड़की है जहाँ से ताजी हवा आ सकती है।

आज इस खास दिन पर हमें यह समझना होगा कि नाटक का पर्दा केवल लकड़ी के तख्तों पर नहीं गिरता, वह हमारे भीतर के अंधकार पर भी गिरना चाहिए। हिंदी रंगमंच की ताकत उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उसकी सादगी और सच्चाई में है। यह उत्सव केवल इतिहास की किसी तारीख को याद करने का नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर के उस दर्शक को जगाने का है जो भीड़ में अपनी पहचान खो चुका है। आइए, इस 3 अप्रैल को किसी अंधेरे हॉल में बैठें और उस रोशनी का स्वागत करें जो सीधे मंच से हमारे दिलों की ओर आती है। क्योंकि जब तक दुनिया में अन्याय रहेगा और जब तक इंसान के भीतर प्रेम की आग बाकी रहेगी, तब तक रंगमंच की मशाल जलती रहेगी।

गुड फ्राइडे पर विशेष

सूली से उठती शांति की पुकार

बलिदान से जन्मी रोशनी: गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है।

कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

दूसरों को खुश करने में नहीं, खुद को पहचानने में है सफलता: कंगना

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में इंस्टाग्राम पर साझा किए गए अपने संदेश में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने लोगों को दूसरों को प्रभावित करने की बजाय खुद को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने लिखा कि लोग किसी को इसलिए पसंद नहीं करते क्योंकि वह दयालु, सफल या उदार है, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद भी ऐसे गुण रखते हैं। उनके अनुसार, किसी को प्रभावित करने की कोशिश करना व्यर्थ है, क्योंकि सामने वाला तभी प्रभावित होगा जब वह खुद उस सोच का होगा। कंगना ने अपने संदेश में यह भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा दूसरों को खुश करने की कोशिश करता है, तो लोग उससे दूरी बनाने लगते हैं और कई बार नफरत भी करने लगते हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपना सही समूह चुनें और वहां रहने की कोशिश न करें जहां वे असहज महसूस करते हैं।

उनका कहना है कि हर व्यक्ति को अपनी पहचान के साथ आगे बढ़ना चाहिए और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीना चाहिए। अभिनेत्री ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए भी यह दिखाया है कि बिना किसी गॉडफादर के भी सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने दम पर पहचान बनाई और बाद में राजनीति में कदम रखते हुए संसद तक का सफर तय किया। कंगना उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने हर परिस्थिति में संघर्ष करते हुए अपनी जगह बनाई है। फिल्मी करियर के दौरान उन्होंने इंडस्ट्री में फैले भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई थी। उन्होंने कई निर्माताओं और निर्देशकों पर आरोप लगाए कि वे केवल अपने करीबी लोगों को अवसर देते हैं।

इस मुद्दे पर उन्होंने करन जौहर समेत कई नामों को लेकर भी खुलकर बयान दिए थे, जिससे वह लंबे समय तक सुर्खियों में रहीं। वर्तमान में कंगना रनौत फिल्मों के साथ-साथ जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वह अपने संसदीय क्षेत्र मंडी के विकास और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों में जुटी हैं। इसके अलावा, सांसद बनने के बाद वह खादी को बढ़ावा देने और पारंपरिक साड़ियों के जरिए भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए भी जानी जाती हैं। बता दें कि कंगना रनौत एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। संसद से लेकर सोशल मीडिया तक अपनी स्पष्ट राय रखने के लिए जानी जाने वाली कंगना ने इस बार फैंस को मोटिवेट करते हुए जीवन से जुड़ी अहम बातें साझा की हैं।

प्रियंका काम और परिवार के बीच बनाती है शानदार संतुलन

मुंबई (ईएमएस)। अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर मार्च महीने की खास झलकियां साझा कीं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच संतुलन साफ नजर आता है।

हाल ही में शेयर किए गए इस फोटो डंप में प्रियंका चोपड़ा ने कई खास पलों को एक साथ संजोया है। इनमें सबसे ज्यादा ध्यान उनकी बेटी मालती मैरी चोपडा जोनस के साथ बिताए गए क्वालिटी टाइम पर गया। तस्वीरों में मां-बेटी के बीच की खूबसूरत बॉन्डिंग साफ दिखाई देती है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा एक तस्वीर में प्रियंका का आईडी कार्ड भी नजर आया, जो हाल ही में आयोजित नौवें एकेडमी अवॉर्ड्स से जुड़ा बताया जा रहा है। यह झलक उनके ग्लोबल स्तर पर सक्रिय होने और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों का हिस्सा बनने की ओर इशारा करती है। पोस्ट में निक जोनस भी नजर आए, जहां वह बेटी मालती को गोद में लेकर कार ड्राइव करते दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा प्रियंका अपने दोस्तों और परिवार के साथ मस्ती करती भी दिखीं। इन तस्वीरों के जरिए उन्होंने अपने पूरे महीने की यादों को एक फ्रेम में समेटने की कोशिश की है। इस फोटो डंप को साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में "रैंडम मार्च" लिखा, जो उनके व्यस्त लेकिन यादगार महीने को दर्शाता है।

अगर पूरे महीने की बात करें तो मार्च उनके लिए काफी व्यस्त रहा, जिसमें वह काम के सिलसिले में अलग-अलग देशों की यात्रा करती रहीं। इसके बावजूद उन्होंने अपने परिवार के साथ समय बिताने में कोई कमी नहीं रखी। इससे पहले भी प्रियंका ने अपने एक पोस्ट से फैंस का ध्यान खींचा था, जिसमें उन्होंने अमृतसर यात्रा की झलक साझा की थी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने एक डिजिटल मैप पोस्ट किया था, जिसमें नई दिल्ली से अमृतसर तक की फ्लाइट का रूट दिखाया गया था। इसके साथ उन्होंने "एक अलग एडवेंचर की ओर चलो" लिखकर उत्सुकता बढ़ा दी थी, हालांकि इस यात्रा के बारे में उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की।

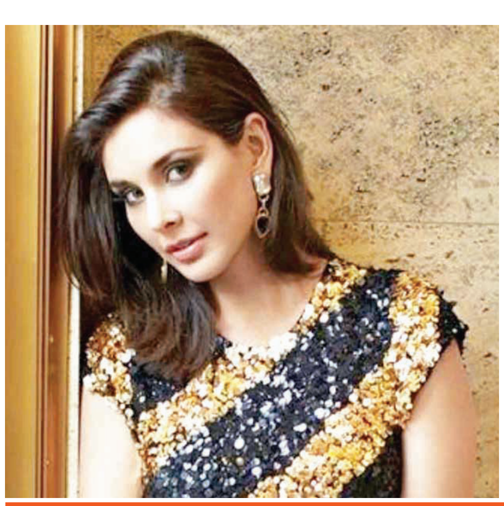

मिडलाइफ में खुद को अधिक सशक्त बना सकती है महिलाएं: लीसा रे

मुंबई (ईएमएस)। एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री लीसा रे ने स्पष्ट किया कि मिडलाइफ को कमजोरी या ठहराव के दौर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह जीवन का ऐसा चरण है, जहां महिलाएं खुद को और अधिक सशक्त बना सकती हैं। अभिनेत्री ने मिडलाइफ और महिलाओं के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर खुलकर अपने विचार साझा किए हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के साथ उन्होंने बताया कि यह वीडियो साल 2026 की शुरुआत में रिकॉर्ड किया गया था। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब वह मिडलाइफ महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े एक प्लेटफॉर्म से जुड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं उन्हें फॉलो कर रही हैं, ऐसे में यह जरूरी है कि इस उम्र को लेकर सही सोच विकसित की जाए।

लीसा रे ने अपने पोस्ट में लिखा कि मिडलाइफ का मतलब धीमा पड़ना नहीं है, बल्कि यह समय आगे बढ़ने और खुद को बेहतर बनाने का होता है। उन्होंने कहा कि अक्सर महिलाएं यह सोचती हैं कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) लेना चाहिए या नहीं, लेकिन उनके अनुसार असली सवाल यह नहीं है। असली बात यह है कि इस नए जीवन चरण में खुद को स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मविश्वास से भरपूर कैसे रखा जाए। उन्होंने यह भी माना कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी कई मामलों में मददगार साबित हो सकती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है, लेकिन मिडलाइफ को सिर्फ दवाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसे एक व्यापक प्रक्रिया बताया, जिसमें शरीर और मन दोनों की जिम्मेदारी खुद उठानी होती है। लीसा ने महिलाओं को व्यावहारिक सुझाव देते हुए कहा कि इस उम्र में वेट ट्रेनिंग को अपनी दिनचर्या का जरूरी हिस्सा बनाना चाहिए। इसके साथ ही पर्याप्त प्रोटीन और नींद को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। उन्होंने नर्वस सिस्टम की देखभाल पर भी जोर दिया और कहा कि यह काम नियमित रूप से होना चाहिए, न कि कभी-कभी। अभिनेत्री ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब वे अपनी सेहत का केवल ध्यान न रखें, बल्कि उसकी कमान अपने हाथ में लें। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे आराम, खुशी और अपनी ताकत के लिए किसी से माफी न मांगें और खुद को कमतर आंकने की बजाय आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। अपने संदेश के अंत में लीसा रे ने कहा कि मिडलाइफ किसी गिरावट की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह अपने जीवन के "ऑपरेटिंग सिस्टम" को अपग्रेड करने का समय है।

एविएशन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है मांग

आज के समय में एविएशन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो,एयरपोर्ट से जुड़े कोर्स आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आपको एयरपोर्ट पर कई भूमिकाओं में काम करने का मौका मिल सकता है जिससे आप अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आप ग्राउंड स्टाफ, केबिन क्रू, कस्टमर सर्विस जैसे कई क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ को एयरपोर्ट पर यात्रियों की मदद करने के लिए तैनात की जाती है। इनका काम होता है यात्रियों का चेक-इन करवाना, बोर्डिंग पास देना और यात्रा से जुड़ी हर आवश्यक जानकारी को बताना। किसी भी यात्री को फ्लाइट के टाइम, गेट नंबर समेत किसी भी चीज से जुड़ी जानकारी चाहिए होती है, तो वे ग्राउंड स्टाफ को संपर्क कर सकते हैं.।

केबिन क्रू

केबिन क्रू फ्लाइट के अंदर काम करते हैं! वह यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर फोकस करते हैं। फ्लाइट उड़ने से पहले वह यात्रियों को सारी जानकारी शेयर करते हैं। इसके साथ ही वह यात्रा के दौरान खाना भी सर्व करते हैं।

एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ

एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ का काम एयरपोर्ट के संचालन को सही तरह से चलाना है. ये फ्लाइट के टेक ऑफ और लैंडिंग की प्लानिंग करते हैं। साथ ही वह यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सुरक्षित तरीके से हो जाए।

सिक्योरिटी स्टाफ

एयरपोर्ट पर मौजूद सिक्योरिटी स्टाफ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते हैं। इनका मुख्य काम यात्रियों और उनके सामान की जांच करना होता है ताकि कोई भी ऐसा सामान फ्लाइट में न जाए जो और यात्रियों के लिए खतरा बन सके।

टेक्निकल जॉब्स

टेक्निकल जॉब्स में वे लोग आते हैं, जो तकनीक से जुड़ा काम संभालते हैं. यानी कि एटीसी अधिकारी। इंजीनियर फ्लाइट की मरम्मत का ध्यान रखता है ताकि एयरक्राफ्ट सुरक्षित रहे। वहीं एटीसी अधिकारी हवा में उड़ रहे विमानों को कंट्रोल करते हैं और सुरक्षित तरीके से टेक ऑफ और लैंडिंग करवाते हैं। एयरपोर्ट पर नौकरी पाने के कई तरीके होते हैं। एयरलाइन कंपनियां अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर वैकेंसी निकालती हैं, जहां से ऑनलाइन आवेदन कर आप इंटरव्यू और ट्रेनिंग के बाद नियुक्त होते हैं।

ड्रोन विशेषज्ञों की मांग और बढ़ेगी

तकनीक के इस आधुनिक युग में ड्रोन अब केवल मनोरंजन या वीडियो शूटिंग का साधन नहीं रह गया है। यह अब कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने का माध्यम बन चुका है। भारत में ड्रोन तकनीक के तेजी से विस्तार ने युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोले हैं। सरकार की "ड्रोन शक्ति योजना" और "मेक इन इंडिया" पहल ने इस क्षेत्र में निवेश और नवाचार दोनों को प्रोत्साहित किया है। आज देश के कई उद्योग ड्रोन विशेषज्ञों और प्रशिक्षित पायलटों की तलाश में हैं, जिससे युवाओं के लिए हजारों नौकरियों के द्वार खुल रहे हैं।

ड्रोन का सबसे अधिक उपयोग कृषि क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। किसान अब खेतों की निगरानी, फसलों की सेहत का विश्लेषण, कीटनाशक छिड़काव और सिंचाई प्रबंधन के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं। सरकार भी "कृषि ड्रोन योजना" के तहत युवाओं को

सब्सिडी और प्रशिक्षण प्रदान कर रही है ताकि वे ड्रोन ऑपरेटर के रूप में काम कर सकें। यह न केवल किसानों की उत्पादकता बढ़ा रहा है, बल्कि ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का नया साधन बन रहा है।

ड्रोन तकनीक का दूसरा बड़ा उपयोग सर्वेक्षण और मैपिंग में हो रहा है। सड़क, रेलवे, रियल एस्टेट, खनन और शहरी विकास परियोजनाओं में ड्रोन की मदद से सटीक डेटा और 3डी मैपिंग तैयार की जाती है। इससे इंजीनियरिंग और सर्वे एजेंसियों को विशेषज्ञ ड्रोन ऑपरेटरों की जरूरत पड़ती है। इसी तरह, आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी ड्रोन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बाढ़, भूकंप या आग जैसी स्थिति में ड्रोन की मदद से प्रभावित इलाकों की रीयल-टाइम जानकारी मिलती है, जिससे राहत दलों को समय पर कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

फिल्म और मीडिया उद्योग में भी ड्रोन ने नई दिशा दी है। अब फिल्मों, विज्ञापनों, और लाइव इवेंट्स की हवाई शूटिंग के लिए प्रशिक्षित ड्रोन कैमरा ऑपरेटरों की मांग बढ़ गई है। इसके अलावा, सुरक्षा एजेंसियां, पुलिस विभाग और रक्षा संगठन सीमाओं, भीड़भाड़ वाले इलाकों और बड़े आयोजनों की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं, जिससे युवाओं को टेक्निकल सपोर्ट और सर्विलांस ऑपरेटर के रूप में नौकरी मिल रही है।

ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियां भी ड्रोन डिलीवरी सेवाओं पर प्रयोग कर रही हैं।

गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है।

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे।

केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

डीएमके का उगता सूरज, 75 साल से तमिलनाडू की सियासत में कैसे कायम है इसका पावर

चेन्नई (ईएमएस)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) तमिलनाडु की राजनीति की सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय पार्टियों में से एक रही है, जिसने बीते लगभग 75 वर्षों में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है। 17 सितंबर 1949 को सी.एन. अन्नादुरई द्वारा स्थापित पार्टी का जन्म द्रविड़ कड़गम से अलग होकर हुआ था। जहां डीएमके ने शुरू से ही द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और भाषाई गौरव को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया। 1967 का चुनाव डीएमके के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ, जब डीएमके ने पहली बार सत्ता हासिल की और कांग्रेस के लंबे वर्चस्व को समाप्त किया। इसके बाद एम. करुणानिधि के नेतृत्व में पार्टी ने दशकों तक राज्य की राजनीति को दिशा दी। करुणानिधि न केवल एक राजनेता थे बल्कि एक लेखक और सांस्कृतिक प्रतीक भी थे, जिनकी छवि ने पार्टी को गहराई दी। डीएमके के '(उगता सूरज)' यानी उगते सूरज का चुनाव चिन्ह इसकी पहचान का सबसे बड़ा प्रतीक है। यह चिन्ह द्रविड़ समाज के उत्थान, नई शुरुआत और सामाजिक जागरूकता का प्रतिनिधित्व करता है। काले और लाल रंग का झंडा सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष और परिवर्तन की आकांक्षा को दर्शाता है। यह प्रतीकवाद आम जनता, खासकर पिछड़े और वंचित वर्गों से गहराई से जुड़ता है। वर्तमान में सीएम एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके सत्ता में है और 2021 के चुनाव में 125 सीटें जीतकर उसने अपनी लोकप्रियता साबित की। स्टालिन ने कल्याणकारी योजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय पर जोर देकर पार्टी की विरासत को आगे बढ़ाया है। डीएमके की स्थायी ताकत उसकी स्पष्ट विचारधारा, मजबूत संगठन, करिश्माई नेतृत्व और जनता से जुड़ाव में निहित है। सामाजिक समानता, क्षेत्रीय पहचान और विकास के मुद्दों पर लगातार काम करने के कारण 'उगता सूरज' आज भी तमिलनाडु की राजनीति में चमक रहा है।

जिस दिन असम में कांग्रेस आएगी,उस दिन हिमंता को छोड़ने वाले नहीं हम

अडानी और एपस्टीन, ट्रंप ने इन दो हथियारों से मोदी को पकड़ रखा

गुवाहाटी (ईएमएस)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताकर आरोप लगाया कि सरमा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में भूमि एटीएम चला रहे हैं, इसके तहत वे जनता से जमीन छीनकर बड़ी कंपनियों को दे रहे हैं। बोकाजन निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार रतन एंग्टी के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित कर कहा कि लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग असम और यहां की जनता के लिए खड़े थे, और कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर उनकी मृत्यु के लिए न्याय दिलाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधारा के लोग रहते हैं। कांग्रेस की सोच हैं, हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। वहीं बीजेपी की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 244 (ए) लेकर आई थी, क्योंकि हमारी सोच है कि असम को न गुवाहाटी से चलाया जाए और न दिल्ली से चलाया जाएं। 244 (ए) से असम की जनता को ताकत मिलती है और ये उन्हें फैसले लेने की शक्ति देता है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाक पर समुद्री हमला करने में बस कुछ ही मिनटों की थी देरी

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने किया खुलासा

नइ दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत, पाकिस्तान पर समुद्र से सीधा हमला करने के बेहद करीब पहुँच गया था। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना का संकल्प इतना अडिग था कि दुश्मन पर प्रहार करने के लिए बस कुछ ही मिनटों की देरी थी। नौसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर की जमकर तारीफ़ की और कहा कि यह भारतीय नौसेना के संकल्प को दर्शाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नौसेना अलंकरण समारोह में अधिकारियों को संबोधित करते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि नौसेना ने इस पूरी अवधि के दौरान बेहद आक्रामक रुख बनाए रखा। अब यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि हम समुद्र से पाकिस्तान पर हमला करने से बस कुछ ही मिनट दूर थे, जब उन्होंने सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। ऑपरेशन सिंदूर 7 मई, 2025 को शुरू किया गया था, जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में एक आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों के मारे जाने के बाद। भारत ने इन हत्याओं का बदला लेने और पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के लिए यह सैन्य कार्रवाई शुरू की थी।

सात न्यायिक अधिकारियों के साथ हुआ उत्पीड़न,भाजपा और चुनाव आयोग की "मिलीजुली साजिश" : ममता बनर्जी

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मालदा जिले में सात न्यायिक अधिकारियों के साथ हुआ उत्पीड़न भाजपा और चुनाव आयोग की "मिलीजुली साजिश" का नतीजा है। इसका उद्देश्य राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की तैयारी करना है। मुख्यमंत्री ममता ने मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी में रैली को संबोधित कर कहा, "न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का काम है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण प्रशासन पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं है, लेकिन मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि उकसावे में न आएं। जिन लोगों के नाम न्यायिक प्रक्रिया में हटाए गए हैं, उनकी शिकायतें वास्तविक हैं, यह मैं जानती हूं। लेकिन अगर आपको मुझ पर भरोसा है, तब किसी भी कीमत पर उत्तेजित न हों। हम लोगों को पश्चिम बंगाल की रक्षा करनी है। यह मत भूलिए कि मालदा की घटना के पीछे भाजपा है और उन्हें मिला आयोग का सहयोग है। उनका एकमात्र उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को बाधित करना और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करना है।" बिना नाम लिए ममता ने घटना में आम आदमी उन्नयन पार्टी और ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की संभावित भूमिका की ओर भी इशारा किया।उन्होंने कहा, "एक कोई हैदराबाद से आया और दूसरी ओर एक गद्दार सामने आया, जिन्हें भाजपा फंडिंग कर रही है। उन्होंने आपको सड़कों को जाम करने और जजों का घेराव करने के लिए उकसाया। इसका परिणाम क्या हुआ?"गौरतलब है कि ओवैसी का आधार हैदराबाद में है। वहीं, हुमायूं कबीर को तृणमूल कांग्रेस से निलंबित होने के बाद अपनी पार्टी एएयूपी बनाने पर "गद्दार" करार दिया गया था। उन्होंने कहा, "अगर आप नहीं चाहते कि भाजपा पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हो, तो शांति बनाए रखें। मालदा की घटना ने पश्चिम बंगाल की छवि को धूमिल किया है। नए मुख्य सचिव, जिन्हें चुनाव आयोग ने पहले वाले की जगह नियुक्त किया था, स्थिति को संभाल नहीं पाए। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि कानून को अपने हाथ में न लें।"

पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने दूंगा, बीजेपी मुस्लिमों के खिलाफ नहीं

बीजेपी नेता व एक्टर मिथुन ने की ओवेसी की तारीफ कहा-वह रियल लीडर

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी नेता और बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती प्रचार में जुट गए हैं। मिथुन ने कहा कि जब तक मेरे बदन में एक बूंद खून रहेगा तब तक कोई माई का लाल पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बना सकता। मिथुन ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी को लेकर कहा कि वह मुझे बहुत पसंद हैं, पढ़े लिखे हैं। इतना अच्छा बोलते हैं। ओवैसी साहब एक रियल लीडर हैं। मिथुन ने कहा कि बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। बीजेपी उनके खिलाफ है जो भारत में रह कर भारत का नुकसान करना चाहते हैं।

एसआईआर को लेकर टीएमसी की तरफ से उठाए जा रहे सवाल पर मिथुन ने कहा कि बीजेपी के भी कितने वोट काट गए। 5713 करोड़ रुपए मदरसों को दिया। इतनी गन्दगी फैल चुकी है बंगाल के अंदर, झाड़ू लेकर साफ करना पड़ेगा। ममता बनर्जी अभी तो कहेंगे ही, लेकिन जीत जाएंगी तो कहेगी सब ठीक हुआ। इस बार परिवर्तन होना चाहिए और अगर नहीं हुआ तो आप भी जायेंगे और में भी जाऊंगा। अभिनेता मिथुन ने पार्टी की रणनीति और जमीनी स्तर पर उसके काम करने के तरीके पर भरोसा जताया। उन्होंने पार्टी के स्थानीय उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने के फ़ैसले पर जोर दिया और कहा कि इस कदम से चुनावों में उनकी जीत की संभावनाएं मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि इस बार, हमने एक स्थानीय व्यक्ति को चुना है, चाहे वह फ़ैसला अच्छा हो या बुरा। अगर हमें चुनाव लड़ना है, तो हम किसी स्थानीय व्यक्ति को ही चुनाव लड़ने देंगे ताकि वह जीतकर वापस आए। उन्होंने उम्मीद जताई कि हम निश्चित रूप से जीतेंगे। जब उनसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों का मुद्दा उठाने के बारे में पूछा गया, तो मिथुन ने इस बात से सहमति जताई कि राज्य में अवैध प्रवासन अभी भी एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

गौतम अदाणी ने परिवार संग किये रामलला के दर्शन, बोले- भावुक क्षण, मन को असीम संतोष

अयोध्या (ईएमएस)। देश के दिग्गज और चर्चित उद्योगपति गौतम अडानी गुरुवार को अयोध्या पहुंचें। वह अपने निजी विमान से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरें। वह यहां तीन घंटे तक रहें। राम मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद सुबह 11 बजे के करीब लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात करना प्रस्तावित है।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर देश-दुनिया की तमाम बड़ी हस्तियां अयोध्या पहुंची थी। इसमें अंबानी परिवार भी मौजूद था। उद्योगपति गौतम अडानी उस दौरान आयोजन में शामिल नहीं हो सके थे। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने हनुमान जयंती समारोह के दिन अपने परिवार के साथ यहां राम मंदिर में भगवान राम की पूजा अर्चना की।

गौतम अदाणी के साथ उनकी पत्नी प्रीति अदाणी और बेटे करण अदाणी थे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कहा कि अदाणी परिवार ने मंदिर में पवित्र अनुष्ठानों में भाग लिया और प्रार्थना की।

गौतम अदाणी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज अयोध्या में हमें श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन कर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।'' उन्होंने कहा, ''श्रीराम का जीवन मर्यादा, करुणा और कर्तव्य का प्रतीक है। उनके आदर्श हमें निरंतर धर्म और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।'' अदाणी ने कहा, ''हनुमान जयंती के पावन अवसर पर इस पवित्र भूमि पर परिवार सहित आकर मन को असीम संतोष मिला। प्रभु श्रीराम और बजरंगबली भारत को एकता, साहस और समृद्धि का आशीर्वाद दें।''

चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर ग्रेनेड हमला

चंडीगढ़ (ईएमएस)। चंडीगढ़ में बुधवार शाम सेक्टर 37 स्थित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश मुख्यालय पर ग्रेनेड हमला हुआ, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों में सतर्कता बढ़ गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमले में जीएसडी2पी हैंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया, जो मुख्य रूप से पाकिस्तान में निर्मित होता है। इस ग्रेनेड का असरदार दायरा लगभग 5–10 मीटर है और इसके टुकड़े 20–25 मीटर तक फैल सकते हैं, जिससे आसपास के लोगों के लिए गंभीर खतरा बनता है। घटना के बाद दो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। पहले वीडियो में एक व्यक्ति हेलमेट पहने हुए ग्रेनेड जैसी वस्तु फेंकता नजर आता है, जबकि दूसरा व्यक्ति घटना को रिकॉर्ड कर रहा है। फेंकने के कुछ पलों बाद दोनों घटनास्थल से भागते हैं और उसके तुरंत बाद धमाका होता है। दूसरे वीडियो में इन्हें सड़क के दूसरी ओर भागते हुए देखा गया। अधिकारी अभी आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के इलाकों से और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। 10 सेकंड की वीडियो क्लिप में आरोपियों के चेहरे स्पष्ट नहीं हैं।

बीजेपी पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इस घटना को पार्टी दफ़्तर पर "सीधा हमला" बताया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने कहा कि पहली नज़र में यह एक छोटा देसी विस्फोटक उपकरण (ईआईडी) फेंकने जैसा प्रतीत होता है। धमाका शाम लगभग 5:00 बजे हुआ और इसके तुरंत बाद जाँच टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया गया। घटना से जुड़ी एक और बात यह है कि सोशल मीडिया पर सुखजिंदर सिंह बब्बर नामक व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी ली। उसने सिख युवाओं की हत्या का बदला बताया और हाल ही में हुई रंजीत सिंह की हत्या का जिक्र किया।

रंजीत सिंह उन आरोपियों में से एक था जिन पर 22 फरवरी को गुरदासपुर में दो पुलिसकर्मियों की हत्या का आरोप था। पोस्ट में कहा गया कि भारतीय व्यवस्था पंजाब के सिख युवाओं को खत्म करने की कोशिश करती है, तब इसका जवाब दिया जाएगा और गुरदासपुर हत्याकांड के दोषियों को भी बख्शा नहीं जाएगा।

आंध्र चुनाव पर बड़ा विवाद! 6 सेकंड में एक वोट और आधी रात के बाद 17 लाख

अमरावती। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने सियासी और सार्वजनिक ध्यान खींचा है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने चुनाव आयोग के आंकड़ों में असामान्य पैटर्न की ओर इशारा किया। प्रभाकर का दावा है कि 3,500 बूथों पर रात 2 बजे तक वोटिंग चलती रही और कुल वोटों का लगभग 4.16 प्रतिशत रात 11.45 बजे से 2 बजे के बीच डाला गया। उन्होंने बताया कि आधी रात के बाद हर 20 सेकंड में एक वोट दर्ज हुआ, जबकि ईवीएम को रीसेट होने में 14 सेकंड लगते हैं। चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी-नेतृत्व वाली एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें 175 सीटों में से 164 जीत दर्ज की गई। टीडीपी को 135 सीटें मिलीं, बीजेपी को आठ और पवन कल्याण की जन सेना को 21 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत को लेकर भी विवाद है। 13 मई को शाम 5 बजे तक वोटिंग समाप्त होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने 68.04 प्रतिशत टर्नआउट बताया, जो रात 8 बजे 68.12 प्रतिशत और रात 11.45 बजे 76.50 प्रतिशत कर दिया गया। अंतिम आंकड़ा चार दिन बाद 81.79 प्रतिशत जारी किया गया। भूषण ने फॉर्म 17सी के पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का डेटा मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे स्वतंत्र जाँच मुश्किल हो गई। उन्होंने वीवीपेट पर्चियों की अनिवार्य गिनती और रियल-टाइम बूथ-स्तरीय डेटा की मांग की। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 का ऑडिट कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूछा कि यदि बूथ स्तर पर फॉर्म 17सी पर हस्ताक्षर और मुहर लगी है, तब अंतिम डेटा में विसंगतियां क्यों दिखाई देती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान प्रतिशत उसी दिन सार्वजनिक किया जाए और बूथ-स्तरीय सारांश तुरंत जारी किया जाए।

विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता की कमी लोकतंत्र के लिए खतरा है। डेटा में असामान्य पैटर्न और आधी रात के बाद अचानक वोटिंग की तेज़ी जैसी घटनाएं गंभीर जांच की मांग करती हैं।

चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता और ऑडिट के माध्यम से भरोसा बहाल करना आवश्यक है, ताकि मतदाता और लोकतंत्र दोनों सुरक्षित रहें।

मंडी में 4000 क्विंटल पहुंचा गेहूं, दिनभर अधिकारियों का इंतजार करते रहे किसान

पलवल,(ईएमएस)। जिले में बुधवार से पलवल, होडल, हथीन, हसनपुर अनाज मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरु होनी थी, लेकिन पहले दिन पलवल मंडी में करीब चार हजार क्विंटल गेहूं लेकर किसान पहुंचे, लेकिन हैफेड व वेयर हाउस के अधिकारियों ने नहीं खरीदा। दिनभर किसान अधिकारियों का इंतजार करते रहे। अनाज मंडी के सचिव ने बताया कि खरीद एजेंसियों के पास कुछ कागजों कमी थी, जिसके चलते अधिकारियों ने खरीद नहीं की। गुरुवार से खरीद शुरू होने की उम्मीद थी। इस बार किसानों से 2,585 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। खरीद के 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में भुगतान करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा प्रशासन के दावों के विपरीत जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर बयां कर रही है, जहां मंडियों में जरूरी इंतजाम अभी अधूरे नजर आ रहे हैं। इस बार भी गेहूं खरीद खुले आसमान के नीचे ही होगी, क्योंकि मंडी में बनाए गए टीन शेड में सरसों के कट्टे रखे हुए हैं। इसके अलावा गेहूं उठान के लिए वाहनों की व्यवस्था भी निविदा प्रक्रिया में फंसी है, जिससे खरीद शुरू होते ही व्यवस्था चरमराने का अंदेशा है। जिले में इस बार 22700 हैक्टेयर भूमि में गेहूं की बुआई की गई है।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रमः गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20–30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं। गिरिराज सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार सातवां वेतन आयोग लागू करेगी और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की योजनाओं पर क्या रुख है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी विकास और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बचती रही हैं।

ऊर्जा संकट को नियंत्रित करने के लिए व्यापक रणनीति पर काम कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने हालात को संभालने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक में स्पष्ट किया गया कि देश के नागरिकों की सुरक्षा और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। वैश्विक स्तर पर ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष का असर ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक बाजार पर पड़ रहा है, खासकर हार्मुज स्ट्रेट पर ईरानी नियंत्रण के कारण स्थिति प्रतिकूल बनी हुई है। इस संकट का सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ने की आशंका थी। भारत ने तुरंत वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की खोज शुरू की और गैस व एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास तेज किए। इसके साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतों को स्थिर रखने की नीति बनाई। मोदी सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करते हुए निगरानी और छापेमारी बढ़ा दी है। इतना ही नहीं कृषि क्षेत्र को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। खरीफ और रबी सीजन के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उत्पादन और आयात दोनों पर ध्यान दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने राज्यों को निर्देश दिए गए हैं कि उर्वरकों की कालाबाजारी और अवैध वितरण पर तुरंत कार्रवाई करें। खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर लगातार नजर रखी जा रही है और नियंत्रण कक्ष स्थापित कर केंद्र व राज्यों के बीच समन्वय मजबूत किया गया है। सूचना प्रबंधन को भी इस रणनीति का अहम हिस्सा बनाया गया है। संकट के समय अफवाहों को रोकने के लिए सरकार सही और समय पर जानकारी जनता तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। गलत सूचना फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत सक्रिय कूटनीति के जरिए अपने हितों की रक्षा कर रहा है। सऊदी अरब, सऊदी अरब अमीरत, कतर सहित कई देशों से लगातार संवाद बनाए रखा गया है। कुल मिलाकर, यह संकट केवल सैन्य नहीं बल्कि आर्थिक और आपूर्ति तंत्र से जुड़ा हुआ है। भारत सरकार ने ऊर्जा विविधीकरण, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ीकरण और घरेलू व्यवस्थाओं को मजबूत कर इस चुनौती का प्रभाव कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।

ट्रंप ने ओबामा पर लगाए आरोप कहा- अमेरिकी राहत से ईरान ने खड़ा किया मिसाइलों का जखीरा

वाशिंगटन(ईएमएस)। ईरान से मुंह का खा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब खिसियाकर अपने लोगों गंभीर और आपत्तिजनक आरोप मंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ईरान में जमा हुआ बैलेस्टिक मिसाइलों के जखीरे के लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को जिम्मेदार ठहरा दिया। उन्होंने साफ कहा कि 2015 में ईरान परमाणु समझौता हुआ था उस वक्त ईरान अमेरिका की कमजोरी पर हंस रहा था। यह ज्वाइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन अमेरिका के लिए एक अपमानजनक समझौता था। ट्रंप का मानना है कि इस डील के जरिए तेहरान को परमाणु कार्यक्रम रोकने के नाम पर भारी आर्थिक राहत दी गई, जिसका इस्तेमाल उसने अपनी सैन्य शक्ति और बैलिस्टिक मिसाइल भंडार को बढ़ाने में किया। ट्रंप ने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में इस दोषपूर्ण करार को दुरुस्त करने का काम किया है।

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष के 34वें दिन, युद्ध के मैदान से लेकर कूटनीतिक गलियारों तक हलचल तेज हो गई है। ईरान को जल्द घुटनों पर लाने की रणनीति उम्मीद के मुताबिक सफल न होने और होर्मुज जलडमरूमध्य के बाधित होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विफलताओं का ठीकरा पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर फोड़ दिया है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ट्रंप ने 2015 के ईरान परमाणु समझौते का जिक्र करते हुए ओबामा प्रशासन को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। गौरतलब है कि 2015 में ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी ने ईरान के साथ यह अंतरराष्ट्रीय समझौता किया था। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के यूरेनियम संवर्धन को सीमित करना और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों को उसके ठिकानों की जांच की अनुमति देना था, ताकि वह परमाणु हथियार न बना सके। बदले में ईरान पर लगे कड़े आर्थिक और तेल निर्यात संबंधी प्रतिबंध हटाए गए थे, जिससे ईरानी अर्थव्यवस्था को बड़ी संजीवनी मिली थी।

हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप शुरू से ही इस नीति के विरोधी रहे हैं। उनका तर्क है कि ईरान को किसी भी तरह की परमाणु तकनीक रखने का हक नहीं होना चाहिए। मौजूदा युद्ध में जब ईरान ने अपनी मिसाइल क्षमता और भौगोलिक स्थिति (होर्मुज) का इस्तेमाल कर वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को चुनौती दी है, तो ट्रंप इसे ओबामा काल की नरम नीति का परिणाम बता रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का यह बयान घरेलू राजनीति और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के बीच अपनी रणनीति को सही ठहराने की एक कोशिश है, क्योंकि अब यह साफ हो गया है कि ईरान को हराना उतना आसान नहीं है जितना शुरू में सोचा गया था।

ईरान से जंग लड़ते ही गिरी ट्रंप की रेटिंग, सभी राष्ट्रपतियों का तोड़ा रिकॉर्ड

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो हमेशा अपनी जीत और लोकप्रियता के दावों के लिए जाने जाते हैं, इस वक्त अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। ईरान के साथ छिड़ी जंग ने न केवल दुनिया का चैन छीना है, बल्कि ट्रंप के 'मैजिक' को भी खत्म कर दिया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिन लोगों ने ट्रंप को वोट दिया था, अब वह पछता रहे हैं। ट्रंप की नेट अप्रूवल रेटिंग गिरकर माइनस-17 पर पहुंच गई है। ये गिरावट इतनी बड़ी है कि इसने अमेरिका के इतिहास में पिछले सभी राष्ट्रपतियों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

एक विश्लेषण ने अमेरिकी राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। ट्रंप की लोकप्रियता का ग्राफ अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक ट्रंप की रेटिंग इस वक्त जिमी कार्टर, रोनाल्ड रीगन और यहां तक कि जो बाइडन से भी नीचे चली गई है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत सकारात्मक रेटिंग के साथ हुई थी, लेकिन जैसे-जैसे ईरान के साथ युद्ध लंबा होता गया, जनता का भरोसा टूटता चला गया। 26 मार्च को आए आंकड़ों ने चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पिछले साल मार्च में जहां 92फीसदी रिपब्लिकन ट्रंप के साथ थे, अब वह घटकर 84फीसदी रह गए हैं यानी उनके अपने घर में ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। करीब 75फीसदी निर्दलीय वोटरों ने ट्रंप के कामकाज को नकार दिया है, जो किसी भी चुनाव को जीतने के लिए सबसे अहम होते हैं।

सर्वे के मुताबिक केवल 29फीसदी लोग ही ईरान पर किए गए हमलों और ट्रंप की रणनीति का समर्थन कर रहे हैं, जबकि 63फीसदी लोग इसे गलत मान रहे हैं। पिछले साल अप्रैल में ट्रंप की रेटिंग 44फीसदी थी, जो अब गिरकर महज 33फीसदी रह गई है। जनता को अब लगने लगा है कि यह युद्ध अमेरिका के लिए महंगा साबित हो रहा है। ट्रंप की पूरी ताकत उनका 'मेगा' बेस है, लेकिन एमहर्स्ट पोल के मुताबिक अब केवल 33फीसदी लोग ही खुद को इस आंदोलन से जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। युद्ध की वजह से बढ़ती तेल की कीमतें और अमेरिकी सैनिकों की मिडिल ईस्ट में भारी तैनाती ने आम अमेरिकी नागरिक के मन में डर पैदा कर दिया है।

चीन ने बनाया विशाल कार वाहक सुपर जहाज, समा जाएंगी 10,000 से ज्यादा गाड़ियां

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन के क्वांगचो शिपयार्ड इंटरनेशनल ने एक कार वाहक जहाज बनाया है, जिसने दुनिया को हैरान कर दिया है। यह जहाज इतना विशाल है कि इसमें 10,000 से भी ज्यादा गाड़ियां एक साथ समा सकती हैं। इस विशालकाय जहाज ने अपने समुद्री परीक्षण की शुरुआत कर दी है। दक्षिण कोरिया की एचएमएम कंपनी के लिए बनाया गया यह जहाज समुद्री व्यापार की दुनिया में गेम-चेंजर साबित होने वाला है। यह दुनिया का पहला ऐसा दोहरे ईंधन वाला पोत है, जिसकी क्षमता पांच अंकों में पहुंच गई है। आधुनिक तकनीक और विशाल आकार के मेल ने इसे शिपिंग इंडस्ट्री का 'बाहुबली' बना दिया है। इस जहाज की लंबाई 230 मीटर और चौड़ाई 40 मीटर है। इसका स्ट्रक्चरल ड्राफ्ट 10.5 मीटर रखा गया है, ताकि गहरे समुद्र में यह पूरी स्थिरता के साथ चल सके। इस जहाज की रफ्तार 19 समुद्री मील यानी करीब 36 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार भारी भरकम माल की ढुलाई और समय की बचत के बीच एक बेहतरीन तालमेल पेश करती है। इसकी बनावट में सुरक्षा और गति दोनों का ध्यान रखा गया है। इस जहाज का सबसे आकर्षक हिस्सा इसका इंटरनल डिजाइन है। इसमें 14 डेक वाला एक विशाल गैराज बनाया गया है। यह डिजाइन इतना लचीला है कि इसमें सिर्फ छोटी कारें ही नहीं, बल्कि भारी ट्रक भी आसानी से रखे जा सकते हैं। यह जहाज इलेक्ट्रिक वाहनों और हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली आधुनिक कारों को सुरक्षित ले जाने में सक्षम है। इसकी 10,800 वाहनों की क्षमता इसे दुनिया के सबसे बड़े कार वाहकों की लिस्ट में टॉप पर ले आती है। आजकल समुद्री जहाजों से होने वाला प्रदूषण एक बड़ी चिंता है, लेकिन यह नया जहाज डीजल और एलएनजी दोनों ईंधनों का उपयोग करता है।

कार वाहक जहाजों का निर्माण करना बहुत ही जटिल काम माना जाता है। यह उच्च तकनीक और भारी निवेश वाला क्षेत्र है। चीन के क्वांगचो शिपयार्ड ने इस जहाज को बनाकर यह साबित कर दिया है कि वह इस तकनीक में पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। 10,000 से ज्यादा वाहनों की क्षमता वाला यह सफल मॉडल अब वैश्विक बाजार में चीन की पकड़ को और मजबूत करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ऐसे और भी विशाल जहाजों की मांग बढ़ेगी। जब एक ही बार में इतनी बड़ी संख्या में वाहन ट्रांसपोर्ट किए जाएंगे, तो शिपिंग की लागत में कमी आएगी। इसका सीधा असर वाहनों की कीमत और डिलीवरी के समय पर पड़ेगा। खासकर भविष्य की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को दुनिया भर में पहुंचाने के लिए यह जहाज एक लाइफलाइन का काम करेगा।

इंडोनेशिया के मोलुक्का सागर में 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

जकार्ता(ईएमएस)। इंडोनेशिया के उत्तरी मोलुक्का सागर में गुरुवार को 7.6 तीव्रता के एक बेहद शक्तिशाली भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण न केवल कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, बल्कि समुद्र में सुनामी की लहरें भी पैदा हो गई हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अब तक मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हो चुकी है। भूकंप का केंद्र फिलीपींस के तट से लगभग 580 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था, जिसके झटके मलेशिया और ताइवान तक महसूस किए गए। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप के बाद तटीय क्षेत्रों में पांच अलग-अलग स्थानों पर सुनामी की लहरें देखी गईं, जिनमें सबसे ऊंची लहर उत्तरी सुलावेसी में 0.75 मीटर दर्ज की गई। मुख्य झटके के बाद 11 आफ्टरशॉक भी महसूस किए गए, जिनमें सबसे तेज झटका 5.5 तीव्रता का था। अधिकारियों ने शुरुआत में लहरों के 3 मीटर तक ऊंचे उठने की आशंका जताई थी, जिसके कारण तटीय इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। मानाडो इलाके में एक खेल प्राधिकरण की इमारत का हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झटके इतने तेज थे कि अलमारियों में रखा सामान गिर गया और कई क्षेत्रों की बिजली कट गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस भूकंप का असर देखा गया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने शुरुआत में इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के लिए खतरनाक सुनामी का अलर्ट जारी किया था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। जापान, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के तटों पर भी मामूली लहरें उठने का अंदेशा जताया गया है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी फिलहाल घरों और चर्चों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कर रही है।

कतर ने पाक को दिया झटका, वीजा ऑन अराइवल सुविधा छीनी, भारतीयों के लिए नियम बरकरार

दोहा(ईएमएस)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी भीषण सैन्य टकराव के बीच पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। खुद को शांतिदूत (पीस ब्रोकर) के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान को पश्चिम एशियाई देश कतर ने बड़ा कूटनीतिक झटका दिया है। कतर सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा ऑन अराइवल (पहुंचने पर मिलने वाला वीजा) की सुविधा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

कतर में स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने एक आधिकारिक एडवाइजरी जारी कर अपने नागरिकों को सचेत किया है कि वर्तमान परिस्थितियों के कारण अब उन्हें बिना पूर्व वीजा के देश में प्रवेश नहीं मिलेगा। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि जो यात्री बिना वैध वीजा के कतर पहुंचेंगे, उन्हें इमिग्रेशन काउंटर पर रोका जा सकता है और उन्हें वापस भेजा जा सकता है। अब सभी पाकिस्तानी नागरिकों को कतर की यात्रा से पहले दूतावास या आधिकारिक केंद्रों से उचित वीजा लेना अनिवार्य होगा। पाकिस्तान की ओर से इस सक्रियता और मध्यस्थता की कोशिशों के बीच कतर का यह कदम उसकी अंतरराष्ट्रीय साख पर एक बड़े प्रहार के रूप में देखा जा रहा है। इसके विपरीत, भारत और कतर के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का असर इस युद्धकाल में भी स्पष्ट नजर आ रहा है। जहां पाकिस्तानियों के लिए नियम कड़े किए गए हैं, वहीं भारतीय नागरिकों के लिए वीजा ऑन अराइवल की सुविधा निर्बाध रूप से जारी है। कतर सरकार ने फरवरी 2026 के अंत में उन सभी यात्रियों के वीजा की अवधि 30 दिनों के लिए स्वतः बढ़ा दी थी जो युद्ध के कारण वहां फंसे हुए थे।

अमेरिका में स्क्रूवर्म की वापसी को लेकर बढ़ी चिंता

मेक्सिको (ईएमएस)। एक बार फिर अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर खतरनाक परजीवी न्यू वर्ल्ड स्क्रूवर्म की वापसी को लेकर चिंता बढ गई है। मेक्सिको के तमाउलिपास और नुएवो लियोन राज्यों में इसके मामले सामने आए हैं, जिससे अमेरिका में अलर्ट बढ़ गया है। यह मक्खी मेक्सिको के रास्ते उत्तर की ओर बढ़ते हुए अब टेक्सास के करीब पहुंच चुकी है। यह परजीवी न केवल पशुओं बल्कि इंसानों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

स्क्रूवर्म का जीवनचक्र बेहद खौफनाक है। यह मक्खी गर्म खून वाले जीवों के खुले घावों या शरीर के छिद्रों में अंडे देती है। एक मादा मक्खी एक बार में 200 से 300 अंडे दे सकती है। इन अंडों से निकलने वाले लार्वा जीवित मांस को खाने लगते हैं, जिससे 'मयाइसिस' नामक गंभीर संक्रमण होता है।

ईरान युद्ध में कूदने को तैयार हुआ यूएई, गोदाम से निकाल लिए हथियार

अबू धाबी,(ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच खाड़ी क्षेत्र की भू-राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में विश्वास जताया है कि यह युद्ध आगामी दो से तीन सप्ताह के भीतर समाप्त हो जाएगा। हालांकि, जमीनी हकीकत और बढ़ते तनाव को देखते हुए यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने और अमेरिका के साथ मिलकर सैन्य कार्रवाई करने पर गंभीरता से विचार शुरू कर दिया है। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, यूएई अब अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ मिलकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रैट ऑफ हॉर्मुज को दोबारा खोलने के लिए एक बड़े सैन्य अभियान की योजना बना रहा है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है, जिसे ईरान के हस्तक्षेप के कारण वर्तमान में भारी खतरों का सामना करना पड़ रहा है। ईरान द्वारा यूएई और अन्य खाड़ी देशों पर लगातार किए जा रहे हमलों ने अबू धाबी को अपनी पुरानी तटस्थता और मध्यस्थता की नीति छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। यदि यूएई इस युद्ध में सक्रिय रूप से उतरता है, तो वह इस संघर्ष में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने वाला पहला खाड़ी देश बन जाएगा। यूएई वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव लाने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि ईरान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई को वैधानिक मंजूरी मिल सके। इसके साथ ही उसने अमेरिका, यूरोप और एशिया के देशों से एक वैश्विक गठबंधन बनाने की अपील की है। हालांकि, कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और चीन जैसे देश सुरक्षा परिषद में इस प्रस्ताव पर वीटो कर सकते हैं। इसके बावजूद, यूएई ने संकेत दिए हैं कि वह संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी के बिना भी सैन्य सहयोग के लिए तैयार है, जिसमें समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाना और रसद सहायता (लॉजिस्टिक सपोर्ट) शामिल है। यूएई ने अमेरिका को यह भी सुझाव दिया है कि वह हॉर्मुज जलडमरूमध्य के उन द्वीपों पर नियंत्रण स्थापित करे, जो सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। इनमें अबू मूसा द्वीप प्रमुख है, जिस पर दशकों से ईरान का कब्जा है लेकिन यूएई उस पर अपना ऐतिहासिक दावा करता रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूएई की मजबूत सैन्य क्षमता, आधुनिक सर्विलांस ड्रोन और जेबेल अली जैसे विशाल बंदरगाह अमेरिका के नेतृत्व वाले इस अभियान में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। नाटो देशों के पीछे हटने के बाद, खाड़ी क्षेत्र से यूएई और बहरीन जैसे देशों का समर्थन राष्ट्रपति ट्रंप के लिए एक बड़ी राहत और सामरिक मजबूती लेकर आया है। यूएई की यह सक्रियता न केवल अमेरिका के सैन्य लक्ष्यों में सहायक होगी, बल्कि इजरायली सेनाओं को आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने में भी मदद कर सकती है।

ईरान युद्ध के बीच नाटो पर भड़के ट्रंप, यूक्रेन की सैन्य मदद रोकने की दी धमकी

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाटो देशों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच सहयोगी देशों के असहयोग से नाराज ट्रंप ने अब कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोपीय देशों पर दबाव बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन को दी जाने वाली हथियारों की सप्लाई रोकने की योजना बना रहे हैं। बीते चार वर्षों से रूस के साथ युद्ध झेल रहा यूक्रेन अब ईरान संकट की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है।

दरअसल, ट्रंप की इस नाराजगी की मुख्य वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना है। ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग के बाद ईरान ने इस प्रमुख जलमार्ग को बाधित कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ट्रंप ने इस रास्ते को बलपूर्वक खुलवाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन फ्रांस, स्पेन और इटली जैसे प्रमुख नाटो देशों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, इन देशों ने अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति देने से भी मना कर दिया है। पश्चिमी देशों को झुकने पर मजबूर करने के लिए ट्रंप अब यूक्रेन कार्ड खेल रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि ट्रंप ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यदि नाटो देश स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अमेरिका का साथ नहीं देते, तो वह यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता पर रोक लगा देंगे। रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यदि ऐसा होता है, तो रूस के खिलाफ यूक्रेन की स्थिति बेहद कमजोर हो जाएगी। ट्रंप ने अपने हालिया बयानों में नाटो की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाए हैं।

ईरान की धमकी कितनी होगी कारगर: एपल, गूगल समेत 18 अमेरिकी दिग्गज कंपनियों को नष्ट करने की दे दी है धमकी

तेहरान,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के पांचवें सप्ताह में प्रवेश करते ही तनाव एक खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ईरान की शक्तिशाली सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने एक सनसनीखेज बयान जारी कर अमेरिका की 18 प्रमुख दिग्गज कंपनियों को सीधे तौर पर निशाना बनाने की धमकी दी है। इस सूची में एपल, गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, टेस्ला, बोइंग और जेपी मॉर्गन जैसे बड़े वैश्विक नाम शामिल हैं। ईरान का आरोप है कि ये कंपनियां अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षमताओं का उपयोग कर अमेरिका और इजरायल को ईरानी नेताओं की जासूसी और टारगेट ट्रैकिंग में मदद कर रही हैं।

आईआरजीसी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ईरानी नेताओं की लक्षित हत्याएं बंद नहीं हुईं, तो इन कंपनियों के क्षेत्रीय कार्यालयों और संपत्तियों को नष्ट कर दिया जाएगा। बयान में एक समय सीमा निर्धारित करते हुए कहा गया है कि संबंधित कंपनियों के कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए तुरंत दफ्तर छोड़ दें, क्योंकि तेहरान समय के अनुसार शाम 8 बजे के बाद किसी भी हत्या के बदले इन यूनिट्स पर हमला किया जा सकता है। यह खतरा विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के लिए बड़ा है, जहां इन कंपनियों के बड़े डेटा सेंटर, शोरूम और सर्विस सेंटर स्थित हैं। अकेले टेस्ला के खाड़ी देशों में मौजूद 30 से अधिक सुपरचार्जर स्टेशन भी इस जद में आ सकते हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईंधन की कमी का सामना कर रहे देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि वे अपनी सुरक्षा खुद करें और अपना तेल खुद हासिल करने की हिम्मत जुटाएं। वहीं, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने आने वाले दिनों को युद्ध के लिए निर्णायक बताया है। उन्होंने संकेत दिया कि कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सैन्य तैनाती की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ईरान की इस नई धमकी ने न केवल युद्ध के दायरे को बढ़ा दिया है, बल्कि अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षेत्र के लिए भी गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

अमेरिका में जन्मजात नागरिकता कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू, कोर्ट में हाजिर होंगे ट्रंप

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता यानी 'बर्थराइट सिटिजनशिप' को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई शुरू हो गई है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी आदेश पर कानूनी विवाद खड़ा हो गया था, जिसके बाद निचली अदालतों ने इस पर रोक लगा दी थी। अब इस मामले में अंतिम निर्णय के लिए सुप्रीम कोर्ट में बहस हो रही है।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि जन्मजात नागरिकता को लेकर संविधान की व्याख्या पर पुनर्विचार की जरूरत है। उनका कहना है कि अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासियों के बच्चों को स्वतः नागरिकता मिलना कानून की मूल भावना के अनुरूप नहीं है। वहीं, विरोधी पक्ष का कहना है कि अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के तहत देश में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति नागरिकता का हकदार है और इसे बदला नहीं जा सकता।

ट्रंप के पूर्व आध्यात्मिक सलाहकार रॉबर्ट मॉरिस यौन शोषण के मामले में जेल से हुए रिहा

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके धार्मिक सलाहकार (रिलिजियस एडवाइजर) रहे रॉबर्ट मॉरिस, एक नाबालिग बच्ची के यौन शोषण के आरोप में छह महीने की जेल की सजा काटने के बाद बाहर आ गए हैं। मॉरिस, जो एक मेगाचर्च के पादरी और प्रसिद्ध टेलीएवेंजेलिस्ट रहे हैं, को 1980 के दशक में एक 12 वर्षीय बच्ची के साथ दुर्व्यवहार करने का दोषी पाया गया था।

रॉबर्ट मॉरिस की पहचान ट्रंप के करीबी आध्यात्मिक सहयोगियों में रही है। साल 2016 में उन्हें ट्रंप के इवेंजेलिकल एग्जीक्यूटिव एडवाइजरी बोर्ड में शामिल किया गया था और उन्होंने 2020 में टेक्सास स्थित अपने गेटवे चर्च में ट्रंप की मेजबानी भी की थी। हालांकि, उनके अतीत के काले कारनामों ने उनके करियर और साख पर गहरा दाग लगा दिया। अदालती कार्यवाही के दौरान यह सामने आया कि जब मॉरिस एक प्रचारक के रूप में काम कर रहे थे, तब उन्होंने एक 12 साल की बच्ची का पांच साल तक यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि क्रिसमस के दिन से शुरू हुआ यह सिलसिला वर्षों तक चला और मॉरिस ने उसे चुप रहने के लिए धमकाया भी था।

ईरानी राष्ट्रपति का अमेरिकी नागरिकों को खुला खत कहा- मनगढ़ंत खतरों से बाहर निकलो

तेहरान (ईएमएस)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष अब दावों और प्रति-दावों के एक नए दौर में पहुंच गया है। इन तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने अमेरिकी नागरिकों के नाम एक भावुक और विस्तृत खुला पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिकी जनता से युद्ध के प्रोपेगैंडा और मनगढ़ंत खतरों के धुंध से बाहर देखने की अपील की है। पेजेश्कियान ने स्पष्ट किया कि ईरान की आम अमेरिकी नागरिकों से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि ईरान को एक वैश्विक खतरे के रूप में पेश करने का नजरिया दरअसल ताकतवर लोगों की राजनीतिक और आर्थिक मनमर्जियों का परिणाम है, न कि वास्तविकता।

ईरानी राष्ट्रपति ने अपने पत्र में जोर देकर कहा कि तेहरान के हालिया कदम आक्रामकता के बजाय आत्मरक्षा पर आधारित रहे हैं। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए दावा किया कि ईरान ने अपने आधुनिक इतिहास में कभी भी विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या वर्चस्व का रास्ता नहीं चुना है और न ही कभी किसी युद्ध की पहल की है। पेजेश्कियान ने अमेरिकी जनता से राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर सत्य, सम्मान और आपसी समझ के आधार पर ईरान के अतीत और वर्तमान को समझने का आग्रह किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पत्र ऐसे समय में आया है जब ट्रंप युद्ध से जल्द बाहर निकलने के संकेत दे रहे हैं और ईरान भी खुद को इस विनाशकारी संघर्ष से सुरक्षित निकालने की कोशिश में दिख रहा है। हालांकि, जमीनी हकीकत अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है, क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। फिलहाल, वैश्विक नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह पत्र और ट्रंप के दावे किसी वास्तविक शांति वार्ता का आधार बन पाएंगे या नहीं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा है कि ईरान के वर्तमान शासन ने युद्ध रोकने (सीजफायर) की अपील की है। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस दावे को झूठा और बेबुनियाद करार देते हुए खारिज कर दिया। इस कूटनीतिक खींचतान के बीच, इजराइली अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि यदि युद्ध औपचारिक रूप से रुक भी जाता है, तो भी इजराइल ईरान के भीतर अपने रणनीतिक हमले जारी रख सकता है।

उत्तर कोरियाई हैकर्स ने यूएस कंपनियों पर किया साइबर हमला, सप्लाई-चेन में सेंधमारी से हड़कंप

वाशिंगटन(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच जारी टकराव के बीच, पूर्वी एशिया से आए एक बड़े साइबर हमले ने अमेरिकी कॉरपोरेट जगत की नींद उड़ा दी है। उत्तर कोरिया के हैकर्स द्वारा किए गए एक घातक सप्लाई-चेन अटैक ने हजारों कंपनियों की डिजिटल सुरक्षा को भेद दिया है, जिससे अमेरिकी प्रशासन के सामने एक नई और गंभीर सुरक्षा चुनौती खड़ी हो गई है। जानकारी के अनुसार, उत्तर कोरिया से जुड़े कुख्यात हैकिंग समूहों ने एक लोकप्रिय ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर के डेवलपर अकाउंट में सेंध लगाकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह हमला करीब तीन घंटे तक चला, जिसके दौरान हैकर्स सॉफ्टवेयर के मूल कोड में अपना दुर्भावनापूर्ण (मैलीशियस) कोड डालने में सफल रहे।

चूंकि इस सॉफ्टवेयर का उपयोग हेल्थकेयर, फाइनेंस और क्रिप्टोकरेंसी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की दिग्गज कंपनियां करती हैं, इसलिए जैसे ही इन कंपनियों ने सॉफ्टवेयर अपडेट किया, हैकर्स को उनके संवेदनशील सिस्टम तक सीधी पहुंच मिल गई। साइबर विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले का प्राथमिक उद्देश्य बड़े पैमाने पर क्रिप्टोकरेंसी की चोरी करना है। ऐसी प्रबल आशंका जताई जा रही है कि इस डिजिटल लूट से जुटाए गए धन का उपयोग उत्तर कोरिया अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों की फंडिंग के लिए कर सकता है। पूर्व में भी ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं जहाँ प्योंगयांग ने वैश्विक प्रतिबंधों के बीच धन जुटाने के लिए साइबर हमलों को हथियार बनाया है।

ऑस्ट्रेलिया में नियम तोड़ने वाले प्लेटफॉर्म्स की जांच शुरू

कैनबरा (ईएमएस)। 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ऑस्ट्रेलिया में लागू किए गए सोशल मीडिया प्रतिबंध के नियमों का पालन नहीं करने वाले पांच बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। दिसंबर में लागू किए गए इन नियमों के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे उनके प्लेटफॉर्म तक पहुंच न बना सकें। यदि कोई कंपनी इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाती है, तो उस पर 4.95 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कुछ प्लेटफॉर्म उम्र सत्यापन की प्रक्रिया को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं और बच्चों को आसानी से उम्र सीमा पार करने के विकल्प दे रहे हैं। साथ ही, उम्र-सीमित खातों की रिपोर्टिंग के लिए भी प्रभावी व्यवस्था नहीं दी गई है। सरकार ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देश की संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि जो कंपनियां व्यवस्थित रूप से अपनी कानूनी जिम्मेदारियों को निभाने में विफल रही हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऑस्ट्रेलिया में कारोबार करने वाली सभी कंपनियों को स्थानीय कानूनों का पालन करना ही होगा। ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने भी संकेत दिए हैं कि अब यह नीति लागू करने के निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है और आने वाले समय में निगरानी और कड़ी की जाएगी। सरकार ने संबंधित प्लेटफॉर्म्स को संभावित उल्लंघनों के बारे में सूचित कर दिया है और जांच प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस सख्ती का असर भी तेजी से देखने को मिला है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, प्रतिबंध लागू होने के बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चों के करीब 47 लाख सोशल मीडिया अकाउंट्स को बंद या निष्क्रिय कर दिया गया है। यह कदम बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने और डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं

ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको (ईएमएस)। इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी।

इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।

यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया।

विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

ग्रुप एः मेक्सिको, चेक गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया।

ग्रुप बीः कनाडा, बोस्निया और हर्जेगोविना, कतर, स्विट्जरलैंड।

ग्रुप सीः ब्राजील, हैती, मोरक्को, स्कॉटलैंड।

ग्रुप डीः संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पैराग्वे, तुर्की।

ग्रुप ईः कुराकाओ, इक्वाडोर, जर्मनी, आइवरी कोस्ट।

ग्रुप एफः नीदरलैंड, जापान, स्वीडन, ट्यूनीशिया।

ग्रुप जीः बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।

ग्रुप एचः केप वर्डे, सऊदी अरब, स्पेन, उरुग्वे।

ग्रुप आईः फ्रांस, नॉर्वे, सेनेगल, ईराक।

ग्रुप जेः अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन।

ग्रुप केः कोलंबिया, जमैका, पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान।

ग्रुप एलः क्रोएशिया, इंग्लैंड, घाना, पनामा।

फीफा ने विश्वकप फाइनल के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ायीं

विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल के लिए सभी श्रेणी के टिकटों की कीमतें काफी बढ़ा दी हैं। अब खिताबी मुकाबला देखने के लिए दर्शकों को 10,990 अमेरिकी डॉलर में टिकट खरीदना होगा, भारतीय रुपये में ये रकम करीब 10 लाख 23 हजार है । वहीं इससे पहले दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 डॉलर ही थी। इस प्रकार कीमतों करीब दो हजार डॉलर तक बढ़ायी गयी है।

इस प्रकार देखा जाये तो फाइनल की टिकटों की कीमतें अन्य मैचों से काफी अधिक बढ़ा दी गयी हैं। इस कारण मांग अधिक होना बताय जा रहा है। अब न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच के लिए फीफा के श्रेणी दो के टिकटों की कीमत 7,380 डॉलर कर दी गई है, जो पहले 5,575 डॉलर थी। वहीं इसी तरह से श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत 5,785 डॉलर कर दी गई है जो पहले की कीमत से 4,185 डॉलर अधिक है। वहीं बुधवार रात तक ग्रुप चरण के 72 मैचों में से 17 मैचों के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध थे, जबकि नॉकआउट चरण के किसी भी मैच के टिकट बिक्री के लिए अभी उपलब्ध नहीं हैं। वहीं टिकट की कीमतें बढ़ाये जाने का विरोध भी हो रहा है। आलोचकों का मानना है कि कमतें इतना ज्यादा बढ़ाना ठीक नहीं है।

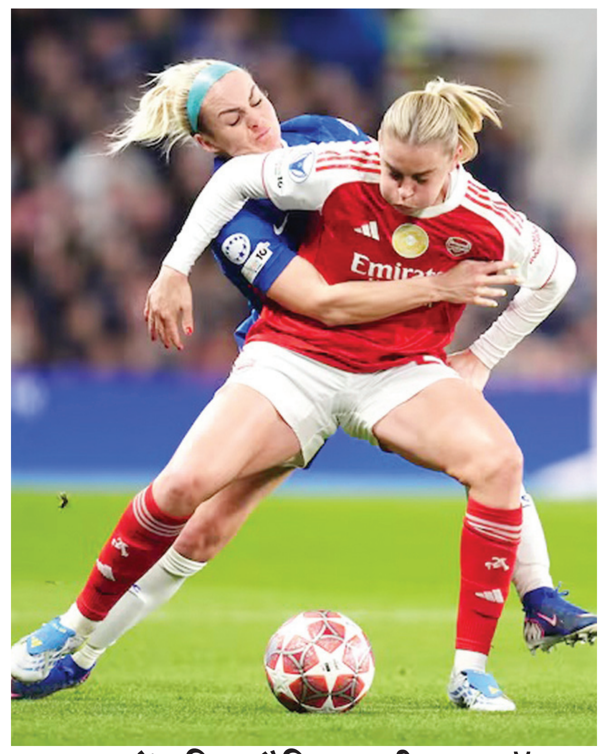

लंदन में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल मुकाबले में आर्सेनल की एलेसिया रुसो गेंद हासिल करने का प्रयास करती हुई।

चीन के मकाओ में आईटीटीएफ पुरुष व महिला विश्वकप के दौरान खेलती हुई जापान की हिरीमाटो मिवा।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पांच में पहुंचे समीर रिजवी, रिकेल्टन शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (ईमएस)। आईपीएल के 19 सत्र में अब तक सभी 10 टीमों ने एक-एक मैच खेल लिया है। जहां राजस्थान रॉयल्स, रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स ने अपने-अपने मुकाबले जीते हैं। वहीं गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को हार मिली है। है। इसी दौरान अपने प्रदर्शन से कुछ खिलाड़ी सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में भ्री शामिल हो गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी भी सुपरजायंट्स के खिलाफ मुकाबले में 70 रन बनाकर शीर्ष पांच में शामिल हो गये हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन अब तक सबसे अधिक 81 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं।

मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 78 रन बनाकर तीसरे जबकि पंजाब किंग्स के कूपर कोलोनी 72 रन बनाकर चौथे नंबर पर है।

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।'

पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ (ईएमएस)। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे। आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं। वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।' वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

ऋषभ बोले, हमारे बल्लेबाज साझेदारी नहीं बना सके, गेंदबाजों का किया बचाव

लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहले ही मैच में मिली 6 विकेट की हार पर निराशा जतायी है। ऋषभ ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम का स्कोर पर्याप्त नहीं था, इसलिए गेंदबाज मैच का बचाव नहीं कर पाये। ऋषभ के अनुसार उनके बल्लेबाज साझेदारी नहीं बना पाये जिससे टीम एक अच्छा स्कोर नहीं बना पायी। ऋषभ ने कहा है कि हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में आयुष बडोनी को निकोलस पूरन से पहले भेजने के सवाल पर कहा कि मुझे लगता है कि विचार बहुत सरल था। जैसे कि वह बीच के ओवरों में तेजी से रन बनायेंगे। वह अब शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं क्योंकि मैं ऊपर बल्लेबाजी कर रहा हूं। और यही कारण है कि हम शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के और दाएं हाथ के बल्लेबाज के विकल्प को आजमाना चाहते थे ताकि वे बाएं हाथ के स्पिनर से गेंदबाजी ना करवा सकें। साथ ही कहा कि बदकिस्मती से मैं गलत समय पर आउट हो गया। वरना, अक्षर पटेल को अभी भी गेंदबाजी करनी थी। पावर प्ले में एक ओवर और इससे हमें उन पर बढ़त मिल गई। यह खेल का एक हिस्सा है और यही वह भूमिका है जो हम बडोनी के लिए तय कर रहे हैं, कठिन हालातों में एक के बाद एक विकेट खोने से हमारी परेशानी बढ़ी। वहीं अपने रन आउट बात करते हुए कप्तान ने कहा कि इससे उबरने का सबसे अच्छा तरीका है इसे नजरअंदाज करना। मुझे लगता है कि आगे बढ़ने का यही सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि आप जानते हैं कि ऐसी चीजों पर आपका कोई नियंत्रण नहीं होता, वहीं इसके बारे में सोचने से आप दबाव में आ जाते हैं। वहीं गेंदबाजी आक्रमण पर कहा कि जब आप 140 रन बनाते हैं तो आप विकेट अच्छा होने पर विरोधी टीम पर दबाव नहीं डाल सकते है। एक सकारात्मक बात यह है कि लड़कों ने कड़ी मेहनत की, जिस तरह से हमने गेंदबाजी की खासकर जिस तरह से हमने शुरुआत की निश्चित रूप से आगे के सत्र के लिए सकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने 20 अतिरिक्त रन देने पर अपनी बात रखते हुए कहा देखिए, निश्चित रूप से अतिरिक्त रन स्वीकार नहीं किये जा सकते पर साथ ही आप जानते हैं जब इस तरह की विकेट होती है, तो आप बहुत ज्यादा कोशिश कर रहे होते हैं, खासकर 140 जैसे स्कोर पर जहां आपको उन्हें आउट करना ही होता है, ऐसे में कहीं न कहीं गलती से ऐसे रन जाते हैं।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया।

इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं।डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

पूर्व महिला खिलाड़ियों को 12,500 रुपये मासिक पेंशन

इंदौर(ईएमएस)। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) ने राज्य की पूर्व महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए ऐतिहासिक पेंशन योजना को मंजूरी दी है। इस निर्णय के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी महिला खिलाड़ियों को हर महीने 12,500 रुपये पेंशन दी जाएगी। वहीं घरेलू क्रिकेट खेलने वाली खिलाड़ियों को मैचों के आधार पर 6,000 से 10,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाएगी। खास बात यह है कि बीसीसीआई द्वारा महिला क्रिकेट को वर्ष 2006 में अपने दायरे में लेने से पहले खेले गए मैचों को भी पेंशन की गणना में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा 75 वर्ष की आयु पूरी करने पर खिलाड़ियों को 7,500 रुपये अतिरिक्त राशि देने का प्रावधान किया गया है। एमपीसीए अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर ने बताया कि यह योजना महिला क्रिकेटरों के योगदान को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही अंपायरों और स्कोररों के मानदेय में भी बढ़ोतरी की गई है।

वरुण के बचाव में उतरे मुख्य कोच अभिषेक नायर

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के फॉर्म को लेकर वह परेशान नहीं है। कोच के अनुसार वरुण एक शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं जो जानते हैं कि इस प्रकार के हालातों से कैसे बाहर निकला जाये। वरुण इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। नायर का कहना है कि वरुण मानसिक रूप से मजबूत है और इस कठिन समय से भी निकल जाएंगे। पने करियर के एक और मुश्किल दौर से उबरने में सक्षम है। नायर ने कहा, पिछले कुछ साल में उसे कई बार परेशानियों मुश्किलों का सामना करना पड़ा है पर वह हमेशा ही बेहतर होकर निकला है। सहयोगी स्टाफ के तौर पर हम उसका समर्थन करते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या है। उन्होंने कहा, दूसरी टीमें उसके खिलाफ अच्छा खेल रही हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वह वापसी नहीं कर सकता। उसे पहले भी इस प्राकर के हालातों का सामना करना पड़ा था। नायर ने कहा, और हम कोशिश कर रहे हैं, हम उम्मीद कर रहे हैं और हर तरह से उसका समर्थन कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर के प्रशंसक भी ऐसा ही करेंगे। चाहे यह मैच हो या भविष्य में कोई और मैच, यह तय है कि वह वापसी करेगा जैसा उसने पहले भी किया है। इस स्पिनर के लिए इससे पहले टी20 विश्व कप भी कुछ खास नहीं रहा था। 14 विकेट उसे मिले पर उसने रन भी काफी दिये थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में इस गेंदबाज ने 47 रन दिये थे। आईपीएल के पहले ही मैच में मुंबई इंडियन्स के रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने उनकी गेंदों पर काफी रन बनाये थे।

फरहान ने पीएसएल में शतक के साथ ही विराट के एक रिकार्ड की बराबरी की

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने पाक सुपर लीग (पीएसएल) में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकार्ड बना दिया है। मुल्तान सुल्तान की ओर से खेलते हुए फरहान ने हैदराबाद किंग्समैन के खिलाफ शानदार शतक लगाया है। फरहान ने किंग्समैन से मिले 226 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए 57 गेंदों पर 7 चौकों और 8 छक्कों की सहायता से नाबाद 106 रन बनाये। इससे जहां मुल्तान सुल्तान की टीम ने जीत दर्ज की। वहीं फरहान ने टी20 प्रारुप में 9 शतक लगाने के भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब वह टी20 में सबसे अधिक शतक लगाने के मामले में संयुक्त रुप से चौथे स्थान पर आ गये हैं।

टी20 में सबसे ज्यादा 22 शतक का विश्व रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है। गेल ने अपने टी20 करियर में कई लीग में भाग लिया है। वहीं दूसरे पर पाकिस्तान के बाबर आजम हैं, जिनके नाम 11 शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 10 शतकों के साथ इस सूची में तीसरे जबकि विराट 9 के साथ ही चौथे स्थान पर हैं।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई (ईएमएस)। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्ली राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बताया

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था।

जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा।

सोने में आज 3,263, चांदी में 13 हजार गिरावट:ईरान जंग से 34 दिन में सोना 16 हजार सस्ता, चांदी 42 हजार नीचे आई

नई दिल्ली. अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5,346 रुपए घटकर 1.46 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले बुधवार को यह 1.51 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी 15,176 रुपए घटकर 2.25 लाख रुपए रह गई, जो 25 मार्च को 2.40 लाख रुपए पर थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 34 दिन में 13,590 और चांदी 42,040 सस्ती हुई है।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।
खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।
लोकल ज्वेलर्स एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलर्स एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।
पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

सोना ऑल टाइम हाई से 31 हजार सस्ता हुआ

साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है।
शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख
मौजूदा स्थिति: अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 31 हजार सस्ता हो चुका है।
चांदी में क्रैश: 3.86 लाख से 2.25 लाख तक
चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है।
शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 2.30 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 3.86 लाख
गिरावट का आंकड़ा: पिछले 63 दिन में चांदी 1.61 लाख सस्ती हो गई है।

गिरावट के मुख्य कारण: कैश पर भरोसा बढ़ा

आमतौर पर जंग के माहौल में सोने-चांदी के दाम बढ़ते हैं, लेकिन इस बार स्थिति अलग है
कैश की बचत: मिडिल ईस्ट जंग में निवेशक जोखिम से बचते हुए गोल्ड-सिल्वर बेचकर कैश इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि अनिश्चितता में लिक्विडिटी बनी रहे।
प्रॉफिट बुकिंग: जनवरी में रिकॉर्ड कीमतों पर बड़े निवेशकों ने होल्डिंग बेची, जिससे सप्लाई बढ़ी और कीमतें गिरीं।
ब्याज दरों का असर: अमेरिका के फेडरल रिजर्व के सख्त रुख से कीमती धातुओं की चमक फीकी हुई है।
कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना-चांदी के दाम में आगे भी ये गिरावट जारी रह सकती है। ऐसे में निवेशकों को अभी सोने-चांदी में निवेश से बचना चाहिए।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

रुपया बढ़त के साथ खुला

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले 151 पैसे मजबूत हुआ। रुपया अपने सबसे निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.19 पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डॉलर के मुकाबले रुपए में तेज गिरावट के बीच बुधवार को अधिकृत डीलरों के लिए कई नए कदमों की घोषणा की जिसके बाद से ही रुपया संभला है।आरबीआई ने निर्देश दिया है कि अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी एवं अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे।
हालांकि, अधिकृत डीलर बैंकों को डिलीवेरेबल विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध पेश करने की अनुमति जारी रहेगी, जिससे ग्राहकों को जोखिम से बचाव मिल सके। इसके साथ ही शर्त यह है कि ग्राहक इसके समानांतर नॉन-डिलीवेरेबल सौदे नहीं कर सकेंगे। इससे पहले, आरबीआई ने अधिकृत डीलर बैंकों के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में रुपए की नेट ओपन पोजीशन (विदेशी मुद्रा में कुल खरीद एवं बिक्री के बीच का अंतर) पर 10 करोड़ डॉलर की सीमा भी तय की थी।
वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, मजबूत होते डॉलर और अस्थिर भू-राजनीतिक हालात के बीच बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव अब भी बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.62 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों में तेजी से बढ़कर 93.19 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 151 पैसे या 1.6 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को कारोबार के दौरान पहली बार 95 के स्तर के पार चला गया था। हालांकि अंत में थोड़ा संभलता हुआ 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। महावीर जयंती के अवकाश के उपलक्ष्य में मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे।

सरकार ने दी टेक्सटाइल सेक्टर को राहत, एक्सपोर्ट पर लगने वाले टैक्स होते रहेंगे वापस

-भारत का टेक्सटाइल उद्योग काफी हद तक छोटे और मध्यम उद्यमों पर निर्भर है

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकार ने टेक्सटाइल सेक्टर को राहत देते हुए रोएससीटीएल स्कीम को 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दिया है। यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है और भारतीय एक्सपोर्टर्स लागत के दबाव से जूझ रहे हैं। इस स्कीम के जारी रहने से गारमेंट और होम टेक्सटाइल सेक्टर को राहत मिलेगी और एक्सपोर्ट को सपोर्ट मिलेगा। एक ऐसी स्कीम है, जिसके तहत एक्सपोर्ट किए जाने वाले कपड़ों और टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स पर लगे कई तरह के टैक्स और लेवी को सरकार वापस कर देती है। बता दें जब कोई कंपनी गारमेंट या होम टेक्सटाइल तैयार करती है, तो उस प्रक्रिया में बिजली, ट्रांसपोर्ट, स्टेट टैक्स और अन्य कई लागतें जुड़ती हैं, जो सीधे नजर नहीं आतीं लेकिन प्रोडक्ट की कीमत बढ़ा देती हैं। इस स्कीम के जरिए इन्हीं छिपे हुए टैक्स का रिफंड मिलता है, जिससे एक्सपोर्ट की कुल लागत कम हो जाती है और भारतीय उत्पाद विदेशों में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनते हैं। इस स्कीम का सबसे बड़ा फायदा एक्सपोर्टर्स को सीधे तौर पर मिलता है, क्योंकि उन्हें 2 फीसदी से लेकर करीब 4.5 फीसदी तक का अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। यह फायदा उनके प्रॉफिट मार्जिन को बेहतर बनाता है। खासतौर पर ऐसे समय में जब बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे देश अपने एक्सपोर्टर्स को मजबूत सपोर्ट दे रहे हैं, भारत के लिए इस तरह की स्कीम बेहद अहम हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत का टेक्सटाइल उद्योग काफी हद तक छोटे और मध्यम उद्यमों पर निर्भर है, जिनके पास लागत झेलने की सीमित क्षमता होती है। टैक्स रिफंड मिलने से इन कंपनियों का खर्च कम होता है और वे अपने प्रोडक्ट्स को बेहतर कीमत पर बेच पाते हैं। इससे न सिर्फ उनका कारोबार टिकाऊ बनता है, बल्कि नए ऑर्डर मिलने की संभावना भी बढ़ती है। जब एक्सपोर्ट बढ़ता है तो उत्पादन भी बढ़ता है और उत्पादन बढ़ने का मतलब है ज्यादा काम और ज्यादा नौकरियां। गारमेंट सेक्टर में बड़ी संख्या में लोग कटर, सिलाई, फिनिशिंग और पैकेजिंग जैसे कामों में लगे होते हैं, ऐसे में इस स्कीम के जारी रहने से इन सभी स्तरों पर रोजगार को सहारा मिल सकता है। भारत को बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिलती है। ऐसे में टैक्स रिफंड जैसी स्कीम भारतीय एक्सपोर्टर्स को लागत के मामले में राहत देती है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत बना सकते हैं।

तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई के खतरा को देख चीनी बैंक हुआ सतर्क

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चीन के केंद्रीय बैंक ने ऐसा कदम उठाया है जिसने दुनिया भर के बाजारों का ध्यान खींचा है। करीब एक साल तक लगातार बाजार में पैसा डालने के बाद पहली बार बैंक ने उल्टा रास्ता अपनाते हुए सिस्टम से पैसा वापस खींच लिया है। मार्च महीने में बैंक ने कुल मिलाकर करीब 1140 अरब युआन की तरलता (कैश) बाहर निकाल ली। यह कदम अचानक उठाया गया, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी रणनीति है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय तक चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से जूझ रही थी, इसलिए सरकार और केंद्रीय बैंक मिलकर बाजार में पैसा डाल रहे थे ताकि कारोबार को सहारा मिले, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। साल की शुरुआत में ही अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी है। इसी बीच ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि अब बैंक सतर्क हो गया है और बिना जरूरत ज्यादा पैसा डालने से बच रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बताता है कि चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल बाजार को "पैसों से भरने" के मूड में नहीं है। बैंक यह संकेत देना चाहता है कि सिस्टम में पहले से ही पर्याप्त पैसा मौजूद है और अभी अतिरिक्त मदद की जरूरत नहीं यानी बैंक अपनी ताकत बचाकर रखना चाहता है ताकि भविष्य में अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह तुरंत कदम उठा सके।

पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे। बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

मार्च में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री 4,50,000 वाहन रही

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मार्च में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री 4,50,000 वाहन रही। इसमें पिछले साल के मुकाबले 16.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सितंबर में जीएसटी दरों में कटौती के बाद मांग में आई तेजी ने उद्योग को पश्चिम एशिया के मौजूदा संघर्ष से पैदा हुई चिंताओं को झटकने में मदद की है। यात्री वाहन उद्योग की कुल थोक बिक्री यानी डीलरों को भेजी गई गाड़ियां वित्त वर्ष 2025 की 43.4 लाख वाहनों से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 47 लाख वाहन हो गई। यह पिछले साल के मुकाबले 8.3 फीसदी ज्यादा है। यह इजाफा वित्त वर्ष की दूसरे छमाही में दर्ज मजबूत सुधार की बदौलत हुआ है। बाजार की दिग्गज कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने मार्च 2026 में 1,66,219 वाहनों की थोक बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल के मुकाबले 10.3 फीसदी ज्यादा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ कार्याधिकारी ने कहा कि मिडिल ईस्ट में संघर्ष शुरू होने से पहले ही यानी दिसंबर से ही कमोडिटी की कीमतें बढ़ रही थीं और इस लागत का बोझ अब तक कंपनी ने खुद ही उठाया है, ताकि लोग दोपहिया वाहनों को छेड़कर यात्री वाहनों की ओर शिफ्ट हो सकें, लेकिन उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की लड़ाई के बाद उत्पादन लागत का दबाव बढ़ गया है। इससे कंपनी को अब कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में छोटी कारों की मांग में तेजी से उछाल आया। इस दौरान करीब 1,75,000 गाड़ियां बिक्रीं, जो पिछले साल के मुकाबले 12 फीसदी ज्यादा है, लेकिन उत्पादन में दिक्कतों की वजह से बिक्री ज्यादा नहीं बढ़ पाई और डीलरों के पास स्टॉक घटकर लगभग 12 दिन का रह गया है।

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

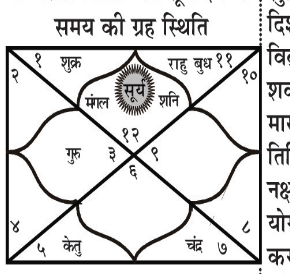

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.28 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.08 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	10.06 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.20 बजे से
गुरू	मिथुन में	सिंह	14.36 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.48 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.58 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.13 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.29 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मकर	01.34 बजे से
		कुंभ	03.21 बजे से
		मीन	04.54 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 93 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 08.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 19.25 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 14.09 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.43 बजे तदनन्तर तैतिल 21.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872668
जूलियन दिन 2461133.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 14

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8685

बाएँ से दाएँ
1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सद्पुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे
1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक -3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8684 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 8226

■	26	15	25	■	25	14	15	19	■
16	7		6	■	5		4		23
14		7		■		7		3	23
17	8		7	■	4		6		19
26		3		2		■	■	■	■
■	■	■	■		3		5		24
16		5		3	■	7		8	23
23	5		6		■		8		21
21		5		7	■	3		7	12
■	10	18	18	18	■	24	23	28	■

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 8225 का हल

■	16	20	25	■	19	21	16	17	■
13	2	5	6	■	4	7	8	8	27
18	5	4	9	■	2	7	5	8	22
15	7	5	3	■	2	7	3	4	16
27	2	6	7	9	3	■	■	■	■
■	■	■	■	7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7	■	6	4	5	15
23	5	8	6	4	■	6	8	7	21
21	3	5	6	7	■	3	2	7	12
■	16	18	18	34	■	24	16	22	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 7170

	7	2				1
3	33	1	25	6	28	
		5			2	7
1	32		35	4	32	
2		7		5		3
	33	3	33		41	
6			1	2		5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 7169 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	36	6	32	2	27	1
5	2	7	4	1	6	3
4	33	4	32	4	31	4
1	7	3	4	5	6	2
7	34	2	29	6	39	7
2	7	5	1	3	4	6

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6530

26		20		70		10	=	86
	■		■		■		■	
86		1		20		25	=	42
	■		■		■		■	
72		4		9		62	=	100
	■		■		■		■	
5		20		50		10	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
8		4		9		87	=	8 / 90

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत
खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6529

50	÷	2	-	5	+	10	=	30
-	■	+	■	x	■	x	■	-
30	-	10	x	2	÷	8	=	5
+	■	+	■	+	■	-	■	+
21	+	45	-	20	+	25	=	21
-	■	-	■	÷	■	-	■	-
3	x	30	÷	2	-	10	=	35
=	■	=	■	=	■	=	■	=
38	-	27	+	15	+	45	=	11 / 71

शब्दजाल- 8217

म	अ	मु	श	सी	ते	ग	ब	हा	दु	र
रा	अ	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	अं
य	म	र्जु	हे	रा	दी	ना	न	व	ग	रु
इं	र	ब	न	म	वा	स	क	त	ज	प
प	दा	ह	प्या	दा	तो	हो	दे	गो	र	त
ह	स	क	प	स	स	व	व	ण	गो	व
द	र	न	न	ट्रे	रु	ह	र	गो	विं	द
क	र	रा	प	क्श	प	का	र	चो	द	ख
र	व	त	य	रा	हो	प	य	अ	सिं	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'सिखों' के 10 गुरुओं के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नानक देव, अंगद देव, अमरदास, रामदास, अर्जुनदास, हरगोविंद, हरराय, हरिकिशन, तेग बहादुर, गोविन्द सिहं

शब्दजाल - 8216 का हल

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	स्त्र	वै	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	ची	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ट
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	ज	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1512 तुर्की के सुल्तान बेयाजिद द्वितीय ने अपने बेटे सलीम प्रथम के लिए गद्दी छोड़ी.
1559 फ्रांस और स्पेन के बीच शांति संधी हुई.
1680 शिवाजी का निधन रायगढ़ किले में हुआ.
1693 स्वीडन नरेश चार्ल्स 12वें ने स्वयं को सर्वशक्तिमान घोषित किया.
1783 अमेरिकी लेखक वाशिंग्टन इविंग का जन्म.
1857 विक्टोरिया भारत की महारानी घोषित की गई.
1914 भारतीय सेना के प्रथम फील्ड मार्शल एस. एच. एफ. जे. मानेकशा का जन्म हुआ.
1941 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश फौजों ने लोबियाई बंदरगाह बेनगाजी खाली किया.
1948 अमेरिका ने यूरोप के सोलह देशों को सहायता के लिए 5.33 अरब डालर की मंजूरी दी.
1966 भारत के प्रथम कम्प्यूटर ने काम शुरू किया.
1979 पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को देर रात फांसी दे दी गई.

खराब प्रदर्शन वाले बैंकों में नहीं रखा जाएगा सरकारी पैसा- वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

पलामूः झारखंड के पलामू समाहरणालय सभागार में गुरुवार को आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बैंकों के प्रदर्शन को लेकर सख्त रुख अपनाया. पलामू डीसी समीरा एस की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, अग्रणी जिला प्रबंधक और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे. बैठक में सरकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई.

साख जमा अनुपात पर नाराजगी

बैठक के दौरान साख जमा अनुपात (सीडी रेशियो), कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और एनआरएलएम जैसी योजनाओं की समीक्षा की गई. वित्त मंत्री ने पाया कि बैंकों का प्रदर्शन लक्ष्य के अनुरूप नहीं है, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई.

सरकारी धन रखने पर सख्ती, खराब बैंकों को चेतावनी

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने स्पष्ट कहा कि जिन बैंकों का प्रदर्शन खराब रहेगा, उनमें सरकारी राशि जमा नहीं की जाएगी. उन्होंने कहा कि पलामू जैसे पिछड़े जिले में बैंकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां किसानों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की जरूरत है.

जमा-ऋण के बीच बड़ा अंतर, 40.73% ही लोन वितरण

मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि पलामू के बैंकों में कुल 12,345 करोड़ 25 लाख रुपये जमा हैं, जबकि इसके मुकाबले केवल 4,213 करोड़ 66 लाख रुपये यानी 40.73% ही ऋण के रूप में वितरित किए गए हैं. इस असंतुलन को लेकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और सुधार के निर्देश दिए.

कृषि क्षेत्र में गिरती प्रगति पर चिंता

कृषि ऋण के क्षेत्र में भी प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया गया. वित्तीय वर्ष 2025-26 के नौ महीने बीतने के बावजूद कुल उपलब्धि केवल 30.14% रही, जबकि दिसंबर तिमाही में यह मात्र 6.9% रही. कृषि ऋण लेने वाले लाभुकों की संख्या भी 39 हजार से घटकर 35,260 हो गई, जिसे मंत्री ने गंभीर चिंता का विषय बताया.

केसीसी और पीएमईजीपी योजनाओं की धीमी रफ्तार

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत लक्ष्य के मुकाबले केवल 225 की उपलब्धि दर्ज की गई, जो बेहद कम है. वहीं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत पूरे जिले में केवल पांच लाभुकों को ऋण दिया गया. मंत्री ने इन योजनाओं में तेजी लाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया.

एनपीए बढ़ने पर चिंता, वसूली पर भी जोर

बैठक में सरकारी योजनाओं के तहत बढ़ते एनपीए (नन-परफॉर्मिंग असेट्स) पर भी चिंता जताई गई. वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों को सिर्फ ऋण वितरण ही नहीं, बल्कि उसकी वसूली पर भी बराबर ध्यान देना चाहिए. इससे बैंकिंग प्रणाली मजबूत होगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी.

नए बैंक ब्रांच खोलने की मंजूरी

बैठक में जिले के नौ स्थानों पर नए बैंक शाखा खोलने की स्वीकृति दी गई. इनमें हुसैनाबाद के दंगवार में यूको बैंक, मनातू के चक में एसबीआई, डालटनगंज में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, हुसैनाबाद में आईडीबीआई बैंक, नौडीहा बाजार में यूनियन बैंक, पांकी के कसमार में जेआरजीबी, लोहरसी में यूको बैंक और छत्तरपुर के खजूरी नौडीहा में आईडीबीआई बैंक शामिल हैं.

संक्षिप्त खबरें...

सीसीएल में "नारी शक्ति–देश भक्ति" का संदेश लेकर पहुंचीं आशा मालवीय, युवाओं को किया प्रेरित

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में एडवेंचर साइक्लिस्ट, एथलीट एवं पर्वतारोही सुश्री आशा मालवीय का स्वागत किया गया। वह "नारी शक्ति–देश भक्ति" का संदेश लेकर 11 जनवरी 2026 को जयपुर से प्रारंभ हुई अपनी 7800 किलोमीटर लंबी एकल साइकिल यात्रा पर हैं, जिसका समापन अरुणाचल प्रदेश के किबिथू में प्रस्तावित है। सीसीएल प्रबंधन की ओर से निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार ने उनका स्वागत किया। मध्यप्रदेश के रायगढ़ जिले की निवासी सुश्री आशा मालवीय का जीवन संघर्ष और प्रेरणा का अद्वितीय उदाहरण है। उनकी माता का नाम श्रीमती राजू बाई है तथा उनके पिता का देहांत तब हो गया था जब वह मात्र 2 वर्ष की थीं। विषम परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपने दृढ़ संकल्प एवं मेहनत के बल पर एक अग्रणी एथलीट के रूप में पहचान बनाई। इस अवसर पर सुश्री आशा मालवीय ने वर्ष 2023 में अपने पूर्व अभियान के दौरान सीसीएल द्वारा प्रदान किए गए सहयोग, विशेषकर साइकिल उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया। सीसीएल सदैव समाज में सकारात्मक संदेशों के प्रसार एवं युवाओं को प्रेरित करने वाली पहलों को प्रोत्साहित करता रहा है। इसी क्रम में, सुश्री आशा मालवीय के सम्मान में जेएसएसपीएस, खेलगांव (होटवार) परिसर में एक प्रेरणात्मक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट्स तथा "सीसीएल के लाल एवं सीसीएल की लाड़ली" के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को दृढ़ संकल्प, अनुशासन एवं फिटनेस के महत्व के बारे में बताया। उल्लेखनीय है कि सुश्री आशा मालवीय अब तक विभिन्न अभियानों के माध्यम से 64,000 किलोमीटर से अधिक की साइकिल यात्रा पूरी कर चुकी हैं। वह एक प्रख्यात पर्वतारोही होने के साथ-साथ 100 मीटर एवं 200 मीटर स्प्रिंट में राष्ट्रीय स्तर की एथलीट भी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उनकी उपलब्धियां आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। सीसीएल भविष्य में भी इस प्रकार की प्रेरणादायक पहलों के प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को बढ़ावा मिले।

लोयो बांध के पास हादसा, चार गंभीर घायल; इलाज में लापरवाही का आरोप

मांडरः बेड़ो मार्ग पर गुरुवार दोपहर लोयो बांध के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में 55 वर्षीय सिकंदर खान की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सभी लोग ऑटो से यात्रा कर रहे थे, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

मानगो में फलाह इंग्लिश स्कूल का भव्य उद्घाटन किया गया

जमशेदपुर । मानगो में फलाह इंग्लिश स्कूल का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिससे इस क्षेत्र में एक नए शैक्षणिक संस्थान की शुरुआत हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों, छात्रों और स्थानीय निवासियों सहित लगभग 100 लोग उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ सूरह अल-फातिहा के पाठ और उसके बाद पवित्र कुरान की आयतों के पाठ के साथ हुआ। इस अवसर पर केरला पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर के निदेशक शरत चंद्रन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में पीपुल्स फोरम जमशेदपुर के संयोजक मजहर; आज़ाद रिपोर्टर न्यूज़ चैनल के निदेशक अंसार; वर्कर्स कॉलेज, मानगो के प्रोफेसर जावेद अख्तर अंसारी और झारखंड के अखिल भारतीय आदर्श शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष; जेएमएम के पूर्व जिला संयुक्त सचिव फैयाज अहमद खान; और जेएमएम के वरिष्ठ नेता हाजी एस.के. बदरुद्दीन शामिल थे। समारोह के दौरान, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने विद्यालय के नेतृत्व को बधाई दी और इस पहल के लिए प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और प्रशंसा व्यक्त की। संस्था का नेतृत्व निदेशक शबीह अहमद, प्रधानाध्यापिका अनुसूया बरुआ और अध्यक्ष सिद्दीक अंसारी कर रहे हैं। वर्तमान में नर्सरी से लेकर तीसरी कक्षा तक की शिक्षा प्रदान करने वाले इस विद्यालय में एक गतिविधि कक्ष भी है, जिसे विद्यार्थियों के बीच संवादात्मक शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। निदेशक ने निकट भविष्य में सुविधाओं को और बेहतर बनाने की योजनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें एक सुसज्जित पुस्तकालय का निर्माण भी शामिल है। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक रूप से हुआ, जो इस नई संस्था के लिए समुदाय के मजबूत समर्थन को दर्शाता है।

चय उर्स मेले की तैयारियां पूरी, थाना प्रभारी ने स्थल का लिया जायजा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): प्रखंड के ग्राम पंचायत चयकलां स्थित हजरत दूलाह शाह बाबा के दरबार में आयोजित होने वाला तीन दिवसीय उर्स मेला इस वर्ष 3 अप्रैल से प्रारंभ होकर 5 अप्रैल तक चलेगा। उर्स को लेकर क्षेत्र में अकीदतमंदों के बीच भारी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन को सफल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और उर्स कमिटी द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने उर्स कमिटी के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेले के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

बीजेपी के खिलाफ मोर्चा, हजारीबाग बच्ची हत्या मामले में कार्यकर्ता का नाम सामने आने के बाद जेएमएम का विरोध मार्च

संवाददाता रांचीः हजारीबाग के विष्णुगढ़ में बच्ची की निर्मम हत्या के बाद बीजेपी नेताओं ने सरकार पर कानून व्यवस्था की बदहाली का आरोप लगाया था, लेकिन पुलिस जांच में बीजेपी कार्यकर्ता का नाम सामने आने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रांची में जिला स्कूल से अलबर्ट एक्का चौक तक विरोध मार्च निकाला गया, जिसका नेतृत्व जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मुस्ताक आलम ने कहा, "बच्ची के साथ हमारी संवेदनाएं हैं, लेकिन बीजेपी के नेताओं ने सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए जिस तरह से हजारीबाग बंद का आवाहन किया और प्रदर्शन किया, वह गलत है।"

विरोध मार्च में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन्हें आईना दिखाने का काम किया। इस मौके पर मुस्ताक आलम ने कहा कि बीजेपी के लोगों को अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की जांच करानी चाहिए और दोषियों को सजा दिलाने में मदद करनी चाहिए।

बंगाल की खाड़ी में नमी, झारखंड पर असर

दो दिन बाद 11 जिलों में बरसेंगे बादल, 40 किमी/घंटा रहेगी हवा की रफ्तार, अलर्ट जारी

रांची : अप्रैल माह में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी रहने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार माह के पहले सप्ताह में बादल छाने और हल्की बारिश की संभावना से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, दूसरे और तीसरे सप्ताह से तापमान में लगातार बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी।

2 और 3 अप्रैल को आसमान साफ रहने से पारा चढ़ेगा, वहीं 4 अप्रैल को राज्य के पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, रांची, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, कोडरमा और धनबाद में मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। मौसम विभाग ने इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया है।

बंगाल की खाड़ी की नमी से बदलेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार झारखंड में अप्रैल के दौरान मौसम का बदलाव मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी पर निर्भर करता है। कई बार अरब सागर से भी नमी आने के कारण मौसम में परिवर्तन होता है।

कुएं में फंसे हाथी को बचाने की कोशिश, गांव में जुटी भारी भीड़

रांचीः रांची जिले के बुंडू वन प्रक्षेत्र अंतर्गत सोनाहातू थाना क्षेत्र के सारयाद गांव में एक जंगली हाथी के कुएं में गिरने से इलाके में हड़कंप मच गया है।

भोजन की तलाश में गांव पहुंचा हाथी

स्थानीय लोगों के अनुसार, हाथी जंगल से भटककर भोजन की तलाश में गांव की ओर आया था। इसी दौरान वह खुले कुएं में गिर गया।

घटना की खबर मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

वन विभाग ने शुरू किया रेस्क्यू

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

अधिकारियों के मुताबिक, हाथी फिलहाल सुरक्षित है और उसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

जेसीबी और रस्सियों की मदद

रेस्क्यू ऑपरेशन में जेसीबी मशीन, रस्सियों और अन्य उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है।

कुएं के आसपास की मिट्टी काटकर रास्ता बनाने जैसे विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि हाथी को बिना किसी नुकसान के बाहर निकाला जा सके।

मुआवजे को लेकर ग्रामीणों का विरोध

इधर, कुछ ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग करते हुए कुएं को काटने का विरोध किया है। उनका कहना है कि जब तक मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक वे रेस्क्यू कार्य में सहयोग नहीं करेंगे।

भीड़ नियंत्रण बनी चुनौती

घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा होने से प्रशासन को स्थिति संभालने में दिक्कत हो रही है।

वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे दूरी बनाए रखें और रेस्क्यू कार्य में बाधा न डालें।

सबकी नजर रेस्क्यू पर

फिलहाल पूरे इलाके में इस रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि कब तक हाथी को सुरक्षित बाहर निकाला जा सकेगा।

डीएवी आनंद स्वामी में बाल दीक्षांत समारोह का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में नर्सरी के बच्चों के लिए बाल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षांत पोशाक में बच्चों की छवि बहुत ही मनमोहक लग रही थी। कार्यक्रम में नर्सरी कक्षा के अभिभावक भी आमंत्रित थे। कार्यक्रम में डीएवी राँची जोन बी के एआरओ श्री एम के सिन्हा जी, जोन जे के एआरओ श्री एस के मिश्रा जी, डीएवी पुंदाग के प्राचार्य श्री तापस घोष जी, डीएवी गाँधी नगर के प्राचार्य श्री पी के झा जी उपस्थित थे, सबने नन्हें विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की मुख्य अध्यापिका डॉ रेशु चौधरी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों के बीच की कड़ी शिक्षक और अभिभावक हैं,अतः बच्चों के व्यक्तित्व के विकास में शिक्षक और अभिभावक की अहम भूमिका है। समारोह में डीएवी जोन बी एवं जोन जे के एआरओ श्री एम के सिन्हा जी एवं श्री एस के मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहे कि घर पहला विद्यालय है एवं माता - पिता पहले शिक्षक... इसलिए बच्चों को संस्कार देना ज़रूरी है, ना कि मोबाईल। अभिभावक पूरे विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षक के पास लाते हैं। हम शिक्षकों को हमेशा उनके विश्वास में खरा उतरना है। अभिभावकों द्वारा भी कार्यक्रम की प्रशंसा की गई।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची की शानदार उपलब्धि – बीआईटी मेसरा के साहित्यिक उत्सव में दोहरी सफलता

संवाददाता रांचीः सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने रोस्ट्रा'26' साहित्यिक उत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की। बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची में आयोजित इस आयोजन में विद्यालय ने स्पीकर्स डिलेमा (एलोकेशन) में द्वितीय स्थान तथा काया पलट प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। यह उपलब्धि विद्यालय की समृद्ध साहित्यिक संस्कृति तथा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रभावशाली अभिव्यक्ति के विकास के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के विद्यार्थियों ने अपनी प्रभावशाली वाणी, मौलिकता और गहन चिंतन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके सशक्त प्रस्तुतिकरण ने न केवल दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी, बल्कि रचनात्मकता और तार्किक सोच के अद्भुत समन्वय को भी उजागर किया। स्पीकर्स डिलेमा (एलोकेशन) प्रतियोगिता में कक्षा 9 की सचिता त्रिपाठी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि काया पलट प्रतियोगिता में कक्षा 9 की सूर्यांशी सिन्हा ने तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मनीषा शर्मा ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी सफलताएँ विद्यालय के उस सतत प्रयास को दर्शाती हैं, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास किया जाता है, ताकि वे भविष्य में संवेदनशील, विचारशील और प्रभावशाली वक्ता बन सकें।

रजरप्पा मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने की पहल शुरू

रामगढ़ः रामगढ़ डीसी फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर रजरप्पा मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने की पहल शुरू हुई. एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी के नेतृत्व में प्रशासन की टीम मंदिर पहुंची और परिसर में अतिक्रमण का जायजा लिया.

ज्ञात हो कि जिला प्रशासन ने पिछले 25 मार्च मंदिर व आसपास की 254 दुकानों को चिह्नित कर दुकानदारों को 15 दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाने व दुकान खाली करने का नोटिस दिया था. इसी आलोक में टीम ने मंदिर का दौरा किया. एसडीओ ने संबंधित दुकानदारों से इस मुद्दे पर प्रशासन का सहयोग करने की अपील की. रेस्टोरेंट संचालकों, मंदिर के पुजारियों व दुकानदारों के साथ बैठक भी हुई, जिसमें अतिक्रमण हटाने पर विस्तृत चर्चा की गई. टीम में गोपनीय शाखा के रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार व चितरपुर सीओ दीपक मिंज शामिल थे.

अटूट भक्ति और भगवान की कृपा का अद्भुत प्रसंग का संदेश के साथ नानी बाई रो मायरो कथा का समापन

जमशेदपुर। साकची बोधि मंदिर मैदान में चल रहे धार्मिक कथा नानी बाई रो मायरो का तीसरे एवं अंतिम दिन गुरूवार को विश्वविख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता पूज्या जया किशोरी ने व्यास पीठ से अपनी सुमधुर वाणी से नानी बाई एवं नरसी मेहता मिलन, श्री कृष्ण रूकमणी सहित मायरा भरने की भावपूर्ण कथा के प्रसंग को गाकर सुनाया, जिससे श्रोता भावविभोर हो गए। कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि यह कथा बेटी के प्रति पिता के निस्वार्थ प्रेम और ईश्वर पर पूर्ण समर्पण को दर्शाती है। भगवान ने स्वयं को नरसी जी का सेवक बताते हुए यह संदेश दिया कि सच्चे भक्त की लाज रखना ही उनका धर्म है। प्रसिद्ध कथावाचिका जया किशोरी के अनुसार, जब भक्त नरसी मेहता के पास अपनी बेटी नानी बाई के मायरे (भात) के लिए कुछ भी नहीं था, तब उन्होंने अपना सर्वस्व भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित कर दिया। नानी बाई अपने ससुराल में मायरा न भर पाने के कारण ताने सुनती थी। दुखी होकर उसने अपने पिता नरसी मेहता को संदेश भेजा। नरसी जी अत्यंत गरीब थे, लेकिन उनकी आस्था अटूट थी। उन्होंने सांसारिक साधनों के बजाय सीधे भगवान कृष्ण को पुकारा और कहा, "सांवरिया! अब तेरी बेटी की लाज तेरे हाथ है।" भक्त की इस सच्ची पुकार से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण स्वयं नरसी मेहता का रूप धारण कर नानी बाई के ससुराल पहुँचे। वहाँ उन्होंने सोने की मोहरों, बहुमूल्य वस्त्रों और रत्नों से भरा भव्य मायरा प्रस्तुत किया। बैलगाड़ियों से आए इस दिव्य मायरे को देखकर सभी चकित रह गए। यह कथा सिखाती है कि जब मनुष्य पूरी श्रद्धा और विश्वास से भगवान पर निर्भर होता है, तब वे स्वयं उसकी जिम्मेदारी उठाते हैं। तीन दिवसीय कथा का आयोजन शहर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था नारायणी सेवा ट्रस्ट जमशेदपुर द्वारा किया गया था। तीनों दिन कथा का आरंभ होने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना यजमानों द्वारा की गई। कोलकाता से आये आचार्य अभिषेक तिवारी ने पूजा करायी। व्यास पीठ पर जया किशोरी के विराजमान होने के बाद पारंपरिक रूप से उनका स्वागत सत्कार किया गया। जया किशोरी जी की सुमधुर वाणी से कथा सुनने के लिए तीनों दिन पूरा पंडाल भरा हुआ था। रोजाना लगभग तीन हजार से अधिक श्रद्धालुगण उपस्थित हुए। इसे सफल बनाने में प्रमुख रूप से राजकुमार चंदूका, राजकुमार संघी, कैलाश सरायवाला, विजय मित्तल, अनिल नरेडी, ललित सरायवाला, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, नवीन पोद्दार, किशन सोंथालिया, अभिषेक भालोटिया, रोहित अग्रवाल, राम रतन कांवटिया, समीर दिवान, अजय खेमका, अजय अग्रवाल, नेहा सोंथालिया, मेघा चौधरी, स्नेहा अग्रवाल, कृतिका गुप्ता, रिंकी भालोटिया, विजय लक्ष्मी भालोटिया आदि का योगदान रहा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।